राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उतरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
YouTube Linked in
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023 (Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत-गुजरात, संस्करण शनिवार,29अगस्त2020 वर्ष-3, अंक -213 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

वायुसेना की बढ़ेगी ताकतः राजनाथ की मौजूदगी में 10 सितंबर को एयरफोर्स में शामिल होंगे 5 राफेल

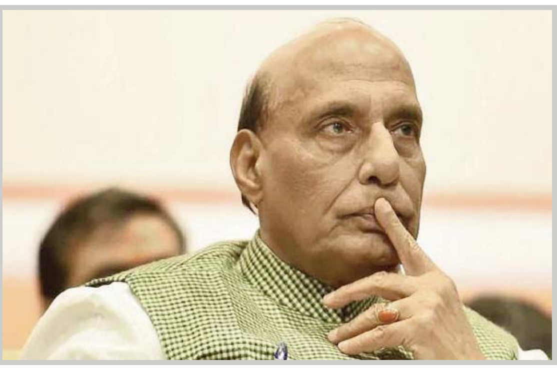

नई दिल्ली। भारतीय वायु सेना के लिए तुरूप का इक्का बताये जा रहे लड़ाकू विमान राफेल को आगामी 10 सितम्बर को वायु सेना में औपचारिक तौर पर शामिल किया जायेगा। फ्रांस से खरीदे गये इन विमानों की पहली खेप पिछले महीने ही भारत आयी थी। सूत्रों के अनुसार इन पांचों लड़ाकू विमानों को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और फ्रांसीसी रक्षा मंत्री फलोरेंस पार्ले की मौजूदगी में हरियाणा के अंबाला स्थित वायु सेना स्टेशन में एक समारोह में वायु सेना के बेड़े में शामिल किया जायेगा। वायु सेना के एक अधिकारी ने बताया कि राफेल विमानों को वायु सेना के बेड़े में औपचारिक तौर पर शामिल करने के लिए 10 सितम्बर की तारीख का प्रस्ताव किया गया है लेकिन अभी रक्षा मंत्री के कार्यालय ने इस अनुरोध के बारे में कोई जवाब नहीं दिया है। लड़ाकू विमानों की कमी का सामना कर रही वायु सेना ने 59 हजार करोड़ रूपये की लागत से फ्रांस से 36 लड़ाकू विमान खरीद का सौदा किया है। इनमे से पांच विमान गत 29 जुलाई को भारत आये थे और चार विमानों की अगली खेप के अक्टूबर में आने की संभावना है। पाकिस्तान और चीन सीमा पर एक साथ दो मोर्चों पर अभियान के लिए वायु सेना के पास राफेल जैसे विमान की बेहद अधिक जरूरत बतायी जा रही है।

राहुल गांधी ने केंद्र पर साधा निशाना, कहा- तीन कारणों से बर्बाद हुई अर्थव्यवस्था

नई दिल्ली।

पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने अर्थव्यवस्था की खस्ता हालत को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के उस बयान पर चुटकी ली है, जिसमें वित्त मंत्री ने कहा था कि कोरोना महामारी एक 'दैवीय घटना' है और यह क कारक है, जिससे जीएसटी संग्रह प्रभावित हुआ। इस साल असाधारण स्थिति का सामना कर रहे हैं। हम एक दैवीय आपदा का सामना कर रहे हैं। हमें मंदी भी देखने को मिल सकती है। राहुल ने अपने ट्वीट में कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था तीन कार्यों से तबाह हुई है। नोटबंदी, दोषपूर्ण जीएसटी और नाकाम लॉकडाउन। इसके अलावा बाकी सब झूठ है। राहुल से पहले (रू) ने भी त्रस्ज्ञ राजस्व की कमी के मामले पर शुक्रवार को केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए दावा किया कि सरकार उद्योगपतियों से मिलीभगत, नाकाम नीतियों और कठोर रवैए से अर्थव्यवस्था को बर्बाद करके भगवान को कोस रही है। पार्टी के नेता सीताराम येचुरी ने कहा, अगर जरूरी हो तो केंद्र सरकार कर्ज लेकर राज्यों के बकाए का भुगतान करे। राज्य सरकारें कर्ज क्यों लें? क्या इसे सहकारी संघवाद कहते हैं? भारतीय अर्थव्यवस्था को बर्बाद करने के बाद राज्यों को लूटा जा रहा है। दैवीय कारण बताकर? उन्होंने कहा, उद्योगपतियों से मिलीभगत, अक्षमता और असंवेदनशीलता की वजह से महामारी से काफी पहले ही लोगों की आजीविकाएं और जिंदगियां बर्बाद हो गई थीं। अब भगवान को कोसा जा रहा है। गौरतलब है कि राज्यों को राजस्व में कमी की भरपाई के मुद्दे पर चर्चा के लिए जीएसटी काउंसिल की गुरुवार को हुई बैठक के बाद सरकार ने कहा था कि कोरोना वायरस महामारी से माल एवं सेवा कर संग्रह काम हुआ है और वित्त वर्ष 2020-21 के लिए जीएसटी राजस्व में 2.35 लाख करोड़ रुपए की कमी आने का अनुमान है। बैठक के बाद वित्त मंत्री ने कहा कि कोरोना महामारी एक दैवीय घटना है और यह एक कारक है, जिससे जीएसटी संग्रह प्रभावित हुआ। इस साल हम असाधारण स्थिति का सामना कर रहे हैं।

लोकसभा अध्यक्ष का आदेश, मानसून सत्र से 72 घंटे पहले सांसदों और उनके परिवार का होगा कोरोना टेस्ट

नई दिल्ली। अगले महीने के दूसरे सप्ताह से संसद के मानसून सत्र की शुरुआत हो सकती है। हालांकि, अभी तक इसका औपचारिक तौर पर ऐलान नहीं किया गया है। संसद के मानसून सत्र की शुरूआत होने से पहले लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने स्पष्ट किया है कि कार्रवाई शुरू होने से 72 घंटे पहले सभी सांसदों का कोरोना टेस्ट करवाया जाएगा। सांसदों के अलावा संसद में आने वाले स्टाफ का भी कोरोना टेस्ट होगा। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि मानसून सत्र के दौरान संसद की कार्यवाही का निर्बाध संचालन हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसके लिए सभी व्यापक इंतजाम किए जाएंगे। सत्र के दौरान की व्यवस्थाओं को लेकर बिरला ने गुरूवार को दोनों सदनों के महसचिवों और सीपीडब्ल्यूडी और एनडीएमसी के अधिकारियों के साथ बैठक भी की। मानसून सत्र को लेकर जोरदार तैयारियां चल रही है क्योंकि कोविड-19 महामारी के मद्देनजर संसदीय इतिहास में बहुत कुछ पहली बार होने जा रहा है। कार्यवाही के दौरान उच्च सदन के सदस्य दोनों सदन कक्षों और गैलेरी में बैठेंगे आम तौर पर दोनों सदनों में एक साथ बैठकें होती हैं लेकिन सूत्रों का कहना है कि इस बार असाधारण परिस्थिति के कारण एक सदन सुबह के समय बैठेगा और दूसरे की कार्यवाही शाम को होगी। भारतीय संसद के इतिहास में पहली बार इस तरह की व्यवस्था होगी जहां 60 सदस्य सदन कक्ष में बैठेंगे और 51 सदस्य राज्यसभा की गैलेरी में बैठेंगे। इसके अलावा बाकी 132 सदस्य लोकसभा के सदन कक्ष में बैठेंगे। अधिकारियों के मुताबिक उचित दूरी का पालन करने के लिए नई व्यवस्थाएं बनाई जा रही हैं। मसलन, सदस्यों के बैठने के लिए दोनों सदन कक्षों और दीर्घाओं का इस्तेमाल किए जाने की संभावना है। राज्यसभा सचिवालय के मुताबिक सत्र की कार्यवाही के दौरान उच्च सदन के सदस्य दोनों सदन कक्षों और गैलेरी में बैठेंगे आम तौर पर दोनों सदनों में एक साथ बैठकें होती हैं लेकिन सूत्रों का कहना है कि इस बार असाधारण परिस्थिति के कारण एक सदन सुबह के समय बैठेगा और दूसरे की कार्यवाही शाम को होगी। भारतीय संसद के इतिहास में पहली बार इस तरह की व्यवस्था होगी जहां 60 सदस्य सदन कक्ष में बैठेंगे और 51 सदस्य राज्यसभा की गैलेरी में बैठेंगे। इसके अलावा बाकी 132 सदस्य लोकसभा के सदन कक्ष में बैठेंगे।

संक्षिप्त समाचार

पाक पर बरसे विदेश मंत्री जयशंकर, बोले- कैंसर और महामारी जैसा घातक है आतंकवाद

नेशनल डेस्क । आतंकवाद को बढ़ावा देने और आतंकियों को पनाह दे रहे पाकिस्तान पर भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर एक बार फिर जमकर बरसे। एस जयशंकर ने कहा कि आतंकवाद एक कैंसर है, जो संभवतः सभी को प्रभावित करता है, ठीक उसी तरह जैसे वैश्विक महामारी संपूर्ण मानवता को प्रभावित करती है। विदेश मंत्री ने कहा कि आतंकवाद और महामारी को लेकर वैश्विक प्रतिक्रियाएं तब उभर कर सामने आई हैं जबकि पर्याप्त व्यवधान हैं। एस जयशंकर ने कहा कि पाकिस्तान ने खुद कबूला है कि उसके यहां कई खतरनाक आतंकी मौजूद हैं। 19वें दरबारी सेठ मेमोरियल लेक्चर में बोलते हुए जयशंकर ने कहा कि अपनी आदत के मुताबिक पहले पाकिस्तान ने कबूल कर लिया और फिर पलटी मार ली, लेकिन इससे सच नहीं छिपेगा। जयशंकर की यह टिप्पणी उस खबर पर है जिसमें पहले पाकिस्तैन ने माना कि मुंबई हमले का मास्टरमाइंड और आतंकी दाऊद इब्राहिम पाकिस्तान में है। हालांकि, बाद में पाकिस्तान अपने इस बयान से पलट गया। जयशंकर ने आगे कहा कि जहां सबसे ज्यादा आतंकी तैयार होते हैं वे देश भी खुद को आतंकवाद का पीड़ित बता देते है।

सोनिया गांधी की मोदी सरकार को नसीहत- मुश्किल वक्त से गुजर रहे छात्रों की सुनो आवाज

नेशनल डेस्क। कांग्रेस ने मेडिकल और इंजीनियरिंग कॉलेजों में प्रवेश से संबंधित नीट एवं जेईई की परीक्षाएं कोरोना वायरस महामारी के बीच कराने के फैसले के विरोध में सरकार के खिलाफ एक अभियान छेड़ दिया है। कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी ने भी छात्रों का समर्थन करते हुए सरकार से अपने फैसले पर विचार करने की अपील की है। कांगेस पार्टी ने सोनिया गांधी का वीडियो संदेश ट्विटर पर जारी किया। वीडियो में सोनिया ने कहा कि छात्रों, मुझे आपके लिए दुख होता है क्योंकि आप सबसे मुश्किल वक्त से गुजर रहे हैं। आपकी परीक्षाओं को कब लिया जाना चाहिए ये सिर्फ आपके लिए ही नहीं बल्कि आपके परिवार के लिए भी काफी जरूरी फैसला है। आप हमारा भविष्य हैं, ऐसे में अगर आपके भविष्य से जुड़ा कोई भी फैसला होना चाहिए तो आपसे पूछकर होना चाहिए। सोनिया गांधी ने आगे कहा कि मुझे उम्मीद है कि सरकार आपकी बात को सुनेगी और उसके अनुसार काम करेगी।सरकार को आपसे बात करके ही परीक्षाओं को लेकर कोई भी फैसला करना चाहिए। बता दें कि कांग्रेस ने सोशल मीडिया में 'स्पीक अप फॉर स्टूडेंट सेफ्टी हैशटैग से अभियान चलाने के साथ ही देश भर में केंद्र सरकार से जुड़े दफ्तरों के बाहर धरने का कार्यक्रम भी रखा है। देश भर में केंद्र सरकार से जुड़े दफ्तरों के बाहर धरने का कार्यक्रम भी रखा है।

विधानसभा

पंजाब विधानसभा मानसून सत्र, कोरोना संकट के बीच कई अहम बिल हुए पास

पंजाब /चंडीगढ़।

पंजाब में विधानसभा का एक दिवसीय मानसून सत्र कोविड -19 महामारी के मद्देनज़र सख़्त नियमों के तहत आयोजित किया गया। हालांकि पॉजिटिव विधायकों /मंत्रियों की संख्या बढ़कर 29 तक पहुंच गयी है, जिसके चलते आज कई विधायक बैठक में शामिल नहीं हो सके। विधानसभा सैशन में पंजाब कैबिनेट द्वारा किए गए इनमें से खेती आर्डिनेंस अहम रहा। गौरतलब है कि इस आर्डिनेंस के खिलाफ विपक्ष दल भी एकजुट रहा, मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिन्दर सिंह ने आर्डिनेंस ख़िलाफ़ सर्व पार्टी मीटिंग और किसान जत्थेबंदियों के साथ बैठक दौरान भी संकल्प पास किए थे। किसान जत्थेबंदियाँ और बाकी विरोधी पार्टियाँ विधानसभा में संकल्प लाने की लगातार मांग करती आ रही थी। इसके अलावा पंजाब कैदियों का अच्छा आचरण (अस्थाई रिहाई) सुधारना बिल -2020 कैबिनेट मंत्री तृप्त रजिन्दर बाजवा की तरफ से पेश किया गया। इस के अलावा पंजाब वित्तीय ज़िम्मेदारी और बजट प्रबंध (दूसरी संशोधन) बिल 2020, कैबिनेट मंत्री मनप्रीत बादल की तरफ से पेश किया गया। सभी बिल के पास कर दिए गए। अकाली दल काफ़ी दिनों से सत्र को बढ़ाने की माँग कर रहा था और पंजाब के लोगों के साथ जुड़े काफ़ी मुद्दे सदन में उठाना चाहता था परन्तु अकाली दल ने एक रोज़ा इजलास से किनारा कर लिया। मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह की तरफ से अपील की गई थी कि कोरोना पॉजिटिव विधायकों के संपर्क में जो विधायक आए हैं, वह न आए। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि विधानसभा में सरकार को घेरने के लिए अपनी रणनीति तय करने के लिए शिरोमणि अकाली दल और आम आदमी पार्टी ने 25 अगस्त को दोपहर के वक्त अपने विधायकों की विभिन्न बैठकें बुलाई थीं और बैठकों के बाद सभी ने मिलकर दोपहर का भोजन खाया था। हालांकि मंगलवार की रात को यह स्पष्ट हुआ कि बैठक और आम आदमी पार्टी के एक विधायक को भी कोरोना था जो उन बैठकों में सभी विधायकों और बड़े नेताओं के साथ बैठे रहे हैं।

शिवराज ने सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल का किया लोकार्पण, बोले- निजी अस्पतालों की लूट कतई बर्दाश्त नहीं

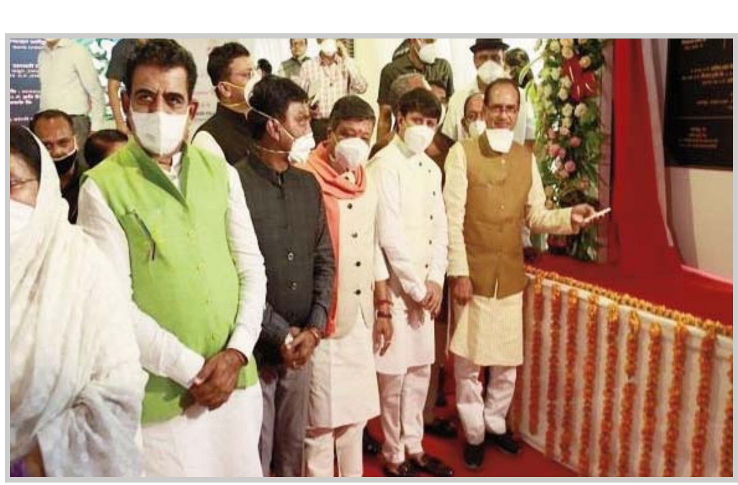

इंदौर।

सीएम शिवराज सिंह शुक्रवार दोपहर एक दिवसीय इंदौर दौरे पर पहुंचे। जहां इदौरवासियों को बड़ी सौगात देते हुए सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल का उद्घाटन किया। 237 करोड़ रुपये की लागत से बने सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल में फिलहाल कोरोना मरीजों का इलाज ही किया जाएगा। सुपर स्पेशिएलिटी की सेवाएं कुछ समय बाद मिलेंगी। इस मौके पर मंत्री तुलसी सिलावट, सांसद लालवानी, कैलाश विजयवर्गीय सहित कई भाजपा नेता कार्यक्रम में मौजूद रहे। इस दौरान अपने संबोधन में सीएम शिवराज सिंह चौहान ने मंच से इंदौर के संभागायुक्त, कलेक्टर, डीआईजी, चिकित्सकों से लेकर जन प्रतिनिधियों की सराहना की। सीएम ने कहा रही है। कोरोना अजीब बीमारी है, सीएम ने कहा कि इन योद्धाओं ने एकजुट होकर कोरोना के खिलाफ लड़ाई लड़ी है। आज 20 हजार से ज्यादा टेस्टिंग हो रही है। कोरोना अजीब बीमारी है, सीएम ने कहा कि इन योद्धाओं ने एकजुट होकर कोरोना के खिलाफ लड़ाई लड़ी है। आज 20 हजार से ज्यादा टेस्टिंग हो रही है। कोरोना अजीब बीमारी है, जो अपनो को भी दूर कर देती है, मैं भी इसका भुक्तभोगी हूं , जब अस्पताल में 12 दिन भर्ती रहा और बाथरूम से लेकर रूम की सफाई तक की। उन्होंने कहा कि इंदौर ने कोरोना की जंग में कई सफलताएं हांसिल की। आज नए हॉस्पिटल के शुभारंभ के साथ बहुत बड़ी कामयाबी मिली है। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कहा कि निजी हॉस्पिटलों को लूट की अनुमति कतई नहीं दी जाएगी। उन्होंने अफसरों को मंच से ही निर्देश दिए कि जनता का इलाज बेहतर हो , लेकिन अवैध वसूली न होने दे।

दिल्ली में यमुना का जलस्तर चेतावनी के निशान के पास पहुंचा, बाढ़ का खतरा मंडराया

नई दिल्ली। दिल्ली में यमुना का जल स्तर शुक्रवार सुबह 204.30 मीटर तक पहुंच गया, जो चेतावनी के निशान 204.50 मीटर के काफी करीब है। इससे दिल्ली में आने वाले समय मे यमुना नदी का जलस्तर और बढ़ने की आशंका है।सिंचाई और बाढ़ नियंत्रण विभाग के एक अधिकारी ने कहा, पुराने रेल पुल पर सुबह नौ बजे जलस्तर 204.30 मीटर था। बृहस्पतिवार सुबह 10 बजे यह 203.77 मीटर पर था। उन्होंने बताया कि हथिनीकुंड बैराज से मंगलवार को और पानी छोड़े जाने की वजह से जल स्तर बढ़ गया। मंगलवार शाम पांच बजे प्रवाह दर 36,557 क्यूसेक थी। पिछले तीन दिनों में यह सर्वाधिक है। अधिकारी ने बताया कि बैराज से पानी राष्ट्रीय राजधानी पहुंचने में आमतौर पर दो से तीन दिन लगते हैं। एक क्यूसेक 28.32 लीटर प्रति सेकंड के बराबर होता है। एक क्यूसेक 28.32 लीटर प्रति सेकंड के बराबर होता है। नदी का जलस्तर सोमवार को 204.38 मीटर था, जो कि खतरे के निशान 205.33 मीटर से नीचे है। सामान्य तौर पर हथिनीकुंड बैराज में प्रवाह दर 352 क्यूसेक होती है लेकिन जलग्रहण क्षेत्रों में भारी बारिश के बाद पानी छोडने की मात्रा बढ़ा दी जाती है। इससे ही दिल्ली को पेयजल मिलता है। हथिनीकुंड बैराज से शुक्रवार सुबह आठ बजे 11, 055 क्यूसेक की दर से पानी यमुना में छोड़ा गया। अधिकारी ने कहा, पिछले दो दिनों में प्रवाह दर 10,000 क्यूसेक से 25,000 क्यूसेक के बीच रही है, जो कि बहुत अधिक नहीं है। इसलिए, नदी के जलस्तर के नीचे आने की संभावना है। एक क्यूसेक 28.32 लीटर प्रति सेकंड के बराबर होता है। नदी का जलस्तर सोमवार को 204.38 मीटर था, जो कि खतरे के निशान 205.33 मीटर से नीचे है। सामान्य तौर पर हथिनीकुंड बैराज में प्रवाह दर 352 क्यूसेक होती है लेकिन जलग्रहण क्षेत्रों में भारी बारिश के बाद पानी छोडने की मात्रा बढ़ा दी जाती है। गत वर्ष 18-19 अगस्त को प्रवाह दर 8.28 लाख क्यूसेक तक पहुंच गई थी और यमुना नदी का जलस्तर 206.60 मीटर पर पहुंच गया था, जो खतरे के निशान 205.33 से ऊपर है।निचले इलाकों में पानी भरने के बाद दिल्ली सरकार ने बचाव और राहत अभियान शुरू किया था। वहीं 1978 में यह नदी अब तक के रिकॉर्ड जलस्तर 207.49 तक पहुंच गई थी। इसके बाद 2013 में जलस्तर 207.32 मीटर दर्ज किया गया। नदी का जलस्तर अभी तक सबसे अधिक 1978 में 207.49 मीटर पर पहुंचा है। 2013 में यह 207.32 मीटर पर पहुंच गया था। दिल्ली के जल मंत्री सत्येंद्र जैन ने सोमवार को कहा कि सरकार बाढ़ जैसी किसी भी स्थिति से निपटने के लिए तैयार है।

मोबाइल टेस्टिंग क्लीनिक और एंबुलेंस को कैप्टन ने दी हरी झंडी

पंजाब। कोरोना वायरस का कहर पंजाब में रुकने का नाम नहीं ले रहा है। हर दिन नए मामले सामने आ रहे है, इसी के साथ-साथ पंजाब में मौतों के भी डराने वाले आंकड़े सामने आ रहे है। कोरोना के कारण मृतकों का आंकड़ा बढ़ता जा रहा है। इसी को लेकर टेस्टिंग प्रक्रिया में भी तेजी लाने की जरूरत है। इसी को देखते हुए कैप्टन सरकार की तरफ से बड़ा फैसला लिया गया है। मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह ने शुक्रवार को कोरोना टेस्टिंग मोबाइल क्लीनिक और एंबुलेंस को हरी झंडी देकर रवाना किया। इस कोरोना टेस्टिंग मोबाइल क्लीनिक और एंबुलेंस को सन फाउंडेशन के चेयरमैन और विश्व पंजाबी संस्था के अंतरराष्ट्रीय प्रधान विक्रमजीत सिंह साहनी ने डोनेट किया है। इस के जरिए दूर के ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को जांच की सुविधाएं दी जाएंगी। इसमें मरीजों के घरों से रोजाना एक हजार से अधिक नमूने लेने की क्षमता है। मोबाइल क्लीनिक में नाक और मुंह द्वारा (नासोफैरनीजल और ओरोफैरेंजल सवाब) टेस्टों वाली बिना कॉन्टैक्ट की थर्मल टेस्टिंग होगी। ये पूरी तरह एयर कंडीशनड है और इसी के साथ इस मोबाइल यूनिट में गंभीर मरीजों को ले जाने के लिए एंबुलेंस ज़ोन भी है। इससे पंजाब में टेस्टिंग प्रक्रिया में तेजी आएगी और दूर-दराज क्षेत्रों में रहने वाले लोग जो कोरोना के कारण मूलभूत सुविधाओं और बाकी किसी परेशानी के कारण शहर आने में असमर्थ है उनके इलाज के लिए ये काफी लाभकारी साबित हो सकता है। गौरतलब है की पंजाब में पहले कोरोना की धीमी रफ्तार ने अनलॉक फेज के बाद गौरतलब है की गौरतलब है की पंजाब में पहले कोरोना की धीमी रफ्तार ने अनलॉक फेज के बाद बहुत तेजी से लोगों को अपनी चपेट में लिया है। इस समय पंजाब में कई विधायकों और मंत्रियों को ये अपनी गिरफ्त में ले चुका है, वहीं हर दिन मौतों का आंकड़ा भी तेजी से बढ़ रहा है।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

लड़ाई अभी बाकी है

इंडियन मेडिकल कौंसिल ऑफ रिसर्च यानी आईसीएमआर ने कोविड-19 से जुड़े जो आंकड़े कल जारी किए हैं, वे काफी सकारात्मक संकेत देते हैं। यह ठीक है कि देश में कोराना संक्रमितों की संख्या लगभग 32 लाख हो चुकी है और इससे मरने वालों की तादाद अब 60 हजार के करीब पहुंच रही है, मगर ताजा आंकड़े बता रहे हैं कि ठीक होने वालों की दर बढ़कर 75 फीसदी से ऊपर हो गई है और मृत्यु-दर दो प्रतिशत से नीचे आ चुकी है। बल्कि एक्टिव मामलों से तीन गुना ज्यादा लोग अब इस वायरस को मात देकर बाहर निकल चुके हैं। निस्संदेह, इसके पीछे एक बड़ी वजह जांच की बढ़ी संख्या है। शुरुआत से ही तमाम विशेषज्ञों की यह राय थी कि ज्यादा से ज्यादा जांच ही इस महामारी में प्रभावी फर्क डाल सकती है। आईसीएमआर के आंकड़ों के मुताबिक, देश में अब तक तीन करोड़, साठ लाख से अधिक जांच हो चुकी है और अब रोजाना लगभग दस लाख लोगों की जांच की जा रही है।

हाल के दिनों में सुधरते आंकड़ों का एक बड़ा असर यह पड़ा है कि लोगों के भीतर हालात के तेजी से सामान्य होने की उम्मीद बढ़ी है। दो माह पहले जो एक किस्म की बदहवासी या बेबसी दिख रही थी, वह अब लोगों के जेहन से उतर रही है। राजधानी दिल्ली में तो हजारों लोग होम क्वारंटीन में ही वायरस की गिरफ्त से बाहर आ चुके हैं। दिल्ली के दूसरे सीरो सर्वे के आंकड़े इसकी तस्दीक करते हैं। यहां के 29 फीसदी से अधिक लोगों में एंटीबॉडी विकसित हो चुकी है। यही कारण है कि कोरोना के शुरुआती शिकार बने महानगरों में लोग अब कुछ एहतियात के साथ बाहर निकलने लगे हैं। कुछ राज्य सरकारों ने भी अपने यहां लगी पाबंदियां उठा ली हैं। कर्नाटक ने जहां दूसरे राज्यों से आवाजाही को लेकर जारी तमाम शर्तों को हटा लिया है, तो वहीं दिल्ली सरकार ने केंद्र से अपील की है कि कुछ एहतियात के साथ 1 सितंबर से मेट्रो रेल सेवा शुरू करने की इजाजत दी जाए। इसमें कोई दोराय नहीं कि दिल्ली की लाइफ लाइन मेट्रो की शुरुआत यहां के लोगों के मनोविज्ञान पर काफी सकारात्मक असर डालेगी।

लेकिन इन पुरउम्मीद एहसासों के बीच हम इस तथ्य को नजरंदाज नहीं कर सकते कि अब भी रोजाना 60 हजार से अधिक लोग देश में इस वायरस की गिरफ्त में आ रहे हैं और हमारे सबसे बड़े व सघन आबादी वाले उत्तरी राज्यों में जांच की रफ्तार उम्मीद के मुताबिक नहीं है। इस वायरस की डब्ल्यूएचओ से अनुमोदित किसी वैक्सीन के आने में अभी वक्त है। ऐसे में, हमें अभी बचाव के उपायों से ही इसे काबू में करना है। एक बड़ी चुनौती यह भी है कि संक्रमण अब छोटे कस्बों और गांवों तक पसर चुका है, जबकि आने वाले महीने बड़े त्योहारों के हैं। तमाम सरकारी इमदादों के बावजूद लोग आर्थिक दबाव में हैं, ऐसे में त्योहारी सीजन में उनकी गतिविधियां तेजी से बढ़ेंगी। वैसी स्थिति में संक्रमण की आशंकाएं भी अधिक होंगी। फिर इस महामारी को लेकर एक चिंताजनक खबर यह भी आ रही है कि हांगकांग में एक ठीक हो चुका मरीज दोबारा इसकी गिरफ्त में आ गया है। इसलिए अभी काफी सावधानी बरतने की आवश्यकता है। शासन-प्रशासन के स्तर पर भी और समाज के स्तर पर भी, वरना अब तक के सारे परिश्रम, कोरोना वॉरियर्स की सारी बेमिसाल कुर्बानियां जाया हो जाएंगी।

.तो सैन्य विकल्प तैयार

भारत-चीन के बीच लद्दाख को लेकर गतिरोध अभी जारी है। कूटनीतिक एवं सैन्य स्तर पर चल रही वार्ता से अभी तक अपेक्षित परिणाम नहीं निकला है। दोनों देशों की सेनाएं पिछले करीब चार महीने से आमने-सामने डटी हुई हैं। इस बीच चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल बिपिन रावत ने चीन को चेतावनी भरा संदेश दिया है। जनरल रावत ने कहा है कि चीन द्वारा किए गए उल्लंघनों से निपटने के लिए हमारे सैन्य विकल्प तैयार हैं, लेकिन इन विकल्पों पर तब विचार किया जाएगा, जब कूटनीतिक और सैन्य स्तर पर वार्ता विफल हो जाएगी। जनरल रावत की बातें कई मायने में विचार करने योग्य हैं। यह सही है कि जनरल रावत ने अपने स्तर पर यह टिप्पणी की है, लेकिन इसमें भारत सरकार के छिपे हुए संदेश को भी पढ़ा जा सकता है। दूसरी बात यह है कि अभी सैन्य विकल्प अपनाने की नौबत नहीं आई है। यानी अब भी वार्ता के परिणाम का इंतजार किया जाएगा। सर्दी के मद्देनजर जिस प्रकार सैनिकों के लिए साजो-सामान की व्यवस्था की जा रही है, उससे ऐसा लगता है कि वार्ता प्रक्रिया लंबी चलेगी और उसके परिणाम की प्रतीक्षा की जाएगी। तीसरी बात यह कि अगर चीन के खिलाफ सेना के प्रयोग की जरूरत पड़ी, तो कौन सा विकल्प आजमाया जाएगा, यह खुलासा उन्होंने नहीं किया। सैन्य रणनीति के हिसाब से वे ऐसा करेंगे भी नहीं और करना भी नहीं चाहिए, लेकिन जनरल रावत को अभी यह बात क्यों कहनी पड़ी? क्या यह वार्ता प्रक्रिया से उपजी निराशा की अभिव्यक्ति है? दरअसल, चीन की सेना अब भी वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के पास कई विवादित बिंदुओं पर बैठी हुई है और हटने को तैयार नहीं दिख रही है। उसने पैंगोंग त्सो और देपसांग में अपनी वर्तमान स्थिति से पीछे हटने से इनकार कर दिया है। ऐसे में जनरल रावत का बयान समय की मांग है, ताकि चीन को अहसास कराया जा सके कि भारत चुपचाप बैठे रहने वाला नहीं है। ऐसा प्रतीत होता है कि चीन की दिलचस्पी मसले को बातचीत से सुलझाने में नहीं है। उसका हित इसी में है कि भारत को बातचीत में उलझाकर मसले को लटकाए रखे ग क्योंकि एलएसी में कई जगहों पर कब्जा जमाए बैठे चीन को कुछ खोना नहीं है। कुछ विशेषज्ञों का तो यहां तक कहना है कि चीन की रुचि सीमा समस्या को सुलझाने में नहीं, बल्कि भारत पर जरूरत के मुताबिक दबाव बनाने के लिए उसको जिंदा रखने में है।

चौं रे चम्पू/ अशोक चक्रधर

वाह री अम्माजान!

चौं रे चंपू! तेरी अम्माजान की दुकान ठीक चलई ऐ आजकल?

-कौन सी अम्माजान की दुकान? मेरी मां तो कोई दुकान नहीं चलातीं।

-अरे, दो-तीन साल पैलै तैनैंई तौ बताई कै हमारौ सामान अम्माजान की दुकान ते आवै।

-ओह! भूल गया था ग एमेजॉन के लिए मैंने ये नाम दिया था, अम्माजान की दुकान। पर वो दुकान मेरी कहां है! उसके मालिक का नाम है जेफ बेजोस। दुनिया का सबसे अमीर आदमी है। -अच्छा जी सबते अमीर! -हां जी, कभी बिल गेट्स, कभी बेजोस! कोरोना-काल में तो इनके और मजे आ गए। अम्माजान की दुकान धकाधक चल रही है। लेकिन अम्मा जान के बच्चे बड़ी तकलीफ में हैं। आपको तो पता है कि मैं अगले महीने नाना बनने वाला हूं। बिटिया हमारी बड़ी नर्तकी है। पद्मश्री गीताचंद्रन उसकी गुरु हैं। अनेक श्रेष्ठ नृत्यांगनाएं उसकी सहेलियां हैं। परिवार भी भरापूरा है, ऑस्ट्रेलिया में उसका भाई बहुत दिलदार है। सबके सब अम्माजान की दुकान से नवागंतुक के लिए तरह-तरह की स्वागत-भेंट भेज रहे हैं। दिन में चार-पांच सामान तो आ ही जाते हैं, लेकिन डिलीवरी बॉय हर बार अलग होते हैं। कम-से-कम डेढ़-दो सौ चेहरे तो इस दौरान देखे ही होंगे। पहले सालों तक एक पोस्टमैन आता था ग अब तो हर बार नया चेहरा। बाकायदे मोटरसाइकिल पर आते हैं। पीछे काले रंग का चौकोर बक्सा होता है, उसमें सामान भरा होता है। बड़ी-से-बड़ी बच्चों की गाड़ी भी अम्माजान ने भेज दी और छोटे वस्त्रों को टांगने की क्लिप का छोटा-सा डिब्बा भी आ गया। गद्दे-तकिए, खिलौने, कपड़े, खानपान, तेल-फुलेल, मेवा। अम्माजान की अहतनश सेवा। घंटी बजे हर घंटे। --वाह री अम्माजान! --अमेरिका में बैठी अम्माजान बहुत काइयां है, चचा! सस्ते-से-सस्ता खरीदकर, बेचती है दूसरों से सस्ता। ग्राहक खुश, लेकिन डिलीवरी बॉयज की हालत है सबसे खस्ता। अपनी मोटरसाइकिल अपना पैट्रोल। सौ डिलीवरी के मिले पांच सौ। उसमें से न जाने किस-किस को दिए कमीशन। इन बच्चों की आमदनी प्रतिदिन तीन-चार सौ से ज्यादा नहीं होती। और फिर हर दिन तीन-चार सौ किलोमीटर चलाने में निकल जाती है जान। अब कहिए जरा, वाह री अम्माजान!!

हर जरूरतमंद के घर पहुंचे अनाज

काश! अभी जो कुछ हो रहा है, वह सच न होता। मार्च के अंत में, जब देश में लॉकडाउन की शुरुआत हुई थी, तब सरकार को लालफीताशाही से बचने, अपना तौर-तरीका बदलने, केंद्र-राज्य के आपसी संबंध को सुधारने और प्रशासनिक प्रक्रियाओं को चुस्त-दुरुस्त बनाने की तत्काल जरूरत मैंने बताई थी। लॉकडाउन से पैदा होने वाले आर्थिक संकट से मुकाबले के लिए यह सब किया जाना जरूरी था। हमें भरोसा था कि केंद्र सरकार अपना खजाना खोलते हुए राहत-उपायों के लिए कहीं अधिक उदार साबित होगी। मगर बीते पांच महीनों में 80,000 करोड़ टन मुफ्त अनाज में से महज एक चौथाई प्रवासी मजदूरों में बंट पाए हैं। इससे पता चलता है कि देश ने न तो राजकोषीय उदारता दिखाई और न ही अपना तौर-तरीका बदला। अब आर्थिक संकट भी गहरा रहा है। ऐसे में, पांच महीने पहले कही गई उन बातों को फिर से समझने की दरकार है।

सबसे पहले, सार्वजनिक जन-वितरण प्रणाली (पीडीएस) को सभी के लिए सुलभ बनाया जाना चाहिए। लॉकडाउन से पहले केंद्र ने इस दुःसाध्य योजना का विस्तार किया था, और अब इसे नवंबर तक बढ़ा दिया गया है। पर सरकार इसे सार्वभौमिक नहीं बना सकी, यानी जिनके पास राशन कार्ड नहीं है, उन्हें अनाज उपलब्ध कराने की वह कोई ठोस व्यवस्था नहीं कर सकी।

मई में, जब प्रवासी मजदूरों के विराट संकट से बचना असंभव हो गया, तब पीडीएस की पात्रता आठ करोड़ प्रवासी मजदूरों तक बढ़ा दी गई, जिनमें से अधिकतर के पास राशन कार्ड नहीं थे। उस सिस्टम के लिए, जो कागजी कार्रवाई और 'पहचान मांगने' की समस्या में उलझा हो, पात्रता के इस विस्तार को जमीन पर उतारना आसान नहीं था। इसकी बजाय, उसने प्रवासियों की पहचान और अस्थाई राशन कार्ड जारी करने से संबंधित अपनी नीतियां बनाईं। यह बताने के लिए कि तमाम मुश्किलों के बावजूद सराहनीय काम किए गए हैं, कुछ राज्य सरकारों ने इसका हल निकालने की कोशिश करते हुए स्थानीय सर्वेक्षणों के माध्यम से, ऑनलाइन पोर्टल से अस्थाई राशन कार्ड जारी किए। मगर ये सभी प्रक्रियाएं बोझिल और समय जाया करने वाली होती हैं। ये सरकारी कामकाज में दुःसाध्य कागजी कार्रवाइयों का एक नया दरवाजा खोल देती हैं। यही वजह है कि तय किए गए आठ करोड़ मजदूरों में से महज 18 फीसदी को इस योजना का लाभ मिल पाया है।

> आज उदारता व परस्पर सहयोग समय की मांग है। सार्वजनिक जन-वितरण प्रणाली को सर्वसुलभ बनाने की दिशा में सरकार को तत्परता दिखानी चाहिए।

ऐसा सिर्फ प्रवासी श्रमिकों के साथ नहीं हुआ। जाने-माने अर्थशास्त्री रीतिका खेड़ा और ज्यां द्रेज के अनुमानों के मुताबिक, सामान्य समय में भी करीब 10 करोड़ भारतीय पीडीएस के हकदार होने के बावजूद इसका लाभ नहीं उठा पाते। दूसरे शब्दों में, उनके पास राशन कार्ड नहीं है, जिस वजह से उन्हें अनाज नहीं मिल पाता। सर्वे बताते हैं कि लॉकडाउन के बाद से बिना राशन कार्ड वाले बहुत कम लोग पीडीएस से अनाज पा सके हैं।

संभावित लाभार्थियों का नाम लिखने या अस्थाई राशन कार्ड जारी करने की बजाय जरूरी यह है कि पीडीएस का अनाज सभी जरूरतमंदों को मिले। पीडीएस केंद्र पर भ्रष्टाचार और एक बार से अधिक अनाज ले जाने वालों को रोकने के लिए कई उपाय किए जा सकते हैं, मगर सबसे पहले राज्यों को कागजी कार्रवाई या पहचान-पत्र मांगने जैसे तौर-तरीके छोड़ने होंगे। वक्त का तकाजा है कि संकट को पहचानकर मांग-आधारित पीडीएस व्यवस्था बनाई जाए। 'एक देश-एक राशन कार्ड' पर काम करने की बजाय सार्वजनिक जन-वितरण प्रणाली को तत्काल सर्वसुलभ बना देने की दिशा में सरकार को तत्परता दिखानी चाहिए। ऐसा कम से कम तब तक जरूर किया जाना चाहिए, जब तक कि हम मौजूदा आर्थिक संकट से बाहर नहीं निकल जाते।

दूसरा, राज्यों को धन मुहैया कराने के प्रति लचीला रुख अपनाया जाना चाहिए। कोविड-19 के खिलाफ लड़ाई में राज्य सबसे आगे खड़े हैं, लेकिन वे एक अलग तरीके से महामारी व इसके आर्थिक परिणामों का सामना कर रहे हैं। अपनी आर्थिक मुश्किलों को देखते हुए अधिकांश राज्यों ने राजस्व में कमी की भरपाई के लिए केंद्र से कोविड-19 राहत अनुदान देने की मांग की है। लेकिन केंद्र ने सीमित संसाधनों के साथ एक केंद्रीकृत राहत पैकेज का रास्ता चुना, जिसमें बहुत लचीलापन नहीं दिखाया जा सकता। उदाहरण के लिए, यदि राज्य नकद हस्तांतरण के साथ मनरेगा के कार्यस्थल को बदलने की सोचते हैं, तो वे ऐसा नहीं कर सकते। इससे राज्यों को आर्थिक संकट से निपटने के लिए अभिनव तरीके न अपनाने का बना-बनाया बहाना भी मिल गया है। अभी देश में एक गतिशील, विकेंद्रित, संस्थागत संरचना विकसित करने की जरूरत है, जो चुनौतियों के खिलाफ कारगर हो। राज्यों को कोविड-19 राहत अनुदान देने के लिए हमें एक चुस्त राजकोषीय हस्तांतरण फॉर्मूला अपनाना होगा, जो साझा बीमा प्रणाली की तरह हो। इसके लिए राज्यों में समन्वित प्रयास की भी दरकार होगी। ऐसा करने के लिए अंतर-राज्यीय परिषद जैसा संस्थागत तंत्र हमारे पास है। इसे तत्काल पुनर्जीवित करना चाहिए। और आखिरी में, भारत सरकार आय में मदद करने संबंधी प्रावधानों में अधिक खर्च करने से नहीं बच सकती है। ग्रामीण अर्थव्यवस्था में संभावित लचीलापन मनरेगा से ही जुड़ा हुआ है।

चूंकि ज्यादातर सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग अपनी आधी क्षमता में काम कर रहे हैं और बुआई का मौसम भी जल्द खत्म होने वाला है, इसलिए मनरेगा की मांग और बढ़ जाएगी। मगर इसका पैसा तेजी से खत्म भी हो रहा है। राज्यों ने इसके लिए आवंटित सालाना धनराशि का एक तिहाई पहले ही खर्च कर दिया है। ऐसे में, मनरेगा में फंड मुहैया कराया जाना और इसके काम का विस्तार निहायत जरूरी है। इस बात के पर्याप्त सुबूत हैं कि कोविड-19 से पैदा हुए आर्थिक संकट के मूल में मांग की कमी है। लिहाजा, अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए राज्यों को अपना खजाना खोलना होगा। लेकिन इसके लिए जरूरी यह भी है कि वे अपना तौर-तरीका बदलें। देखा जाए, तो आज सबसे बड़ी बाधा यही है कि देश संकट से प्रभावी ढंग से लड़ने और उदार प्रतिक्रिया में अड़ियल रवैया अपना रहा है।

(ये लेखिका के अपने विचार हैं)

पंजाब यूनिवर्सिटी

सीनेट संरचना पर पुनर्विचार की जरूरत

जयंती दत्ता

पंजाब यूनिवर्सिटी के सीनेट के चुनाव सितंबर 2020 में होने तय हुए हैं। कोविड-19 के संक्रमण के खतरे के बावजूद चुनाव सभी सरकारी निर्देशों को ध्यान में रखकर करने का निर्णय हुआ है। उत्तर-पश्चिमी भारत में, पंजाब यूनिवर्सिटी सीनेट के चुनाव काफी महत्व रखते हैं क्योंकि पंजाब यूनिवर्सिटी आजादी के भी पहले से उच्च शिक्षा के क्षेत्र में अपनी सेवाएं प्रदान करती रही है। लगभग 100 शिक्षा विभाग और 200 एफिलिएटिड महाविद्यालयों के माध्यम से यह विश्वविद्यालय इस क्षेत्र की बड़ी जनसंख्या से करीबी तौर पर जुड़ा रहा है। पंजाब यूनिवर्सिटी सीनेट जो इस विश्वविद्यालय की उच्चतम निर्णायक संस्था है, के पास यूनिवर्सिटी के मामलों, कारोबार तथा संपत्तियों के प्रबंधन तथा पर्यवेक्षण के अधिकार हैं। इसके सदस्यों का विश्वविद्यालय तथा महाविद्यालय के छात्रों, शिक्षकों, स्टाफ, उनके परिवारों तथा समाज के हितधारकों पर काफी दबदबा रहता है। इसी कारण यह चुनाव काफी गंभीरता से लिए जाते हैं। कई उम्मीदवार इनमें चुने जाने के लिए अपना कीमती समय, कोशिश तथा पैसा बहुतायत में लगाने को तैयार रहते हैं और कई चुने गए सीनेटर दो-तीन दशकों तक अपना पद नहीं छोड़ते।

पंजाब यूनिवर्सिटी सीनेट में 91 सदस्य हैं, जिनमें से विश्वविद्यालय के चांसलर, भारत के उपराष्ट्रपति 35 सदस्यों को नामित करते हैं, 6 एक्स-ऑफिशियो सदस्य होते हैं तथा बाकी 50 सदस्य चुनावों के माध्यम से आते हैं। ये सदस्य विश्वविद्यालय तथा 200 एफिलिएटिड कॉलेजों के प्रिंसिपल, प्राध्यापक तथा रजिस्टर्ड ग्रेजुएट दलों के प्रतिनिधियों के रूप में चुनकर आते हैं। विभिन्न कारणों से सीनेट की यह संरचना यूनिवर्सिटी तथा तथा कॉलेजों के संदर्भ में लिए गए निर्णयों को प्रभावित करती है और कई अनुत्तरित प्रश्नों को जन्म देती है, जिन पर चर्चा और विचार करना लोकहित में आवश्यक है।

यूनिवर्सिटी विभागों की कार्यप्रणाली, यूनिवर्सिटी में प्राध्यापकों की भर्ती तथा पदोन्नति, एवं सेवा नियमों का निर्धारण करने वाली इस सभा में पंजाब यूनिवर्सिटी की केवल 4 सीटें ही निर्धारित हैं और इन निर्णयों पर कॉलेज के तथा अन्य क्षेत्रों के बहुसंख्यक सीनेटर ही हावी रहते हैं। सीनेट के 50 सदस्यों में से केवल 8 महिलाएं हैं (18 प्रतिशत) तथा 35 नामित सदस्यों में से केवल 5 महिलाएं हैं (17 प्रतिशत)। यह संख्या महिलाओं के नाममात्र प्रतिनिधित्व की निराशाजनक स्थिति की ओर इंगित करती हैं। परिवारवाद की राजनीति भी यहां काफी हद तक व्याप्त है। वर्ष 2020 के चुनावों के लिए 2.10 करोड़ रुपए निर्धारित किए गए हैं जबकि यूनिवर्सिटी के विभागों के प्रशासकीय तथा अकादमी कार्यों के लिए 5.30 करोड़ के बजट का प्रावधान है। इस भारी-भरकम खर्च का पिछले कुछ वर्षों में विरोध भी किया गया है।

सीनेट की संरचना का सबसे हैरान करने वाला भाग रजिस्टर्ड ग्रेजुएट्स का है, जिसके मतदाता पंजाब यूनिवर्सिटी तथा उसके एफिलिएटिड कॉलेज से पास होने वाले सभी ग्रेजुएट होते हैं, जिन्हें इसमें मतदान करने की योग्यता प्राप्त है। यानी इन मतदाताओं की संख्या लाखों में होती है7 इनके लिए सीनेट में 15 सीटें निर्धारित हैं। परिणामस्वरूप यह दल संख्या के हिसाब से सीनेट में एक महत्वपूर्ण रोल अदा करता है। ग्रेजुएट्स को प्रतिनिधित्व देने का नियम अंततः 100 साल पुराना है तथा उस समय का है जब पंजाब यूनिवर्सिटी के ग्रेजुएट्स की संख्या गिनीचुनी होती थी। अद्भुत नियमों के कारण कोई भी ऐसा व्यक्ति जिसका अध्ययन, अध्यापन तथा शोध से कोई वास्ता ना हो, वह भी फैकल्टी डीन बनकर शोध तथा अध्यापन के गंभीर मामलों पर महत्वपूर्ण निर्णय ले सकता है। रजिस्टर्ड ग्रेजुएट के मतदान का संभाग सबसे बड़ा है तथा इसके लाखों मतदाताओं के लिए देश भर में कई मतदान बूथ तैयार किए जाते हैं परंतु सभी रजिस्टर्ड ग्रेजुएट्स को पंजाब यूनिवर्सिटी सीनेट के मतदान में रुचि ना होने के कारण मतदान का प्रतिशत बहुत ही कम रहता है- लगभग 10 प्रतिशत से 15 प्रतिशत। इतनी कम उपस्थिति की वजह से इन चुनावों में मतदान, संख्याओं के खेल की तरह आसानी से खेला जा सकता है।

सीनेट के 91 सदस्यों की भारी-भरकम संख्या की वजह से निर्णय लेने की प्रक्रिया अत्यंत उलझनभरी तथा समय सापेक्ष होती है। शोधपत्रों के अनुसार उच्च शिक्षा प्रशासन में निर्णय लेने वाली संस्थाओं में सदस्य संख्या अधिक होने पर निर्णय की गुणवत्ता से समझौता हो सकता है। भीड़ की मानसिकता, छोटे-छोटे गुटों में बंटना तथा हितों के लिए आपस में मनमुटाव इन बड़ी संस्थाओं के सुविचार में बाधा डालते हैं। आज के समय में जब चारों तरफ पारदर्शिता तथा सुधारों का माहौल है वहां पंजाब यूनिवर्सिटी सीनेट की यह उदासीनता काफी अद्भुत मालूम पड़ती है। यह भी देखना आवश्यक है कि संस्थाएं लोक हित में सुचारु रूप से कार्य कर सकें, ना कि असंगत नियमों का बोझा उठाए उत्कृष्टता को प्राप्त ना कर पाएं।

नई शिक्षा नीति ?

कितनी रोजगारपरक?

डॉ. दर्शनी प्रिय

लगभग 32 सालों बाद नई शिक्षा नीति नये कलेवर के साथ तैयार है। अनपेक्षित बदलावों ने नये विमर्श को जन्म दिया है। साथ ही इसके दूरगामी प्रभावों को लेकर पड़तालों और विश्लेषण का अंतहीन दौर भी शुरू हो गया है। तमाम बड़े बदलावों और अभिनव प्रयोगों ने मौजूदा शिक्षा नीति को सबसे अलहदा बनाया है।

छठी कक्षा से व्यावसायिक शिक्षा को पाठ्यक्रम के एक अनिवार्य हिस्से के रूप में लागू किए जाने की अनुशंसा ने सहज ही बुद्धिजीवियों का ध्यान अपनी ओर आकृष्ट किया है। भारत में व्यावसायिक शिक्षा अर्थात वोकेशनल एजुकेशन कभी भी स्कूली स्तर पर शैक्षिक पाठ्यक्रम का हिस्सा नहीं रहा। हालांकि इंटरमीडिएट स्तर पर कुछेक जगहों पर भले ही इसे ऐच्छिक विषय की श्रेणी में रखा गया, लेकिन इसे कभी अनिवार्य विषय का दरजा प्राप्त नहीं हुआ। इसके चलते छात्रों में इसके चयन को लेकर कोई प्रवृत्ति विकसित नहीं हो पाई। इसे स्कूली स्तर पर अनिवार्य करने के पीछे एक आम धारणा यह है कि इससे छात्रों में कौशल और हुनर को लेकर सहजबोध होगा, जिससे उनमें सीखने और समझने की संस्कृति पनपेगी और कालक्रम में रोजगार का सृजन होगा और नये अवसर भी युवाओं को मिलेंगे। हालांकि इस प्रचलित धारणा के अन्य स्याह पक्ष भी है जिस पर गहन चिंतन की दरकार है। इस नीति की सबसे क्रांतिकारी विशेषता यह है कि कम-से-कम 5 ग्रेड तक की पढ़ाई स्थानीय क्षेत्रीय भाषा में होगी, जिसे ग्रेड 8 तक भी बढ़ाया जा सकता है। अंग्रेजी अब सिर्फ एक विषय के तौर पर पढ़ाई जाएगी। इस परिवर्तन को एक बड़ी युवा आबादी के स्वावलंबन के आलोक में देखा जाना चाहिए। निश्चित ही देश की आबादी में युवाओं की बड़ी भूमिका है। लगभग 51 फीसद युवा आबादी वाले इस देश में 12 से 14 फीसद युवा ही ऐसे हैं, जो उच्च शिक्षा के विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश ले पाते हैं। इसके लिए कुछ ऐसी व्यवस्था हो, जिसमें छात्रों के पास अपने अकादमिक कॅरियर के दौरान व्यावसायिक शिक्षा को चुनने का विकल्प हो और वे इस चुने गए विकल्प पर एक उचित समयावधि तक काम कर सकें। इससे उन्हें अधिक व्यापक कोर्स का लाभ मिलेगा और आगे चल कर उनके पास यह विकल्प रहेगा की वे उच्च व्यावसायिक डिग्री ले सकेंगे या फिर किसी अन्य विषय/संकाय के प्रोग्राम में पढ़ाई जारी रख सकेंगे। हालांकि नई शिक्षा नीति के प्रारूप में व्यावसायिक शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए स्किल गैप एनालिसिस, स्थानीय अवसरों का पता लगाना, सभी शैक्षिक संस्थानों के साथ व्यावसायिक शिक्षा एकीकरण के लिए वित्तीय सहयोग, बुनियादी संरचना एवं व्यावसायिक शिक्षा को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए लोगों की भर्ती, तैयारी और सहयोग के लिए पर्याप्त निवेश, अप्रेंटिसशिप को प्रोत्साहित करने जैसे कई महत्वपूर्ण कदम उठाये जाने की बात की गई है। बहुत संभव है इससे छात्रों के लिए नई राह खुले और बेरोजगारी की जड़ता भी कुछ हद तक खत्म हो। इसके अतिरिक्त सभी शैक्षिक संस्थानों द्वारा उनके पाठ्यक्रम में व्यावसायिक कोर्स को शामिल करना इस दिशा में एक अहम कड़ी साबित हो सकती है। तथपि छात्रों को आत्मनिर्भर और स्वावलम्बी बनाने की दिशा में बहुत कुछ किया जाना अभी शेष है।

विभिन्न स्कूलों और कॉलेजों के स्नातकों को शिक्षा पूर्ण करने के उपरांत रोजगार के पर्याप्त मौके मिल सके इसके लिए मानक उद्योग संस्थानों और भावी नियोक्ताओं को साथ मिलकर काम करना होगा। आईटीआई, पॉलिटेक्निक, स्थानीय उद्योगों और कारोबार, खेतों, अस्पतालों और गैर सरकारी संस्थानों और ऐसी अन्य सुविधाओं के साथ समन्वय करना होगा, जहां छात्रों को व्यावहारिक कौशलों का प्रशिक्षण दिया जा सके।

साथ ही ऐसे शिक्षा कार्यक्रमों को विकसित करना होगा जो मुख्यधारा की शिक्षा से एकीकृत हो और जिनसे प्राप्त व्यावहारिक प्रशिक्षण को, उससे संबद्ध सैद्धांतिक ज्ञान से पूरा किया जा सके। इन कार्यक्रमों में महत्वपूर्ण जीवन कौशल जैसे-सम्प्रेषण, कौशल, डिजिटल और वित्तीय साक्षरता, उद्यमिता आदि से संबंधित कोर्स भी शामिल होने चाहिए। नई शिक्षा नीति उम्मीदों के साथ एक नई उड़ान है। युवा आबादी इसके बूते अपने सपनों को नया रंग और नई जमीन दे पाएगी। बशर्ते क्रियान्वयन और निगरानी स्तर पर कोई कोताही ना हो। साथ ही यह सरकार और शिक्षा विशेषज्ञों के लिए भी अहम मौका है, जहां उनके प्रस्तावों की बड़े पैमाने पर परख भी होगी।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आम्रपाली के 42 हजार बायर्स को राहत, 15 सितंबर तक जमा कर सकते हैं पहली किस्त

नई दिल्ली। आम्रपाली के 42 हजार बायर्स के लिए राहत की खबर है। बकाया पेमेंट के लिए अंतिम तारीख 31 अगस्त से बढ़ाकर 15 सितंबर कर दी गई है। साथ ही, ड्रीम वैली और आदर्श आवास योजना में अधूरे कार्य को पूरा करने का रास्ता साफ हो गया है। दोनों परियोजनाओं के लिए डिवेलपर सामने आए हैं। कुछ औपचारिकताएं पूरी होने के बाद इन पर काम शुरू हो सकेगा। वहीं, वेरोना हाइट्स के बायर्स को अभी इंतजार करना होगा। इनके टेंडर निरस्त हो गए हैं। फिर से टेंडर जारी किए जाएंगे। आम्रपाली की 6 से अधिक परियोजनाओं पर काम शुरू हो चुका है। इसके साथ ही बकाया पेमेंट भी मांगी जा रही है। बकाया पेमेंट की पहली किस्त 31 अगस्त तक दी जानी थी। कोर्ट रिसीवर ने अब ये अंतिम तारीख बढ़ाकर 15 सितंबर कर दी है। कोर्ट रिसीवर आर वेंकटरमानी की ओर से कहा गया है कि यूको बैंक के पोर्टल के चालू होने में तकनीकी दिक्कतों के कारण अंतिम तारीख बढ़ाई गई है। यूको बैंक में खुले अकाउंट में ही बकाया पेमेंट 10 किस्तों में जमा होनी है।

हाजिर मांग के कारण धनिया वायदा कीमतों में तेजी

नयी दिल्ली। हाजिर बाजार में मजबूती के रुख को देखते हुए सटोरियों ने अपने सौदों के आकार को बढ़ाया जिससे वायदा कारोबार में शुक्रवार को धनिया की कीमत 56 रुपये की तेजी के साथ 6,862 रुपये प्रति क्विन्टल हो गई। एनसीडीईएक्स में धनिया के सितंबर डिलीवरी वाले अनुबंध की कीमत 56 रुपये अथवा 0.82 प्रतिशत की तेजी के साथ 6,862 रुपये प्रति क्विन्टल हो गई जिसमें 3,255 लॉट के लिए कारोबार हुआ। इसी प्रकार, धनिया के अक्टूबर डिलीवरी वाले अनुबंध की कीमत 40 रुपये अथवा 0.58 प्रतिशत की तेजी के साथ 6,932 रुपये प्रति क्विन्टल हो गई जिसमें 1,815 लॉट के लिए कारोबार हुआ। बाजार विश्लेषकों ने कहा कि हाजिर बाजार में मजबूती के रुख तथा उत्पादक क्षेत्रों से सीमित आपूर्ति के कारण मुख्यतः यहां धनिया वायदा कीमतों में तेजी आई।

अमेरिकी अर्थव्यवस्था में दूसरी तिमाही में सालाना आधार पर 31.7 प्रतिशत की गिरावट

अमेरिका। अमेरिका की अर्थव्यवस्था में दूसरी तिमाही अप्रैल-जून में सालाना आधार पर 31.7 प्रतिशत की भारी गिरावट देखी गई। अमेरिकी सरकार के बृहस्पतिवार को जारी अनुमानों के मुताबिक यह देश की अर्थव्यवस्था में किसी तिमाही में रिकार्ड गिरावट है। अमेरिकी अर्थव्यवस्था कोरोना वायरस संकट के चलते काफी संघर्ष से गुजर रही है। वाणिज्य विभाग ने अमेरिका के पिछली तिमाही के सकल घरेलू उत्पादों (जीडीपी) अनुमानों को भी घटा दिया है। जुलाई के अंत में आकलन के बाद इसके सालाना आधार पर 32.9 प्रतिशत से थोड़े कम रहने का अनुमान है। इससे पहले देश की अर्थव्यवस्था में सबसे तेज तिमाही गिरावट 1958 में 10 प्रतिशत दर्ज की गई थी। देश में अर्थव्यवस्था के रिकॉर्ड रखने की शुरुआत 1947 से हुई। अमेरिका में बेरोजगारी अब भी 10.2 प्रतिशत के उच्च स्तर पर बनी हुई है। देश में अर्थव्यवस्था के रिकॉर्ड रखने की शुरुआत 1947 से हुई। अमेरिका में बेरोजगारी अब भी 10.2 प्रतिशत के उच्च स्तर पर बनी हुई है। हर सप्ताह करीब 10 लाख लोग बेरोजगारी भत्ते के लिए आवेदन कर रहे हैं। हालांकि, इस बीच बेरोजगारी भत्ते के रूप में उन्हें मिलने वाली मदद कम हुई है।

मोदी सरकार एमएसएमई के प्रभावी मानदंड सुनिश्चित करने के लिए बिना थके काम जारी रखेगी : कांत

नई दिल्ली।

नीति आयोग के सीईओ अमिताभ कांत ने शुक्रवार को कहा कि सरकार एमएसएमई, स्टार्टअप और उद्यमियों के कुशल और प्रभावी मानदंडों को सुनिश्चित करने के लिए बिना थके काम जारी रखेगी और भारत को निवेश तथा संपत्ति अर्जित करने के सबसे आसान देशों में एक बनाएगी। कांत ने आगे कहा कि भारत के नागरिकों के लिए सुगमता के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दृष्टिकोण पर अब सरकार का फोकस होगा। उन्होंने पीटीआई-भाषा को बताया, भारत में कारोबारी माहौल लगातार बेहतर हुआ है, न सिर्फ विश्व बैंक के सूचकांक (कारोबार करने में सुगमता) के लिए, बल्कि भारत को आसान और सरल बनाने के लिए।' उन्होंने कहा सरकार में हम सभी एमएसएमई, व्यवसाय, स्टार्टअप और उद्यमियों के कुशल और प्रभावी मानदंडों को सुनिश्चित करने के लिए बिना थके काम जारी रखेंगे और भारत को निवेश तथा संपत्ति अर्जित करने के सबसे आसान देशों में एक बनाएंगे। कांत विश्व बैंक के उस फैसले पर टिप्पणी कर रहे थे, जिसमें आंकड़ों के संग्रह में कई अनियमितताओं के बाद 'डूइंग बिजनेस रिपोर्ट' के प्रकाशन को रोक दिया गया था, जिसके आधार पर देशों को कारोबारी माहौल की रैंकिंग दी जाती है। विश्व बैंक ने बृहस्पतिवार को अपनी कारोबार सुगमता के बारे में जारी होने वाली 'डूइंग बिजनेस रिपोर्ट' के प्रकाशन को स्थगित रखने का फैसला किया था। यह फैसला पिछली कुछ रिपोर्टों में डेटा में बदलाव में हुई कई अनियमितताओं के बाद लिया गया है। विश्व बैंक ने एक बयान में कहा, 'क्रमशः अक्टूबर 2017 और 2019 में प्रकाशित डूइंग बिजनेस रिपोर्ट 2018 और डूइंग बिजनेस रिपोर्ट 2019 के डेटा में बदलाव के संबंध में कई अनियमितताएं सामने आयी हैं। ये बदलाव डूइंग बिजनेस के तरीके के साथ साम्य नहीं थे।' उल्लेखनीय है कि भारत कारोबार सुगमता रिपोर्ट 2020 में 14 स्थानों की छलांग लगाकर 63वें पायदान पर पहुंच गया है।

खराब अर्थव्यवस्था को एक्ट ऑफ गॉड कहने पर ट्रोल हुईं वित्त मंत्री

बिजनेस डेस्क। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि कोरोना महामारी ने जीएसटी कलेक्शन पर काफी बुरा असर डाला है। 41वीं जीएसटी काउंसिल की मीटिंग के बाद मीडिया के सामने वित्त मंत्री ने ये बात कही। उन्होंने ये भी कहा कि देश की अर्थव्यवस्था कोरोना वायरस के रूप में सामने आए असाधारण एक्ट ऑफ गॉड का सामना कर रही है, जिसकी वजह से इस साल अर्थव्यवस्था के विकास की दर सिकुड़ सकती है। वित्त मंत्रालय के अनुमान के मुताबिक, वित्त वर्ष 2015 में जीएसटी क्षतिपूर्ति अंतर 2.35 लाख करोड़ रुपए होने की उम्मीद है। यह इसलिए है क्योंकि केंद्र को कोविड द्वारा प्रभावित आर्थिक गतिविधियों के कारण जीएसटी उपकर से केवल 65,000 करोड़ रुपए एकत्र करने की उम्मीद है। बता दें कि 3 लाख रुपए जीएसटी कलेक्शन की उम्मीद थी। निर्मला सीतारमण ने एक्ट ऑफ गॉड का जिक्र किया ही था कि वह ट्विटर पर ट्रेंड भी होने लगा। लोग उस पर तमाम तरह की प्रतिक्रियाएं शेयर करने लगे। कोई आलोचना करने लगा, तो किसी ने भगवान की तस्वीरें भी शेयर करनी शुरू कर दीं। कुछ यूजर निर्मला सीतारमण की ओर से एक्ट ऑफ गॉड कहे जाने को पल्ला झाड़ने जैसा कह रहे हैं।

आईसीआईसीआई बैंक ने आई-सेक की दो प्रतिशत हिस्सेदारी 310 करोड़ रुपये में बेची

नयी दिल्ली। आईसीआईसीआई बैंक ने शुक्रवार को कहा कि उसने अपनी सहायक कंपनी आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज लिमिटेड (आई-सेक) की दो फीसदी हिस्सेदारी 310 करोड़ रुपये में खुले बाजार के जरिये बेच दी है। बैंक ने शेयर बाजार को बताया कि उसने आई-सेक के पांच रुपये अंकित मूल्य वाले 64,42,000 शेयरों को कुल 310 करोड़ रुपये में बेच दिया। उसने कहा कि यह जून 2020 के हिसाब से उसके कुल इक्विटी शेयर पूंजी की दो प्रतिशत हिस्सेदारी है। बैंक ने कहा कि यह सौदा खुले लेन-देन के माध्यम से हुआ। इसके बाद अब आई-सेक में बैंक की हिस्सेदारी कम होकर 77.22 प्रतिशत पर आ गयी है। इससे पहले बैंक के निदेशक मंडल ने अनुषंगी कंपनी की हिस्सेदारी बेचने के प्रस्ताव को बुधवार को मंजूरी दी थी। बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के प्रावधानों के अनुसार, किसी कंपनी के सूचीबद्ध हो जाने के बाद उसमें प्रवतर्क की हिस्सेदारी एक तय अवधि में 75 प्रतिशत पर लानी होती है। आई-सेक शेयर बाजारों में अप्रैल 2018 में सूचीबद्ध हुई थी। आईसीआईसीआई बैंक का शेयर बीएसई पर 4.04 प्रतिशत की बढ़त के साथ 408.30 रुपये के स्तर पर और आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज का शेयर 0.89 प्रतिशत बढ़कर 495.30 रुपये पर चल रहा था।

केन्द्र ने जीएसटी क्षतिपूर्ति के राज्यों को दिए दो विकल्प, पंजाब-दिल्ली ने जताई असहमति

नई दिल्ली।

गैर-राजग शसित राज्यों की जीएसटी क्षतिपूर्ति तुरंत किये जाने की मांग के बीच केंद्र ने बृहस्पतिवार को जीएसटी राजस्व में आई कमी की भरपाई के लिये राज्यों को दो विकल्प दिये। इसके तहत राज्य भविष्य में होने वाले कर प्राप्ति के एवज में बाजार से कर्ज ले सकते हैं। हालांकि, पंजाब और दिल्ली ने इस पर अपनी असहमति जता दी है। केंद्र ने चालू चालू वित्त वर्ष में जीएसटी राजस्व प्राप्ति में 2.35 लाख करोड़ रुपये की कमी का रहने का अनुमान लगाया है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने जीएसटी परिषद की पांच घंटे चली बैठक के बाद कहा कि कोविड-19 महामारी के कारण राजस्व में कमी बढ़ी है और इसकी भरपाई के लिये कर की दरें बढ़ाने का कोई प्रस्ताव नहीं है। उन्होंने महान्यायवादी की कानूनी राय का हवाला देते हुए केंद्र सरकार के अपने कोष से या अपने खाते में कर्ज लेकर राजस्व की भरपाई की संभावना को खारिज कर दिया।केंद्र ने जीएसटी लागू करनेकी वजह से और कोविड-19 संकट के कारण आर्थिक नरमी से होने वाले राजस्व नुकसान के बीच अंतर को भी स्पष्ट किया। सरकार ने कहा कि उसकी कानूनी बाध्यता केवल जीएसटी के कारण राजस्व में हुए नुकसान की भरपाई करने की है। वित्त मंत्री ने कहा कि घाटे की भरपाई राज्य विशेष खिड़की का उपयोग करते हुये कर्ज लेकर कर सकते हैं। इस कर्ज को पांच साल बाद जीएसटी उपकर संग्रह से लौटाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि राज्य जीएसटी को लागू करने के कारण राजस्व में आयी 97,000 करोड़ रुपये की कमी को या पूरी 2.35 लाख करोड़ रुपये की राशि बाजार से कर्ज ले सकते हैं।अगर राज्य इन विकल्पों में से किसी एक पर सहमत होते हैं, तो इसका मतलब होगा कि उपकर जीएसटी क्रियान्वयन के पांच साल बाद भी जारी रहेगा। इस बीच, पंजाब के वित्त मंत्री मनप्रीत सिंह बादल ने कहा कि केंद्र ने जो समाधान सुझाए हैं, वह राज्य को स्वीकार्य नहीं है। बादल ने कहा, 'समाधान के तहत इस बात पर जोर है कि केंद्र गारंटी देगा और राशि का भुगतान क्षतिपूर्ति उपकर से किया जाएगा जो 2-3 साल और जारी रहेगा। यह पंजाब को स्वीकार्य नहीं है।' उन्होंने कहा कि राज्य को क्षतिपूर्ति मद में 6,500 करोड़ रुपये की राशि चाहिये। वहीं, दिल्ली के उप-मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा कि मौजूदा प्रशासनिक ढांचे के तहत दिल्ली सरकार आरबीआई से कर्ज नहीं ले सकती।

केंद्र को 21,000 करोड़ रुपये के घाटे को पूरा करने के लिये स्वयं कदम उठाना चाहिए। उन्होंने कहा केंद्र ने वादा किया था कि 14 प्रतिशत वृद्धि के हिसाब से राज्यों के राजस्व में यदि कमी आती है, तो वह पांच साल तक उसकी भरपाई करेगा।

कोल इंडिया की बिजली क्षेत्र को कोयले की आपूर्ति अप्रैल-जुलाई में 19.5 प्रतिशत घटी

नयी दिल्ल। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) की बिजली क्षेत्र को कोयले की आपूर्ति अप्रैल-जुलाई के दौरान 19.5 प्रतिशत घटकर 12.63 करोड़ टन रही। कोयले की मांग घटने से कंपनी की कोयला आपूर्ति प्रभावित हुई है। कोयला मंत्रालय के ताजा आंकड़ों के अनुसार, पिछले साल समान अवधि में कंपनी ने बिजली क्षेत्र को 15.68 करोड़ टन से अधिक की कोयले की आपूर्ति की थी। आंकड़ों के अनुसार, जुलाई में कोल इंडिया की कोयला आपूर्ति 12.4 प्रतिशत घटकर 3.27 करोड़ टन रही, जो पिछले साल की समान अवधि में 3.74 करोड़ टन थी। चालू वित्त वर्ष के पहले चार माह में सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) की कोयला आपूर्ति 47.2 प्रतिशत घटकर 96.8 लाख टन रही, जो इससे पिछले साल की समान अवधि में 1.83 करोड़ टन रही थी। जुलाई में एससीसीएल की कोयला आपूर्ति घटकर 24 लाख टन रह गई, जो जुलाई 2019 में 43.3 लाख टन थी। घरेलू कोयला उत्पादन में कोल इंडिया का हिस्सा करीब 80 प्रतिशत है। इंडिया रेटिंग्स की रिपोर्ट में कहा गया है कि चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में भी कोयले की मांग कमजोर रहेगी। कोविड-19 महामारी की वजह से जहां अंतिम उपभोक्ता उद्योगों की मांग प्रभावित हुई है।

भारतीय कंपनियों का चीन के खिलाफ एक और बड़ा कदम, कच्चे तेल का आयात किया बंद

बिजनेस डेस्क।

लद्दाख में चीन से चल रहे तनाव के बीच भारतीय कंपनियों ने चीन के खिलाफ एक और फैसला किया है। भारत की सरकारी रिफाइनरी कंपनियों ने अब चीन से जुड़ीं कंपनियों से कच्चा तेल खरीदना बंद कर दिया है। सरकार के हालिया निर्देश के तहत यह कदम उठाया गया, जिसमें भारत की सीमा से लगने वाले देशों से आयात को प्रतिबंधित करने का लक्ष्य है। सीमा विवाद के बीच 23 जुलाई को मोदी सरकार ने नए नियमों की घोषणा की थी। नए आदेश के जारी होने के बाद से सरकारी रिफाइनरियां अपने आयात टेंडर में इससे संबंधित एक क्लॉज जोड़ रही हैं। सरकारी कंपनियां भारत के सात सीमा साझा करने वाले देशों की कंपनियों के साथ लेनदेन को प्रतिबंधित करने के लिए टेंडरों में शर्त लगा रही हैं। बीते सप्ताह भारतीय कंपनियों ने सीएनओओसी लिमिटेड, यूनिपेक और पेट्रोचाइना को कच्चे तेल के आयात वाले टेंडर बेजने से रोकने का फसला लिया गया। नए नियमों के अनुसार, भारतीय टेंडर में भागेदारी के लिए पड़ोसी देशों की कंपनियों को वाणिज्य विभाग के साथ रजिस्ट्रेशन कराना जरूरी कर दिया गया था। इतना ही नहीं, सरकार संचालित तेल कंपनियों ने चीनी कंपनियों द्वारा संचालित या उनके मालिकाना हक वाले तेल टैंकरों की बुकिंग को भी बंद करने का फैसला लिया है, भले ही जहाज किसी तीसरे देश में पंजीकृत हो। यह निर्णय चीन के साथ व्यापारिक गतिविधियों को रोकने के लिए पिछले महीने जारी निर्देशों के तहत आया है।

व्यापार पर नहीं पड़ेगा ज्यादा प्रभाव

हालांकि, इस फैसले से तेल कंपनियों के व्यापार पर कोई बहुत ज्यादा प्रभाव नहीं पड़ेगा क्योंकि ऐसे जहाजों में चीनी जहाजों की संख्या बहुत कम है। बता दें कि तेल कंपनियों के पास पहले से ही अपनी वैश्विक निविदाओं में भारतीय जहाजों के पक्ष में फर्स्ट राइट ऑफ रिफ्यूजल (मना करने का पहला अधिकार) का खंड है। इसके तहत अगर भारतीय टैंकर विदेशी जहाजों की विजयी बोली से समानता रखते हों तो उन्हें कॉन्ट्रैक्ट दिया जा सकता है। रखते हों तो उन्हें कॉन्ट्रैक्ट दिया जा सकता है। भारत सरकार के इस ताजा फैसले से हर वह जहाज कारोबार के मामले में दायरे से बाहर हो जाएगा, जिसका चीन के साथ कोई भी संबंध होगा।

इरडा ने सैंडबॉक्स नियामकीय ढांचे के तहत नवोन्मेषी विचारों के लिए आवेदन मांगे

नई दिल्ली। भारतीय बीमा विकास एवं विनियामक प्राधिकरण (इरडा) ने बीमा क्षेत्र की वृद्धि के लिए नवोन्मेषी विचारों के साथ आवेदन मंगाए हैं। नियामक इनका परीक्षण अपने 'सैंडबॉक्स नियामकीय ढांचे' के तहत करेगा। सैंडबॉक्स, सूचना प्रौद्योगिकी की दुनिया से जुड़ा शब्द है। इसमें एक सीमित परीक्षण वातावरण में सॉफ्टवेयर या वेब की सुरक्षा से जुडे परीक्षण किए जाते हैं। डिजिटल अर्थव्यवस्था के दौर में जब किसी नए कारोबारी मॉडल या सेवा को तय नियमों के दायरे में नियामक की देखरेख में परखा जाता है तो उसे 'सैंडबॉक्स नियामकीय ढांचा' कहा जाता है। अमूमन इस ढांचे के तहत ऐसे कारोबारी मॉडल या विचारों को परखा जाता है जो मौजूदा नियमों के दायरे में नहीं आते। इसमें वित्त प्रौद्योगिकी समाधान भी शामिल हैं। इरडा ने कहा कि उसने नियामकीय सैंडबॉक्स ढांचा तैयार किया है। इसका उद्देश्य बीमा क्षेत्र की वृद्धि के लिए नवोन्मेषी विचारों को परखना है। इरडा ने कहा कि इसके लिए 15 सितंबर से 14 अक्टूबर के बीच आवेदन जमा कराए जा सकते हैं। यह दूसरा मौका है जब नियामकीय सैडबॉक्स के तहत आवेदन मगाये गये हैं। जिस पर बीमा कंपनियों सहित अन्य कंपनियों से अच्छी प्रतिक्रिया मिली थी।

हवाई यात्रा के नियमः उड़ान के दौरान फिर से परोसा जाएगा भोजन, मास्क नहीं लगाने वालों पर सख्ती

बिजनेस डेस्क।

सरकार ने विमानन कंपनियों को घरेलू उड़ानों में पहले से पैक स्नैक्स, भोजन और पेय पदार्थ तथा अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में गर्म भोजन परोसने की अनुमति दी है। विमानन नियामक डीजीसीए के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि इसके अलावा अगर कोई यात्री उड़ान के दौरान फेस मास्क पहनने से इनकार करता है, विमानन कंपनी उसे 'नो-फ्लाई सूची में डाल सकती है यानी उस पर हवाई यात्रा से रोक लगाई जा सकती है। घरेलू विमानन सेवाओं की 25 मई से बहाली के बाद कोरोना वायरस महामारी के कारण उड़ानों में भोजना सेवा की इजाजत नहीं दी गई थी। अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में इस साल मई से उड़ान की अवधि के आधार पर केवल पहले से पैक ठंडा भोजन और स्नैक्स परोसा जा रहा था। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने गुरुवार को एक आदेश में कहा, ''विमानन कंपनियां उड़ान की अवधि के आधार पर घरेलू उड़ानों में पहले से पैक स्नैक्स/ भोजन/ पेय परोस सकती है। इसमें कहा गया कि विमानन सेवाएं और चार्टर फ्लाइट के परिचालक अंतरराष्ट्रीय मानक के अनुसार अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में गर्म भोजन और सीमित पेय परोस सकती हैं। मंत्रालय ने कहा कि घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में खाद्य या पेय पदार्थों को परोसते समय केवल एक बार उपयोग में आने वाली ट्रे, प्लेट और कटलरी का उपयोग किया जाना चाहिए। आदेश में यह भी कहा गया है, चालक दल के सदस्यों को भोजना या पेय परोसते समय हर बार नए दस्ताने पहनने होंगे। घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के दौरान यात्रियों को उपलब्धता के आधार पर मनोरंजन प्रणाली का इस्तेमाल करने की इजाजत दी गई है।

जीएसटी से राज्यों को 60 से 70 प्रतिशत राजस्व का नुकसानः तेलंगाना

हैदराबाद।

माल एवं सेवाकर (जीएसटी) व्यवस्था से राज्यों को 60 से 70 प्रतिशत की कर राजस्व हानि हुई है। जबकि केंद्र का नुकसान मात्र 31 प्रतिशत रहा है। यह बात तेलंगाना के वित्त मंत्री हरीश राव ने कही जो बृहस्पतिवार को जीएसटी परिषद की बैठक में शामिल हुए। आधिकारिक बयान के अनुसार तेलंगाना ने एकीकृत जीएसटी पर बिहार के उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी की अध्यक्षता में बने मंत्रिसमूह से प्रक्रियाओं को अंतिम रूप देने और तेलंगाना का 2,700 करोड़ रुपये का एकीकृत जीएसटी बकाया जारी करने की मांग की। उन्होंने कहा कि सभी राज्य जीएसटी व्यवस्था में इसलिए शामिल हुए थे क्योंकि केंद्र सरकार ने राज्यों के राजस्व में किसी तरह का नुकसान नहीं होने का आश्वासन दिया था। जीएसटी मुआवजे का भुगतान करने की पूरी जिम्मेदारी केंद्र सरकार की है। बयान में राव के हवाले से कहा गया है कि जीएसटी व्यवस्था के चलते राज्यों के राजस्व में 60 से 70 प्रतिशत की कमी आयी है, जबकि केंद्र सरकार का राजस्व मात्र 31 प्रतिशत घटा है। 'इसलिए केंद्र सरकार को जीएसटी मुआवजे का भुगतान करना ही होगा।' तेलंगाना देश के शीर्ष पांच सबसे अधिक जीएसटी भुगतान करने वाले जबकि सबसे कम मुआवजा पाने वाले राज्यों में से एक है। राज्य ने केन्द्र को जीएसटी उपकर के रूप में 19,000 करोड़ रुपये का भुगतान किया जबकि उसे इसमें से केवल 3,223 करोड़ रुपये ही वापस मिले हैं।

दिल्ली रेलवे स्टेशन का बदलेगा स्वरूप, आरएलडीए ने पुनर्विकास के लिए कंपनियों से बोली आमंत्रित की

नई दिल्ली।

रेल भूमि विकास प्राधिकरण (आरएलडीए) ने नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर पांच लाख वर्ग मीटर के एक क्षेत्र और इसके आसपास 2.6 लाख वर्ग मीटर एक अन्य क्षेत्र के पुनर्विकास के लिए निजी कंपनियों से बोली आमंत्रित की है। प्राधिकरण ने कहा है कि परियोजना के लगभग चार वर्षों में पूरा होने की उम्मीद है। आरएलडीए द्वारा मंगाए गए योग्यता के लिए अनुरोध (आरएफक्यू) में स्टेशन के पुनर्विकास की अनुमानित लागत 4,925 करोड़ रुपये है। इसमें इस प्रतिष्ठित रेलवे स्टेशन का पुनर्विकास करना, फ्लाईओवर के माध्यम से सड़क संपर्क, रेलवे कार्यालयों और भवनों का स्थानांतरण और सामाजिक बुनियादी ढांचे का निर्माण शामिल है। इसके अलावा आरएफक्यू में तय स्थानों पर खुदरा स्पेस, होटल, कार्यालयों और सेवा अपार्टमेंट का विकास भी शामिल है। इस पूरी परियोजना की अनुमानित लागत 6,500 करोड़ रुपये है आरएलडीए के उपाध्यक्ष वेद प्रकाश दूदेजा ने कहा कि नई दिल्ली रेलवे स्टेशन को एक विश्वस्तरीय वाणिज्यिक और आतिथ्य व्यवसाय के गंतव्य के

रूप में विकसित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इससे पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा और नई दिल्ली तथा आसपास के क्षेत्रों में निवेश की संभावनाएं बढ़ेंगी। रेलवे स्टेशन का विकास चरणबद्ध ढंग से किया जाएगा, जिसमें स्टेशन पुनर्विकास, संबंधित बुनियादी ढांचे का विकास, सामाजिक अवसंरचना में सुधार के साथ ही रेलवे कार्यालयों और आवास का नवीनीकरण शामिल है।

एसबीआई चेयरमैन को कॉरपोरेट जगत से ऋण पुनर्गठन के कम अनुरोध मिलने का अनुमान

मुंबई।

भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के चेयरमैन रजनीश कुमार ने कहा कि उन्हें कॉरपोरेट जगत से ऋण पुनर्गठन के लिये कम संख्या में अनुरोध प्राप्त होने की उम्मीद है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने इस महीने की शुरुआत में कोविड-19 से प्रभावित होने वाले कॉरपोरेट और खुदरा दोनों क्षेत्रों के लिये एक बार रिण पुनर्गठन की अनुमति दी है। कुमार ने कहा अभी मैं कॉरपोरेट जगत के लिये कह सकता हूं कि कर्ज बोझ कम करने और कई तरह के समाधानों के कारण काफी कद तक सफाई हो चुकी है। इसके अतिरिक्त कई ऋण खातों से आरबीआई की सात जून की मौजूदा रूपरेखा के निपटा जा रहा है। अभी तक बहुत अधिक अनुरोध (रिण पुनर्गठन) नहीं मिले हैं और मुझे उम्मीद है कि आने वाले समय में भी अधिक अनुरोध नहीं मिलने वाले हैं। एसबीआई चेयरमैन ने एक समाचार पत्र द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि व्यक्तिगत रिण क्षेत्र से पुनर्गठन के कुछ अनुरोध मिल सकते हैं और जहां तक पी-खंड (व्यक्तिगत ऋण खंड) का सवाल है, हम ऐसे अनुरोधों से निपटने के लिये तैयार हो रहे हैं। पुनर्गठन का लाभ उन ऋण खातों को ही मिलेगा जो एक मार्च तक मानक थे और किस्तों के भुगतान में चूक 30 दिन से अधिक की नहीं हुई हो। कुमार ने कहा कि बैंक पुनर्गठन के अनुरोधों पर मामले के हिसाब से अलग अलग विचार करेंगे और नियमन के दायरे में आवश्यक कदम उठायेंगे। कुमार ने कहा कि बैंक पुनर्गठन के अनुरोधों पर मामले के हिसाब से अलग अलग विचार

करेंगे और नियमन के दायरे में आवश्यक कदम उठायेंगे। एचडीएफसी बैंक के प्रबंध निदेशक आदित्य पुरी ने इसी कार्यक्रम में कहा कि कर्ज की किस्तें चुकाने में दी गयी छह महीने की राहत अच्छा कदम रहा, क्योंकि इससे नकदी प्रवाह पर सकारात्मक असर हुआ।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

शुभमन गिल के साथ खेलने के लिए आतुर है इंग्लैंड का युवा खिलाड़ी

कोलकाता। इंग्लैंड के विकेटकीपर बल्लेबाज टॉम बैंटन ने कहा है कि वह अगले महीने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में शुरू हो रहे इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में भारतीय क्रिकेटर शुभमन गिल के साथ खेलने को लेकर बहुत उत्साहित हैं। इससे पहले टॉम बैंटन और शुभमन गिल का आमना-सामना 2018 के अंडर-19 विश्व कप में हुआ था। बैंटन इस वर्ष आईपीएल में कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) के लिए खेलेंगे। 21 वर्षीय बैंटन ने एक साक्षात्कार में कहा, 'मुझे याद है कि वर्ष 2018 के अंडर-19 विश्व कप में भारतीय खिलाड़ी हम सभी से बेहतर थे। मैं आज भी उन्हें याद करता हूं और अभी भी उनमें से कुछ खिलाड़ियों के साथ मेरी अच्छी दोस्ती है। केकेआर में शुभमन के साथ खेलना बहुत अच्छा अनुभव रहेगा और मैं वास्तव में इसे लेकर बहुत उत्साहित हूं। उन्होंने कहा, 'मैं क्रिकेटर आंद्रे रसेल और पैट कमिंस के साथ भी खेलने के लिए बहुत उत्साहित हूं। मैंने पिछले वर्ष रसेल को खेलते देखा था, उन्होंने बहुत अच्छा खेला था। उन जैसे खिलाड़ी से सीखने का अनुभव बहुत अच्छा रहेगा। मैं शिवम मावी, कमलेश नगरकोटी और शुभमन गिल जैसे अपनी उम्र के भारतीय खिलाड़ियों के खिलाफ खेल चुका हूं। खेल के मैदान में उन सबसे फिर मिलना बहुत अच्छा अनुभव रहेगा।

क्रिकेट टूर्नामेंट

ट्रिनिबागो नाइटराइडर्स की लगातार पांचवीं जीत, जॉक्स की जीत में चमके मोहम्मद नबी

पोर्ट ऑफ स्पेन।

ट्रिनिबागो नाइटराइडर्स ने लगातार पांचवीं जीत दर्ज करके कैरेबियाई प्रीमियर लीग (सीपीएल) क्रिकेट टूर्नामेंट में अपना विजय अभियान जारी रखा जबकि मोहम्मद नबी ने अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी करते हुए सेंट लूसिया जॉक्स को छह विकेट से जीत दिलाई। ट्रिनिबागो ने एक कम स्कोर में वाले मैच में गयाना अमेजॉन वारियर्स को सात विकेट से हराया। उसने अभी तक अपने सभी पांचों मैच जीते हैं। वारियर्स की टीम पहले बल्लेबाजी का न्यौता मिलने पर सात विकेट पर 112 रन ही बना पायी। नाइटराइडर्स ने दस गेंद शेष रहते हुए तीन विकेट पर 115 रन बनाकर जीत दर्ज की। वारियर्स के चार बल्लेबाज ही दोहरे अंक में पहुंचे जिनमें से कीमो पॉल (नाबाद 28), शिमरोन हेटमेयर (26) और रोस टेलर (26) भी शामिल हैं। नाइटराइडर्स की तरफ से खारी पियरे ने 18 रन देकर तीन विकेट लिए। नाइटराइडर्स ने लक्ष्य का पीछा करते हुए पहले पांच ओवर में बिना किसी नुकसान के 32 रन बनाये लेकिन इमरान ताहिर ने लेंडल सिमन्स (19) ओर कोलिन मुनरो (शून्य) को लगातार गेंदों पर आउट कर दिया। डेरेन ब्रावो (नाबाद 26) ने उनकी हैट्रिक नहीं बनने दी। दस ओवर के बाद नाइटराइडर्स का स्कोर दो विकेट पर 51 रन था और इसके बाद टियोन वेबस्टर (27) भी पवेलियन लौट गये। ऐसे में टिम सीफर्ट ने नाबाद 39 रन की पारी खेलकर टीम को जीत दिलायी। एक अन्य मैच में नबी ने 15 रन देकर पांच विकेट लिये और सेंट लूसिया जॉक्स को सेंट कीट्स एवं नेविस पैट्रियट पर छह विकेट से जीत दिलायी।

पैट्रियट की टीम ने निर्धारित 20 ओवरों में नौ विकेट पर 110 रन बनाये। जॉक्स ने 32 गेंद शेष रहते आसान जीत दर्ज की। नबी ने पैट्रियट का शीर्ष क्रम लड़खड़ा दिया जिससे स्कोर चार विकेट पर 11 रन हो गया। बेन डंक (33) और अल्जारी जोसेफ (नाबाद 21) के प्रयासों से ही टीम तिहरे अंक में पहुंच पाई।

धोनी की टीम के 13 सदस्यों की कोरोना रिपोर्ट आई पॉजिटिव, एक तेज गेंदबाज भी शामिल

स्पोर्ट्स डेस्क ।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 13 के लिए सभी टीमें यूनाइटेड अरब अमीरात (यूएई) पहुंच चुकी हैं और कुछ टीमों ने सेल्फ आइसोशनल की प्रक्रिया से गुजरने के बाद प्रैक्टिस भी शुरू कर दी है। अब धोनी की टीम चेन्नई सुपर किंग्स को लेकर बड़ी जानकारी सामने आई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक सीएसके के 13 सदस्य कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए हैं जिसमें एक तेज गेंदबाज भी शामिल है। रिपोर्ट्स के मुताबिक 12 सदस्य जो कोरोना संक्रमित पाए गए हैं उनमें सपोर्ट स्टाफ और सोशल मीडिया टीम के सदस्य शामिल हैं। इसी के साथ ही एक तेज गेंदबाज के भी संक्रमित होने की खबर है। लेकिन अभी तक गेंदबाज के नाम की पुष्टि नहीं हो पाई है। चेन्नई सुपर किंग्स के सभी सदस्य जिनका कोविड-19 टेस्ट किया गया है वह स्थिर हैं और आइसोलेशन में भेज दिए गए हैं। भारतीय क्रिकेट कंट्रो बोर्ड (बीसीसीआई) एमओपी के स्वास्थ्य अधिकारियों के निर्देशानुसार सीएसके सभी सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन कर रहा है। फिलहाल चेन्नई सुपर किंग्स या बीसीसीआई की तरफ से इस बारे में कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। चेन्नई के सभी सदस्यों ने दुबई में 6 दिन का क्वारंटाइन समय पूरा कर लिया है लेकिन अभी ट्रेनिंग शुरू नहीं की है जबकि कुछ टीमों जिनमें रॉयल चैलेंजर बैंगलुरु, राजस्थान रॉयल्स, और किंग्स इलेवन पंजाब शामिल हैं, ने प्रैक्टिस शुरू कर दी है।

जोकोविच और पिलिसकोवा को S Open में शीर्ष वरीयता

न्यूयॉर्क । विश्व के नंबर एक खिलाड़ी नोवाक जोकोविच को 31 अगस्त से शुरू होने वाले यूएस ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष एकल में जबकि कारोलिना पिलिसकोवा को महिला वर्ग में शीर्ष वरीयता दी गई है। गुरूवार को जारी ड्रा के मुताबिक सर्बिया के जोकोविच पहले दौर में दामिर दजुमहुर से भिड़ेगे जबकि चेक गणराज्य की पिलिसकोवा का सामना अनहेलिना कालिनिना से होगा। डेविड गोफिन भी जोकोविच के हाफ में है जिनका पहले दौर में रील्ले ओपेल्का से सामना होगा। पांचवी वरीयता प्राप्त अलेक्जेंडर ज्वेरेव का सामना 2017 यूएस ओपन के उपविजेता केविन एंडरसन से होगा। चौथी वरीयता प्राप्त स्टेफानोस सिटसिपास को पहले दौर में स्पेन के रामोस विनोलास की चुनौती से पार पाना होगा। तीसरी वरीयता हासिल दानिल मेदवेदेव 2019 सेमीफाइनलिस्ट और छठी वरीयता प्राप्त माटेओ बेरेटिनी जबकि दूसरी वरीयता प्राप्ता डोमिनिक थिएम जापान के योशिहितो निशिओका के खिलाफ पहले दौर के मुकाबले खेलेंगें। महिलाओं के ड्रा में पिलिसकोवा के क्वार्टर में आठवीं वरीता प्राप्ता पेट्रा मार्टिच और 2016 यूएस ओपन चैंपियन एंजेलिक कर्बर भी है। चौथी वरीयता प्राप्ता नाओमी ओसाका का सामना जापान के ही मिसाकी डोइ से होगा। युवा खिलाड़ी कोको गॉ पहले दौर में अनास्तासीजा सेवस्तोवा का सामना करेंगी। तीसरी वरीयता प्राप्त सेरेना विलियम्स, मैडिसन कीज (सातवीं वरीय) अमांडा अनिसिमोवा और स्लोन स्टीफेंस एक ही क्वार्टर में है। सेरेना और स्लोन स्टीफेंस तीसरे दौर में एक दूसरे के आमने सामने हो सकती हैं। वीनस विलियम्स 20वीं वरीयता प्राप्त कैरोलिना मुचोवा के खिलाफ अपना अभियान शुरू करेंगी।

अजिंक्या रहाणे ने जताई दिली इच्छा- काश! मैं विश्वकप में नंबर 4 पर खेला होता

दुबई ।

भारत के शीर्ष क्रम के बल्लेबाज अजिंक्या रहाणे का मानना है कि उन्हें विश्वकप 2019 में टीम इंडिया में मौका मिलना चाहिए था जहां वह नंबर चार पर बल्लेबाजी कर सकते थे। भारत विश्व कप के सेमिनल तक पहुंचा था लेकिन पूरे टूर्नामेंट में नंबर चार को लेकर विवाद बना रहा था। रहाणे ने आखिरी बार 2017-18 में दक्षिण अफ्रीका के दौरे पर एकदिवसीय मैच खेला था तब कप्तान विराट कोहली ने उन्हें विश्व कप 2019 के लिए नंबर चार स्थान का 'प्रबल दावेदार' बताया था। आईपीएल टीम दिल्ली कैपिटल्स के सदस्य रहाणे ने एक वर्चुअल संवाददाता सम्मेलन में कहा- मैं वास्तव में विश्वकप में नंबर 4 पर बल्लेबाजी करना चाहता था और उन्हें विश्व कप टीम में इस स्थान पर होना चाहिए था लेकिन अब तो यह खत्म हो गया है। आप इस बारे में बहुत ज्यादा नहीं सोच सकते। मेरा लक्ष्य अब एकदिवसीय टीम में वापस आना है और इसको लेकर मैं आश्वस्त हूं। मैं (विश्वकप) के बारे में बहुत ज्यादा नहीं सोचता। लेकिन जब विश्व कप चल रहा था तो उस वक्त मैं काउंटी क्रिकेट खेल रहा था और मैं बतौर खिलाड़ी विश्व कप टीम का हिस्सा बनना चाहता था। खासकर जब आप जानते हैं कि आपने कड़ी मेहनत की है और अतीत में आपका रिकॉर्ड वास्तव में अच्छा रहा है। रहाणे ने कहा- मैं हमेशा उन चीजों के बारे में सोचता हूं जिन पर मैं एक क्रिकेटर के रूप में काबू पा सकता हूं और मैं अपना सर्वश्रेष्ठ दे सकता हूं। अभी मेरा एकमात्र उद्देश्य दिल्ली कैपिटल्स के लिए अच्छा करना है। रहाणे का एकदिवसीय क्रिकेट में बाहर होने से पहले अच्छा रिकॉर्ड था। उन्होंने कहा- एकदिवसीय मैचों में बाहर होने से पहले अगर आप मेरा रिकॉर्ड देखेंगे, तो यह वास्तव में अच्छा था। लोग स्ट्राइक रेट के बारे में बात करते हैं।

औसत के बारे में बात करते हैं लेकिन टीम से ड्रॉप किए जाने से पहले मेरा रिकॉर्ड एकदिवसीय मैचों में बहुत अच्छा था। उन्होंने कहा- आईपीएल में यह फैसला टीम मैनेजमेंट पर है कि वह मुझे कौन सी भूमिका देते हैं। अगर मुझे वे नंबर पांच या नंबर छह पर खेलाते हैं तो मैं निन्संदेह उसे स्वीकार कर लूंगा। यह मेरे लिए एक क्रिकेटर के तौर पर कुछ नया जानने का अवसर होगा।

संक्षिप्त समाचार

न्यूजीलैंड महिला टीम में सैटर्थवेट और वाटकिन की वापसी, डॉटी पहली बार टीम में शामिल

क्राइस्टचर्च। आस्ट्रेलिया के खिलाफ आगामी सीमित ओवर की श्रृंखला के लिए न्यूजीलैंड ने 17 सदस्यीय महिला टीम का चयन किया जिसमें पूर्व कप्तान एमी सैटर्थवेट और आल राउंडर जेस वाटकिन ने वापसी की जबकि लेग स्पिनर डियाना डॉटी को पहली बार चुना गया। सैटर्थवेट पिछले साल मां बनी थीं और वह मातृत्व अवकाश के बाद वापसी कर रही हैं। न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड द्वारा जारी बयान में महिला कप्तान सोफी डेवाइन ने कहा, 'हम निश्चित रूप से श्रृंखला जीतने के लिये वहां जा रहे हैं। यह निश्चित रूप से मुश्किल दौरा होगा क्योंकि हमें विश्व स्तरीय आस्ट्रेलिया टीम से खेलना है। हमारी टीम अनुभवी है और एमी भी टीम में वापस आ चुकी हैं जिससे हमारी बल्लेबाजी मजबूत होगी। वाटकिन टीम के लिए 2018 में खेली थीं। डॉटी पदार्पण करने की उम्मीद लगाये होंगी। न्यूजीलैंड की महिला टीम श्रृंखला के लिए नौ सितंबर को आस्ट्रेलिया के लिये रवाना होगी जिसमें तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच हैं जिसका पहला मुकाबला 26 सितंबर को खेला जाएगा। टी20 के बाद तीन वनडे तीन अक्टूबर से शुरू होंगे।

मेस्सी के क्लब छोड़ने की खबरों के बाद आया स्पेनिश लीग अध्यक्ष का बड़ा बयान

मैड्रिड । पहले नेमार, फिर क्रिस्टियानो रोनाल्डो और अब हो सकता है लियोनल मेस्सी...स्पेनिश लीग को चार साल के अंदर तीसरे स्टार फुटबॉलर के अपने एक क्लब को छोड़ने का खामियाजा भुगतना पड़ सकता है। नेमार और रोनाल्डो के क्रमशः बार्सिलोना और रीयाल मैड्रिड क्लब को छोड़ने के बाद स्पेनिश लीग वित्तीय रूप से ज्यादा प्रभावित नहीं हुई थी और उसे अभी तक टीवी अधिकार अनुबंधों से अच्छी राशि मिल रही थी। लेकिन मेस्सी को गंवाने से उसके सामने बड़ी समस्या खड़ी हो सकती है। हालांकि नेमार और रोनाल्डो के जाने के बाद वह इन बड़े झटकों से उबर गई थी। रोनाल्डो जब 2018 में यूवेंटस से जुड़े थे तो लीग ने कहा था कि उस पर वित्तीय रूप से ज्यादा असर नहीं पड़ा। टीवी अधिकारों से उसकी कमाई कम नहीं हुई और न ही प्रसारकों ने छूट दूने की कोई बात कही। लीग दर्शकों के मामले में बढ़ती गयी। लीग के अध्यक्ष जेवियर टेबास मेस्सी के जाने से पड़ने वाले असर के बारे में उनकी राय अलग है क्योंकि उन्हें लगता है इसका काफी प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने कहा, 'हालांकि हम खुश नहीं थे जब रोनाल्डो ने रियाल मैड्रिड को छोड़ा। उनके जाने से वर्षों तक कोई असर नहीं पड़ा। उन्होंने कहा, 'लेकिन मेस्सी के मामले में यह अलग है। मेस्सी फुटबॉल के इतिहास में सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी है। हम भाग्यशाली रहे कि वह हमेशा हमारी लीग में बना रहा।

इंग्लैंड दौरे के लिए पसीने के इस्तेमाल पर और पाबंदी लगाएगा ऑस्ट्रेलिया

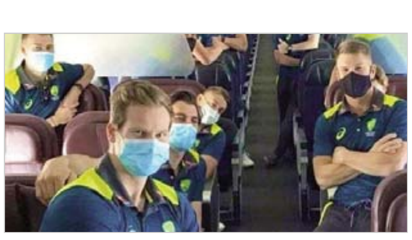

साउथम्पटन ।

क्रिकेट आस्ट्रेलिया (सीए) ने कोविड-19 संक्रमण के फैलने के जोखिम को कम करने की कोशिश में इंग्लैंड के खिलाफ सीमित ओवरों की श्रृंखला के दौरान गेंद को चमकाने के लिए अपने खिलाड़ियों को सिर, चेहरे और गर्दन से पसीने के इस्तेमाल से रोक दिया है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने कोविड-19 महामारी से बचने के लिए अंतरिम स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए गेंद पर लार के इस्तेमाल को प्रतिबंधित कर दिया है। हालांकि खिलाड़ी शरीर पर कहीं से भी पसीने का इस्तेमाल कर सकता है और गेंद पर लगा सकता है। लेकिन सीए इस वायरस के फैलने के किसी भी जोखिम को कम करने के लिये सतर्कता बरत रहा है। क्रिकेट डॉट कॉम डॉट यू के अनुसार बोर्ड की चिकित्सा सलाह के आधार पर उसने अपने खिलाड़ियों को कहा कि वे मुंह या नाक के पास से पसीने का इस्तेमाल नहीं करें। इससे खिलाड़ियों के पास चार सितंबर से साउथम्पटन में इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली श्रृंखला के दौरान पेट या कमर के पास से ही पसीने के इस्तेमाल का विकल्प बचता है। टीम के मुख्य तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क को लगता है कि इससे सीमित ओवरों के प्रारूप में ज्यादा असर नहीं पड़ेगा। स्टार्क ने कहा, 'सफेद गेंद की क्रिकेट में यह इतना अहम नहीं है। एक बार नयी गेंद से खेलना शुरू होता है तो आप इसे सूखा रहने की कोशिश करते हो।

यह लाल गेंद की क्रिकेट में ज्यादा अहम होता है। इंग्लैंड के खिलाड़ी वेस्टइंडीज और पाकिस्तान के खिलाफ श्रृंखला के दौरान अपनी पीठ और माथे से पसीने का इस्तेमाल करते हुए दिखायी दिये थे। स्टार्क ने कहा, 'मुझे लगता है कि इंग्लैंड टेस्ट श्रृंखला के दौरान हमने इसे देखा, जोफ्रा (आर्चर) अपनी पीठ से पसीने का इस्तेमाल कर रहा था। स्टार्क आस्ट्रेलिया की टेस्ट टीम में भी शामिल हैं, उन्हें लगता है कि अगर चीजें नहीं बदलती हैं तो टीम के घरेलू सत्र के दौरान इसी तरह की पाबंदियां बरकरार रहेंगी। हालांकि इस तेज गेंदबाज ने कहा कि जब टीम की टेस्ट श्रृंखला शुरू होंगी तो इस संबंध में चर्चा करनी होगी।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया पर छाया संकट!, 45 करोड़ डॉलर के करार को तोड़ने की मिली धमकी

मेलबर्न । पहले ही परेशानियों से जूझ रहे क्रिकेट आस्ट्रेलिया पर आगे वित्तीय संकट गहरा सकता है क्योंकि चैनल सेवन ने 2020-21 सत्र के लिए घरेलू और अंतरराष्ट्रीय कैलेंडर को उचित तरीके से व्यवस्थित नहीं करने पर उसके साथ 45 करोड़ अमेरिकी डॉलर का करार समाप्त करने की धमकी दी है। चैनल सेवन ने क्रिकेट आस्ट्रेलिया के साथ 2018 में छह साल के लिए 45 करोड़ अमेरिकी डॉलर का करार किया था। लेकिन कोविड-19 महामारी के कारण कार्यक्रम अस्तव्यस्त हो गया है और ऐसे में प्रसारक सत्र में क्रिकेट टूर्नामेंटों की स्थिति को लेकर चिंतित है क्योंकि संभावना है कि यात्रा प्रतिबंधों के कारण अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी बिग बैश लीग (बीबीएल) में न खेल पाएं। बोर्ड के कार्यक्रम में अब भी भारत के खिलाफ चार टेस्ट मैचों की श्रृंखला, अफगानिस्तान के खिलाफ एक टेस्ट तथा पुरुष और महिला बिग बैश टूर्नामेंट शामिल हैं लेकिन वर्तमान यात्रा प्रतिबंधों पर स्थिति स्पष्ट होने के बाद इसमें बदलाव किया जा सकता है। चैनल सेवन के मुख्य कार्यकारी जेम्स वारबर्टन ने गुणवत्ता को भी संख्या के समान ही महत्वपूर्ण करार देते हुए कहा, 'गुणवत्ता दायित्व भी सर्वोपरि है। अगर ऐसा नहीं होता है तो हमें अपने सभी विकल्पों पर विचार करने के लिए मजबूर होना पड़ेगा जिनमें अनुबंध को समाप्त करना भी शामिल है तथा हमने उन्हें इससे अवगत करा दिया है। वारबर्टन ने कहा कि क्रिकेट आस्ट्रेलिया की तरफ स्पष्टता के अभाव के कारण वह निराश हैं। उन्होंने 'द ऐज समाचार पत्र से कहा, 'आखिर में उन्हें यही देखना है कि वे टूर्नामेंटों का आयोजन कैसे कर सकते हैं। अंतरराष्ट्रीय सीमाओं के बंद होने जैसी बातें करना बंद करो और इस पर ध्यान दो कि सत्र में हम क्या कर सकते हैं। वारबर्टन ने कहा, 'अभी आप हर दिन समाचार पत्र उठाओ तो आपको चार या पांच अलग अलग चीजें पढ़ने को मिलेंगी। आप देखोगे कि ऑस्ट्रेलिया का टी20 और वनडे कप्तान कुछ कह रहा है, कोच कुछ और बात कर रहा है, बीबीएल फ्रेंचाइजी अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों के इस बीच क्रिकेट आस्ट्रेलिया के सीईओ निक हॉकले ने कहा कि वैश्विक स्वास्थ्य संकट को देखते हुए अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम घोषित करना चुनौती है।

बेबी बंप के साथ हार्दिक पांड्या की पत्नी नताशा ने शेयर की तस्वीर, फैंस देखकर हुए हैरान

स्पोर्ट्स डेस्क। टीम इंडिया के क्रिकेटर हार्दिक पांड्या और उनकी पत्नी नताशा माता-पिता बन गए है। जहां वह अपने बेटे संग आए दिन सोशल मीडिया पर तस्वीरे शेयर करते दिखाई पड़ते है। ऐसे में पांड्या की पत्नी नताशा की अपने सोशल मीडिया पर बेबी बंप के साथ फोटो वायरल हो रही है। जिसे फैंस भी काफी पसंद कर रहे है। दरअसल, नताशा ने इंस्टा पर एक थ्रो बैक तस्वीर शेयर करते हुए लिखा- बता दें, नताशा ने अपने इस पोस्ट में प्रेगनेंसी के दौरान बेबी बंप में तस्वीर साझी की है। जहां उन्होंने बेबी बंप के साथ फोटो शूट करवाया था। जिसके तस्वीर उन्होंने शेयर की है। बता दें, इस साल संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में 19 सितम्बर से 10 नवम्बर तक आयोजित किया जाएगा। गौरतलब है कि हार्दिक के क्रिकेट करियर पर नजर डाले तो उन्होंने अभी तक 11 टेस्ट मैचों की 18 इनिंग्स में 532 रन बनाए हैं जिसमें एक शतक और 4 अर्धशतक शामिल हैं। वनडे की बात करें तो उन्होंने 54 मैचों की 38 इनिंग्स में बल्लेबाजी करते हुए 29.9 की औसत से 957 रन बनाए। इसमें 4 अर्धशतक भी शामिल हैं। टी20 की बात करें तो इस खिलाड़ी ने 40 मैचों की 25 इनिंग्स में 310 रन बनाए हैं।

मोंटी पनेसर का ईशारा : भारत दौरे में एंडरसन या ब्रॉड से होगा एक ड्राप

नई दिल्ली ।

इंग्लैंड के पूर्व लेफ्ट आर्म स्पिनर मोंटी पनेसर का मानना है कि अगले साल के शुरू में इंग्लैंड टीम के भारत दौरे में परिस्थितियों को देखते हुए शायद तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन या स्टुअर्ट ब्रॉड को ड्रॉप किया जा सकता है। इंग्लैंड के लिए 50 टेस्ट खेलने वाले 38 वर्षीय पनेसर ने यह चौंकाने वाला बयान ऐसे समय दिया है जब एंडरसन टेस्ट क्रिकेट में 600 विकेट पूरे करने वाले दुनिया के पहले और ओवरआल चौथे गेंदबाज बने हैं। इंग्लैंड की अपनी जमीन पर हाल में वेस्टइंडीज के खिलाफ 2-1 और पाकिस्तान के खिलाफ 1-0 की जीत में दोनों तेज गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया था। ब्रॉड ने वेस्ट इंडीज के खिलाफ सीरीज के दौरान अपने 500 विकेट पूरे किए थे। पनेसर ने कहा कि उन्हें लगता है कि जनवरी 2021 में भारत के खिलाफ सीरीज में आलराउंडर बेन स्टोक्स की वापसी के बाद यह तय करना मुश्किल होगा कि टीम से किसे हटाएं। उन्होंने कहा- इंग्लैंड उस स्थिति में ऑलराउंडरों को शामिल करना पसंद करेगा और इस तरह मैं क्रिस वोक्स और बेन स्टोक्स दोनों को खेलते हुए देख सकता हूं। शायद एंडरसन या ब्रॉड को परिस्थितियों को देखते हुए ड्रॉप किया जा सकता है। भारतीय उपमहाद्वीप के इंग्लैंड के दौरे के बारे में पनेसर ने कहा कि इंग्लैंड की टीम को एक विशेषज्ञ स्पिनर की आवश्यकता हो सकती है।

उन्होंने टीम में आदिल राशिद की वापसी का समर्थन किया और कहा कि आदिल एक अच्छे खिलाड़ी हैं। अगर वह डोम बेस की जगह इस सीरीज में खेल रहे होते तो इंग्लैंड पाकिस्तान के खिलाफ सीरीज को 2-0 से जीत लेता।

शतरंज ओलंपियाड - क्वाटर फाइनल मे अर्मेनिया से खेलेगा भारत , उक्रेन से हारकर चीन हुआ बाहर

नई दिल्ली । बवैसे तो फीडे ऑनलाइन शतरंज ओलंपियाड मे भारतीय टीम का आज मुक़ाबला नहीं हो रहा था पर शतरंज प्रेमियों की नजर आज अर्मेनिया और ग्रीस के बीच मुक़ाबले पर थी क्यूंकी इनके मुक़ाबले से ही भारत का क्वाटर फाइनल का प्रतिद्वंदी तय होना था । मैच के पहले अर्मेनिया को ही बड़ा दावेदार माना जा रहा था पर नजरे ग्रीस पर थी । हालांकि इस मुक़ाबले मे अर्मेनिया नें ग्रीस को लगातार दो मुकाबलों मे 4.5-1.5 और 3.5-2.5 से पराजित करते हुए भारत से खेलने की पात्रता हासिल कर ली है । भारत सीधे ही ग्रुप ए मे शीर्ष पर रहा था और अब देखना होगा की कप्तान विदित गुजराती की टीम दिग्गज लेवान आरोनियन की टीम को कैसे मात देती है । अक बाद उलटफेर मे वर्तमान ओलंपियाड चैम्पियन चीन को उक्रेन नें टाईब्रेक मे मात देते हुए टूर्नामेंट से बाहर कर दिया है । चीन और उक्रेन के बीच दो मुक़ाबले 3-3 से ड्रॉ रहे और उसके बाद हुए टाईब्रेक अरमागोदेन मुक़ाबले मे उक्रेन के बोरिस शेवेछेंको नें चीन को बाहर का रास्ता दिखा दिया ।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

दुनिया की लापरवाही पर संयुक्त राष्ट्र चिंतित, कहा- बिना लक्षण वालों का भी हो कोविड-19 टेस्ट

इंटरनेशनल डेस्क।

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कहा कि देशों को कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों का पता लगाने के लिए लोगों की जांच करनी चाहिए और उन लोगों की भी जांच की जानी चाहिए जिनमें संक्रमण के लक्षण नहीं हैं। यह रुख अमेरिका द्वारा अपनी नीति में हाल में किए गए बदलाव के विपरित है। इससे पहले अमेरिकी स्वास्थ्य एजेंसी ने अपनी नीति में बदलाव करते हुए कहा था कि संक्रमित लोगों के संपर्क में आए ऐसे लोग जिनमें संक्रमण के लक्षण नहीं है,उनकी जांच करने की आवश्यकता नहीं है। कोविड-19 के लिए डब्ल्यूएचओ की प्रौद्योगिकी प्रमुख मारिया वान केरखोवे ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि जांच का दायर बढ़ाना चाहिए तथा उन लोगों की भी जांच होनी चाहिए जिनमें संक्रमण के लक्षण या तो बहुत हल्के हैं या फिर हैं ही नहीं। अमेरिका के रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केंद्र की नीति में बदलाव से पहले स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारियों से यह कहा गया था कि संक्रमित लोगों के 1.8 मीटर के दायरे में 15 मिनट से अधिक समय तक जो भी व्यक्ति आया है उसकी जांच की जाएगी। हालांकि अब नए दिशा-निर्देशों के मुताबिक संक्रमित लोगों के करीबी संपर्क में आए लोगों में यदि संक्रमण के लक्षण नहीं हैं तो उन्हें जांच करवाने की आवश्यकता भी नहीं है। केरखोवे ने कहा कि यह बहुत आवश्यक है कि जांच को एक अवसर की तरह लिया जाए, ताकि संक्रमित लोगों को अलग किया जा सके, उनके संपर्कों का पता लगाया जा सके। संक्रमण फैलने की कड़ी को तोड़ने के लिए यह बुनियादी जरूरत है। उन्होंने कहा कि यह चिंता का विषय है कि लोग अब सामाजिक दूरी के नियमों का कड़ाई से पालन नहीं कर रहे। अब सामाजिक दूरी के नियमों का कड़ाई से पालन नहीं कर रहे। केरखोवे के मुताबिक मास्क पहनने के बाद भी कम से कम एक मीटर की दूरी बनाए रखना जरूरी है।

ट्रम्प ने राष्ट्रपति पद के लिए रिपब्लिकन पार्टी की ओर से नामांकन स्वीकार किया

वाशिंगटन।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने नवम्बर में होने वाले चुनाव के लिए एक बार फिर रिपब्लिकन पार्टी की ओर से राष्ट्रपति पद का नामांकन आधिकारिक तौर पर स्वीकार कर लिया और अपने साथी अमेरिकियों से कहा कि इससे पहले दो दलों, दो दृष्टिकोण, दो नीतियों या दो एजेंडों के बीच मतदाताओं की पंसद इतनी स्पष्ट कभी नहीं थी। अमेरिका में तीन नवम्बर को चुनाव है। ट्रम्प (74) ने रिपब्लिकन पार्टी के राष्ट्रीय सम्मेलन (आरएनसी) के आखिरी दिन बृहस्पतिवार को व्हाइट हाउस के 'साउथ लॉन' में नामांकन स्वीकार किया। ट्रम्प ने नामंकन स्वीकार करते हुए कहा, '' मेरे साथी अमेरिकियों , आज रात तहे दिल से आभार और पूरी सकारात्मकता के साथ मैं गर्व के साथ अमेरिका के राष्ट्रपति पद के लिए नामांकन स्वीकार करता हूं।''उन्होंने कहा, '' मैं आज रात आपके समर्थन के साथ यहां खड़ा हूं, पिछले चार शानदार वर्षों में हमने जो असाधारण प्रगति की है उस पर गर्व है और अगले चार वर्षों में भी हम अमेरिका के उज्ज्वल भविष्य का निर्माण करेंगे।''ट्रम्प ने कहा, '' राष्ट्रपति के तौर पर नए कार्यकाल में, हम फिर से इतिहास की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था का निर्माण करेंगे, जल्द ही सबको रोजगार देंगे, आय बढ़ेगी और रिकॉर्ड समृद्धि हासिल करेंगे।''ट्रम्प ने मौके पर मौजूद करीब 1500 लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि रिपब्लिकन पार्टी लाखों डेमोक्रेट्स, निर्दलीय और जो भी अमेरिका की महानत और अमेरिकी लोगों बड़े दिल मे विश्वास रखते हैं, उनके स्वागत के लिए एकजुट, दृढ़ और तैयार हैं ट्रम्प पत्नी मेलानिया ट्रम्प के साथ मंच तक आए थे। उनकी बेटी इवांका ट्रम्प ने उनका परिचय दिया इससे पहले, बुधवार को माइक पेंस ने भी एक बार फिर पार्टी की ओर से उप राष्ट्रपति का नामंकन स्वीकार किया था। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में ट्रम्प का मुकाबला डेमोक्रेटिक पार्टी के जो बाइडेन से होगा।

अमेरिका पर एक और संकट, कोरोना के बाद तूफान ने लोगों का जीवन किया तबाह

इंटरनेशनल डेस्क।

तूफान 'लॉरा ने अमेरिका पहुंचते ही तबाही मचानी शुरू कर दी है। तूफान वीरवार को लुइसियाना के कैमेरोन पहुंचा, जिसके साथ ही वहां तेज हवाएं चलने लगी और बाढ़ की स्थिति उत्पन्न हो गई। अलग-अलग घटनाओं में चार लोगों की मौत हो गई और संपत्ति को भारी नुकसान पहुंचा। तूफान 'लॉरा अभी चौथी श्रेणी में है, और 150 मील प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाओं के साथ वह खाड़ी तट पर पहुंचा और फिर लुइसियाना की ओर बढ़ा। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प तूफान से मची तबाही का मुआयना करने इस सप्ताहांत खाड़ी तट जा सकते हैं। संघीय आपातकालीन प्रबंधन एजेंसी (फेमा) मुख्यालय में ट्रम्प ने कहा था कि अभियान दल 'रिपब्लिकन नेशनल कंवेन्शन में उनके भाषण को स्थगित करने पर विचार कर रहा है ताकि वह टेक्सास, लुइसियाना और संभवतः अर्कांसस में मची तबाही का जायजा लेने जा सकें। लेकिन ऐसा हुआ नहीं और आरएनसी तय समय पर ही आयोजित किया गया। लुइसियाना के गवर्नर जॉन बेल एडवर्ड ने बृहस्पतिवार को बताया कि तूफान संबंधी घटनाओं में कम से कम चार लोग मारे गए हैं। सभी लोगों की जान उनके घरों पर पेड़ों के गिरने से गई है। लुइसियाना और टेक्सास में बिजली आपूर्ति बाधित हो गई।

शाम 4 बजे (सीएसटी) तक लाखों लोग बिना बिजली के रहे। शाम 4 बजे (सीएसटी) तक लाखों लोग बिना बिजली के रहे। तूफान के कारण शहर में काफी तबाही मची, कई जगह बिलबोर्ड, लकड़ी के फ्रेम गिर गए। इमारतों में भी दरारें आ गई और पेड़ गिरने की भी गई घटनाएं हुई। अधिकारियों ने बताया कि वेस्टलेक में एक रासायनिक संयंत्र में बृहस्पतिवार सुबह आग भी लग गई थी।

ट्रंप के भाषण को रोकने की कोशिश में जुटे सैकड़ों प्रदर्शनकारी

वाशिंगटन।

रिपब्लिकन पार्टी की तरफ से राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के बतौर अपने नामांकन स्वीकार करने के लिए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा दिए जा रहे भाषण को बाधित करने के मकसद से सैकड़ों प्रदर्शनकारी बृहस्पतिवार रात को व्हाइट हाउस के इर्द-गिर्द जुटे। इसे प्रदर्शन को शोर प्रदर्शन और डांस पार्टी करार दिया गया था। लोकप्रिय स्थानीय बैंड टीओबी के मुखिया ने चिल्लाकर कहा, ''हमें उम्मीद है ट्रंप कि आप हमें सुन रहे होंगे। बैंड ने व्हाइट हाउस की तरफ बढ़ते हुए गो-गो संगीत (स्थानीय संगीत जिसमें लाइव दर्शकों से प्रतिक्रिया की अपील की जाती है) जोर से बजाया। ट्रंप रिपब्लिकन नेशनल कन्वेंशन (आरएनसी) के अंतिम दिन व्हाइट हाउस के साउथ लॉन में अपना स्वीकृति भाषण दे रहे थे। इस दौरान एक प्रदर्शनकारी ने पोस्टर लहराया जिसपर लिखा था, पेनसिल्वानिया एवेन्यू पर भयावह अनुभव।'' यह वह मार्ग है जहां व्हाइट हाउस स्थित है। कोरोना वायरस वैश्विक महामारी के प्रकोप मद्देनजर प्रदर्शनकारियों ने मास्क तो पहने थे, लेकिन शारीरिक दूरी का कोई ख्याल नहीं रखा गया था। कोरोना वायरस वैश्विक महामारी के प्रकोप मद्देनजर प्रदर्शनकारियों ने मास्क तो पहने थे, लेकिन शारीरिक दूरी का कोई ख्याल नहीं रखा गया था। प्रदर्शन के आयोजक जस्टिन जॉनसन ने कहा, ट्रंप को रोकना चाहते हैं तो आवाज उठाएं। कार्यक्रम के दौरान पुलिस बड़ी संख्या में मौजूद थी लेकिन प्रदर्शन शांतिपूर्ण था। जॉनसन ने एक मौके पर पुलिस को बैंड एवं प्रदर्शनकारियों को अवरोधक के पार जाने देने के लिए धन्यवाद भी दिया।

जाने देने के लिए धन्यवाद भी दिया। भीड़ की तरफ से हौसलाअफजाई मिलने के बाद उन्होंने कहा, बस इतना ही। उन्हें इतना ही चाहिए था।

संक्षिप्त समाचार

जापान के प्रधानमंत्री शिंज़ो आबे ने दिया इस्तीफा: मीडिया

इंटरनेशनल डेस्क। जापान के प्रधानमंत्री शिंजो आबे ने स्वास्थ्य कारणों के चलते शुक्रवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक आबे ने इस्तीफे की घोषणा करते हुए कहा कहा कि वे नहीं चाहते कि उनकी बीमारी देश चलाने में बाधा बने। बता दें कि इससे पहले स्थानीय मीडिया के हवाले से खबर थी कि वे आज अपना पद छोड़ने की घोषणा कर सकते है। नेशनल ब्रॉडकास्टर ने सूत्रों के हवाले से कहा कि आबे की स्वास्थ्य समस्याएं लगातार बढ़ रही हैं और इसी के चलते उन्होंने इस्तीफा दिया। बता दें कि पिछले दिनों भी खबर थी कि आबे की तबीयत ठीक नहीं है और वे दो बार अस्पताल जाते देखे गए। उनकी बीमारी को लेकर तरह-तरह के कयास लगाए जा रहे हैं। आबे ने इसी महीने अपने काम से तीन दिन की छुट्टी ली थी। वे 17 अगस्त को अस्पताल गए थे। वे अपने मेडिकल चेकअप के लिए करीब 7 घंटे से भी ज्यादा वक्त तक अस्पताल में रहे थे और इसके एक हफ्ते बाद वे फिर उसी अस्पताल में अन्य जांचों के लिए गए थे।

चीन ने दक्षिण चीन सागर में बैलिस्टिक मिसाइलें दागकर अपनी अभ्यास गतिविधियां बढ़ा दी हैं : पेंटागन

वाशिंगटन। चीन ने दक्षिण चीन सागर में अपनी पूर्व घोषित अभ्यास गतिविधियों को चार मध्यम दूरी की मिसाइलें दागकर बढ़ा दिया है। पेंटागन ने बृहस्पतिवार को यह कहा। चीन की ओर से ये मिसाइलें हैनान द्वीपसमूह और पारासेल द्वीपसमूह के बीच वाले इलाकों में दागी गईं। पेंटागन ने एक बयान में कहा कि रक्षा मंत्रालय दक्षिण चीन सागर में पारासेल द्वीपसमूह के आस-पास 23 से 29 अगस्त के बीच बैलिस्टिक मिसाइलों के परीक्षण समेत अन्य सैन्य अभ्यास करने के चीन के हालिया फैसले को लेकर चिंतित है। पेंटागन ने कहा कि दक्षिण चीन सागर में विवादित क्षेत्र में सैन्य अभ्यास करना तनाव कम करने और स्थिरता को बरकरार रखने के उलट है। साथ ही कहा कि मिसाइल परीक्षणों समेत चीन की अन्य कार्रवाई दक्षिण चीन सागर में स्थिति को और अस्थिर करती है। इसने कहा कि ऐसे अभ्यास दक्षिण चीन सागर में पक्षों के आचरण पर 2002 की घोषणा के तहत चीन की प्रतिबद्धताओं का भी उल्लंघन करते हैं। यह घोषणा उन गतिविधियों से बचने के लिए की गई थी जो विवादों को और जटिल बना सकती हैं या बढ़ा सकती हैं तथा शांति एवं स्थिरता को प्रभावित कर सकती हैं। साथ ही यह चीन और आसियान के बीच आचार संहिता के लिए जारी वार्ता के साथ उसकी मंशा पर सवाल उठाता है। पेंटागन ने कहा कि यह सैन्य अभ्यास दक्षिण चीन सागर में गैरकानूनी समुद्री दावों पर जोर देने और अपने दक्षिणपूर्वी एशियाई पड़ोसियों को नुकसान पहुंचाने के लिए चीन की ओर से लगातार की जा रही कार्रवाइयों में से हालिया कार्रवाई है। चीनी गतिविधियां दक्षिण चीन सागर का सैन्यीकरण न करने की उसी प्रतिज्ञा के उलट हैं और मुक्त एवं स्वतंत्र हिंद-प्रशांत क्षेत्र के अमेरिकी दृष्टिकोण के भी विपरित है जिसमें सभी राष्ट्र, छोटे एवं बड़े, संप्रभुता के लिहाज से सुरक्षित हैं, दबाव से मुक्त हैं और स्वीकृत अंतरराष्ट्रीय नियमों के अनुरूप आर्थिक विकास आगे बढ़ाने में सक्षम हैं। पेंटागन ने कहा कि उसने जुलाई में चीन को चौकन्ना किया था कि वह स्थिति की निगरानी करना जारी रखेगा इस उम्मीद के साथ की चीन दक्षिण चीन सागर में अपनी सैन्यीकरण की कार्रवाई और पड़ोसियों पर दबाव को कम करेगा। इसने कहा कि चीन ने बैलिस्टिक मिसाइलें दागकर अपनी अभ्यास गतिविधियों को बढ़ाना जारी रखना चुना।

अमेरिका: यूटा के गवर्नर ने भारतीय राजदूत के साथ की बैठक

वाशिंगटन। अमेरिका में यूटा के गवर्नर गैरी आर. हरबर्ट ने बृहस्पतिवार को अमेरिका में भारत के राजदूत तरनजीत सिंह से मुलाकात की और दोनों ने यूटा तथा भारत के बीच बढ़ते संबंधों पर चर्चा की। भारत-यूटा के संबंध बहुआयामी और जीवंत है, जिसमें मजबूत सांस्कृतिक और वाणिज्यिक संबंध शामिल हैं। संधू ने हरबर्ट से मुलाकात के बाद ट्वीट किया, '' हमारी व्यापार और आर्थिक साझेदारी को और मजबूत करने तथा फार्मा एवं तकनीकी क्षेत्रों में तालमेल समेत यूटा के गवर्नर गैरी हरबर्ट के साथ कई मुद्दों पर चर्चा की। गवर्नर ने यूटा के भारतीय प्रवासियों के महत्वपूर्ण योगदान की सराहना की।'' भारतीय दूतावास ने एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि संधू और हरबर्ट ने व्यापार और निवेश में तालमेल और भारत-यूटा के बीच संबंध बढ़ने की संभावनाओं पर चर्चा की। 'टाटा केमिकल्स', 'एसोसिएटेड कैप्सूल ग्रुप' और 'सैमी लैब्स' जैसी भारतीय कम्पनियों ने यूटा में रोजगार सृजन और नवोन्मेष में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसमें कहा गया, '' आईटी, स्वास्थ्य सेवा इसमें कहा गया, '' आईटी, स्वास्थ्य सेवा और प्रौद्योगिकी सेवा क्षेत्र के विकास ने यूटा और भारत के लोगों के बीच संबंधों को मजबूत किया है। वहीं सॉल्ट लेक क्षेत्र में भारतीय समुदाय का लगातार विस्तार हो रहा है।'' भारतीय दूतावास ने कहा कि बैठक के दौरान, संधू ने राजस्थान के ऊर्जा विभाग और यूटा के गवर्नर के ऊर्जा विकास कार्यालय के बीच ऊर्जा नीति को बढ़ावा देने के लिए हुए रूपरेखा समझौते के महत्व को भी रेखांकित किया ।

कोरोना की 3 वैक्सीन फाइनल स्टेज पर, जल्द दुनिया से खत्म हो जाएगी महामारी: ट्रंप

इंटरनेशनल डेस्क। दुनियाभर में कोरोना वैक्सीन को लेकर बनी जद्दोजहद के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का बड़ा बयान सामने आया है। ट्रंप ने दावा किया कि कोरोना की वैक्सीन ट्रायल के फाइनल स्टेज पर है और जल्द ही इसका प्रोडक्शन शुरू कर दिया जाएगा। इससे पहले उन्होंने कहा था कि 3 नवंबर तक कोरोना वैक्सीन आ जाएगी। ट्रंप ने रिपब्लिकन नेशनल कंवेंशन में कहा कि तीन अलग-अलग वैक्सीन फाइनल ट्रायल पर हैं। हम अडवांस में ही उनका उत्पादन कर रहे हैं ताकि उपलब्धता सुनिश्चित हो सके। ट्रंप ने कहा कि हम मिलकर वायरस को हराएंगे, इसी साल सुरक्षित और प्रभावी वैक्सीन ले आएंगे। बता दें कि कोरोना से सबसे ज्यादा प्रभावित देशों की लिस्ट में अमेरिका पहले पायदान पर है। यहां कोरोना वायरस (कोविड-19) से मरने वाले लोगों की संख्या 1,8 लाख के पार पहुंच गयी है, जबकि इस जानलेवा विषाणु से संक्रमित होने वाले लोगों की संख्या 58.40 लाख के करीब हो गयी है। अमेरिका में पिछले 24 घंटों में 46 हजार से ज्यादा नए केस आए हैं।

अमेरिकी जनता की भलाई के प्रति ट्रंप ने अनादर दिखाया है : कमला हैरिस

वाशिंगटन।

डेमोक्रेटिक पार्टी की उप राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार भारतवंशी सीनेटर कमला हैरिस ने बृहस्पतिवार को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर निशाना साधते हुए कहा कि वह अमेरिकी जनता की भलाई में नाकाम रहे हैं और उन्होंने इस दिशा में पूरी तरह लापरवाही के साथ अनादर प्रदर्शित किया है। हैरिस ने कहा, ''डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका के राष्ट्रपति के सबसे मौलिक और महत्वपूर्ण काम में विफल रहे हैं। वह अमेरिकी जनता के संरक्षण में नाकाम रहे हैं। ट्रंप ने जो दिखाया है, उसे हम कानून के पेशे में अमेरिकी जनता की भलाई के लिए पूरी तरह लापरवाही पूर्ण अनादर कहेंगे।'' रिपब्लिकन पार्टी के राष्ट्रीय सम्मेलन में ट्रंप के राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी स्वीकार करने के भाषण से कुछ घंटे पहले अपने जोरदार संबोधन में हैरिस ने आरोप लगाया कि राष्ट्रपति की नीतियों में महामारी से अमेरिकी लोगों की जिंदगियों पर होने वाले खतरों को लेकर भी 'लापरवाही पूर्ण अनादर' दिखाया गया है। उन्होंने कहा, ''इससे हमारी अर्थव्यवस्था को जो नुकसान होगा, पीढ़ियों तक सुनियोजित नस्लवाद के शिकार रहे समुदायों का जो नुकसान होगा, हमारे रोजाना के जीवन में जो उथल-पुथल मचेगी, उसके बाद हममें से कई के बच्चों के लिए स्कूल जाना नामुमकिन होगा। सामान्य तरीके से और निश्चिंतता के साथ जीना असंभव होगा।'' हैरिस ने कहा, ''उन्होंने कभी इस बात का ऐहसास ही नहीं किया कि कोई राष्ट्रपति अमेरिका को जाने और अनजाने खतरों से बचाने के लिए ईश्वर और देश की शपथ लेता है। यह उसका कर्तव्य है। हमारी रक्षा करना उसकी बाध्यता है। फिर भी, वह दुखद तरीके से विफल रहे।''

उन्होंने कहा, ''डोनाल्ड ट्रंप की अक्षमता नयी बात नहीं है। यह हमेशा से दिखती रही है। लेकिन इस साल जनवरी में यह घातक हो गयी। जब पूरी दुनिया पर खतरा पैदा करने वाला वायरस पहली बार सामने आया। ट्रंप ने खतरे को नकार दिया। जब पूरी दुनिया पर खतरा पैदा करने वाला वायरस पहली बार सामने आया। ट्रंप ने खतरे को नकार दिया। जो बाइडेन ने सावधान किया था।'' हैरिस ने कहा, ''ट्रंप हमें कहते रहे कि चिंता करने की जरूरत नहीं है, चमत्कार होने जा रहा है, वायरस गायब हो जाएगा।

लेकिन जो बाइडेन ने कहा कि हमें एक योजना, एक राष्ट्रीय रणनीति की जरूरत है, एक राष्ट्रपति जो नेतृत्व करने का इच्छुक हो, हमारे राष्ट्र, हमारे बच्चों के लिए रोल मॉडल बनना चाहता हो।''उन्होंने आरोप लगाया कि जब अमेरिका चाहता था कि राष्ट्रपति चीन सरकार के प्रति सख्त रवैया अपनाएं तब ट्रंप सकते में आ गए थे। इस पर ट्रंप की ओर से अभी कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

दुनियाभर में 2.43 करोड़ से अधिक कोरोना संक्रमित, 8.30 लाख लोगों की मौत

वाशिंगटन।

विश्व में वैश्विक महामारी कोरोना वायरस (कोविड-19) से संक्रमित होने वालों की संख्या तेजी से बढ़ती हुई 2.43 करोड़ के पार हो गयी है तथा इस महामारी की चपेट में आने से अब तक 8.30 लाख से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। अमेरिका की जॉन हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी के विज्ञान एवं इंजीनियरिंग केन्द्र (सीएसएसई) की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार कोरोना से विश्वभर में अब तक 24,361,904 लोग संक्रमित हुए हैं और 830,205 लोगों की मौत हुई है। विश्व महाशक्ति माने जाने वाले अमेरिका में कोरोना से संक्रमित होने वालों की संख्या 58 लाख को पार कर 5,866,214 पर पहुंच गयी है तथा अब तक 180,214 लोगों की जान जा चुकी है। विश्व में कोरोना से दूसरे नंबर पर सबसे अधिक प्रभावित ब्राजील में अब तक 3,761,391 लोग इसकी चपेट में आ चुके हैं जबकि 1,18,649 लोगों की मौत हो चुकी है। भारत में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से शुक्रवार सुबह जारी आंकड़ों के अनुसार पिछले 24 घंटों के दौरान देश में कोरोना के रिकार्ड 77,266 नए मामले आने से संक्रमितों की संख्या 33,87,500 हो गयी है। वहीं इस दौरान 1,057 लोगों की मौत होने से मृतकों की संख्या 61,529 पर पहुंच गयी है। देश में स्वस्थ होने वाले लोगों की कुल संख्या 25,83,948 हो गयी है। कोरोना के सक्रिय मामले तेजी से बढ़ते हुए 7,42,023 पर पहुंच गए हैं। रूस कोविड-19 संक्रमण के मामले में चौथे नंबर पर है और यहां इससे अब तक करीब 9,72,972 लोग प्रभावित हुए हैं तथा 16,758 लोगों ने जान गंवाई है। दक्षिण अफ्रीका में कोरोना महामारी का प्रकोप बढ़ता ही जा रहा है जिसके कारण कोरोना से संक्रमित होने के मामले में वह पांचवें स्थान पर पहुंच गया है। यहां इस वायरस से अब तक 618,286 संक्रमित हुए हैं तथा 13,628 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं पेरू संक्रमितों के मामले में मेक्सिको को पीछे छोड़ चुका है और यहां कोरोना संक्रमितों की संख्या छह लाख को पार कर 613,378 पर पहुंच गई है तथा इस वायरस से मरने वालों की संख्या 28,124 हो गयी हैं। मेक्सिको में भी कोरोना संक्रमण से हालात खराब है। यहां संक्रमितों की संख्या 579,914 हो गई तथा 62,594 लोगों की मौत हो चुकी है। कोविड-19 से संक्रमित मामलों में कोलम्बिया अब आठवें नंबर पर है। यहां इस वायरस से अब तक 572,243 लोग संक्रमित हुए हैं और मृतकों की संख्या 18,184 है। स्पेन नए मामलों में वृद्धि के बाद अब नौवें स्थान पर है यहां अब तक करीब 429,507 लोग प्रभावित हुए हैं तथा 28,996 लोगों की मृत्यु हुई है। चिली कोरोना संक्रमितों के मामले में अब दसवें स्थान पर आ गया है और यहां कोरोना संक्रमण से 404,102 संक्रमित है ।

अमेरिकी प्रभुत्व को तबाह कर देंगे बाइडेन : ट्रंप

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने राष्ट्रपति चुनाव में अपने प्रतिद्वंद्वी जो बाइडेन पर निशाना साधते हुए कहा कि यदि वह जीतते हैं तो इससे राष्ट्र खतरे में आ जाएगा और अमेरिका का प्रभुत्व नष्ट हो जाएगा। ट्रंप ने रिपब्लिकन पार्टी द्वारा पुनः राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार घोषित किये जाने के बाद उम्मीदवारी स्वीकार करते हुए व्हाइट हाउस के साउथ लॉन से दिए अपने भाषण में यह बात कही। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ट्रंप ने कहा कि बाइडेन प्रशासन तले कोई भी सुरक्षित नहीं होगा। उन्होंने कहा, ''जो बाइडेन अमेरिकी अंतरात्मा के रक्षक नहीं हैं।''ट्रंप ने हमला तेज करते हुए कहा, ''उन्होंने अमेरिकी रोजगार को तबाह कर दिया, और मौका मिला तो वह अमेरिकी प्रभुत्व को नष्ट कर देंगे। बाइडेन का रिकॉर्ड शर्मिंदगी से भरा हुआ तथा हमारे जीवनकाल में सबसे विनाशकारी विश्वासघातों तथा बड़ी गलतियों से भरा हुआ है।'' ट्रंप और उनके साथ उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार माइक पेन्स को तीन नवंबर के चुनाव में बाइडेन और उनकी भारतीय मूल की साथी सीनेटर कमला हैरिस से चुनौती मिल रही है। ट्रंप ने अपने भाषण में आरोप लगाया, ''बाइडेन ने उत्तर अमेरिकी मुक्त व्यापार समझौते (नाफ्टा) जैसी त्रासदी के लिए मतदान किया जो अब तक की सबसे भयावह सहमति थी। उन्होंने विश्व व्यापार संगठन में चीन के प्रवेश का समर्थन किया जो अब तक की सबसे बड़ी आर्थिक त्रासदी है।'' ट्रंप ने 2016 के चुनाव प्रचार में नाफ्टा को हटाने का संकल्प जताया था। बाद में उन्होंने इसकी जगह अमेरिका-मेक्सिको-कनाडा समझौते (यूएसएमसीए) को लागू किया। ट्रंप ने कहा कि एक राष्ट्र के रूप में अमेरिकी महानता के बावजूद अमेरिका ने जो कुछ भी हासिल किया, वो सब खतरे में है।

60 साल सीक्रेट रखने के बाद रूस ने दिखाया परमाणु बम विस्फोट

इंटरनेशनल डेस्क।

अमेरिका के साथ जारी तनाव के बीच रूस ने दुनिया को अपनी ताकत का अहसास दिलवाया है। करीब 60 साल तक सीक्रेट रखने के बाद रूस ने दुनिया के सबसे बड़े परमाणु बम विस्फोट का वीडियो जारी कर दिया है। धरती के खात्मे का हथियार कहे जाने वाले यह विस्फोट दुनिया में अब तक का सबसे शक्तिशाली है और अमेरिका कभी भी इतना बड़ा परमाणु बम नहीं बना सका है। 30 अक्टूबर 1961 को विस्फोट किए गए इस बम को किंग्स ऑफ बॉम्बस यानी बमों का राजा कहा जाता है। इसकी तुलना अगर जापान के हिरोशिया में गिराए गए परमाणु बम से की जाए तो इवान 3333 गुना ज्यादा शक्तिशाली है। रूसी विमान ने इस परमाणु बम को आर्कटिक समुद्र में नोवाया जेमल्याज के ऊपर बर्फ में गिराया था। जब इस परमाणु बम के बारे में पश्चिमी दुनिया को पता चला तो इसका नाम कर दिया गया था। एक रिपोर्ट से मिली जानकारी के अनुसार, ये परमाणु बम रूस ने अमेरिका के साथ चल रही कोल्डप वॉर के सबसे खराब दौर में बनाया था। अमेरिका के थर्मोन्यूक्लियर डिवाइस को टक्कर देने के लिए सोवियत संघ ने इस इवान नामक परमाणु बम का निर्माण किया था। यूट्यूब पर जारी वीडियो में देख सकते हैं कि इसे आर्कटिक सागर में स्थित नोवाया जेमल्या द्वीप पर गिराया गया था। बम की लंबाई 26 फीट और व्यास 7 फीट था और इसका वजन 27 टन था। इसके गिरने की गति कम करने के लिए इसके पीछे एक पैराशूट लगाया गया था ताकि यह गिरने के बाद बड़े स्तर पर बर्बादी न कर सके। इसके असर का अध्ययन करने के लिए आसमान में उड़ रहे बमवर्षकों में कई तरह के कैमरे और वैज्ञानिक यंत्र लगाए गए थे। बम जमीन से 4 किलोमीटर ऊपर फटा, इसके बाद इसने आसमान में बड़े मशरूम जैसी आकृति बनाई। इसके आग के गोला और धुएं का गुबार आसमान में 60 किलोमीटर की ऊंचाई तक गया था। परमाणु बम के विस्फोट से निकली रोशनी 1000 किलोमीटर तक दिखाई दी थी।

इस बम के विस्फोट से निकलने वाली गर्मी की वजह से 100 किलोमीटर की दूरी तक कोई चीज नहीं बची थी, सब जलकर खाक हो गया था।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अभी नहीं थमा कांग्रेस का तूफान, पत्र विवाद से जुड़े नेताओं से पार्टी ने किया किनारा!

नेशनल डेस्क।

कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने हाल के दिनों में संसद से जुड़ी जिन समितियों का गठन किया और जिन नेताओं को प्रमुख जिम्मेदारियां दीं, उससे ये संकेत मिलते हैं कि पत्र विवाद से जुड़े नेताओं को तवज्जो नहीं दी गई और उन्हें एक तरह से संदेश देने का प्रयास भी किया गया। हालांकि, पार्टी के एक वरिष्ठ नेता और लोकसभा सदस्य का कहना है कि कुछ लोगों को जिम्मेदारी मिलने का यह बिल्कुल मतलब नहीं है कि दूसरे लोगों की उपेक्षा की जा रही है। पार्टी की तरफ से वीरवार को लोकसभा में गौरव गोगोई को उप नेता नियुक्त किया गया तो रवनीत सिंह बिट्टू को सचेतक बनाया गया। इस तरह राज्यसभा में जयराम रमेश को मुख्य सचेतक नियुक्त करने के साथ ही दोनों सदनों में पार्टी की रणनीति तय करने के मकसद से पांच-पांच सदस्यीय समितियां भी बनाई गई हैं। राज्यसभा की पांच सदस्यीय समिति में नेता प्रतिपक्ष गुलाम नबी आजाद और उप नेता आनंद शर्मा को स्थान मिला है, हालांकि इसमें राहुल गांधी के करीबी माने जाने वाले संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल और वरिष्ठ नेता अहमद पटेल एवं रमेश को भी शामिल किया गया है लोकसभा में दो बार के सांसद गौरव गोगोई को उप नेता की जिम्मेदारी दी गई है जिसे पूर्व केंद्रीय मंत्रियों मनीष तिवारी और शशि थरूर के लिए एक संदेश के तौर पर देखा जा रहा है। कुछ दिनों पहले भी सोनिया ने केंद्र सरकार की ओर से जारी प्रमुख अध्यादेशों के संदर्भ में पार्टी का रुख तय करने के लिए जिस पांच सदस्यीय समिति का गठन किया था उसमें भी पत्र विवाद से संबंधित किसी नेता को जगह नहीं दी गई थी। उस समिति में राज्यसभा से पी चिदंबरम, रमेश और दिग्विजय सिंह थे तो लोकसभा से डॉक्टर अमर सिंह और गोगोई को शामिल किया गया। आजाद, शर्मा, तिवारी, और थरूर उन 23 नेताओं में शामिल हैं जिन्होंने कांग्रेस के संगठन में व्यापक बदलाव, सामूहिक नेतृत्व और पूर्णकालिक अध्यक्ष की मांग को लेकर हाल ही में सोनिया गांधी को पत्र लिखा था। इसको लेकर बड़ा विवाद खड़ा हुआ। इन नियुक्तियों में पत्र विवाद से जुड़े नेताओं की उपेक्षा के सवाल पर कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता और लोकसभा सदस्य ने कहा कि सोनिया जी संसदीय दल की प्रमुख हैं।

संसद से जुड़ी नियुक्तियां करना उनका अधिकार है। उन्होंने कुछ नेताओं पर भरोसा दिखाया है तो इसका यह मतलब नहीं है कि दूसरे लोगों को नजरअंदाज कर दिया गया। पार्टी नेता ने यह भी कहा कि इसे पत्र से जुड़े मामले से जोड़कर नहीं देखा जाना चाहिए क्योंकि सीडब्ल्यूसी की बैठक के बाद वह मामला खत्म हो गया।

सुशांत के पिता-बहन से मिले रामदास आठवले, बोले-एक्टर की हत्या में हो सकता है रिया का हाथ

नेशनल डेस्क।

केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले ने शुक्रवार को सुशांत सिंह राजपूत के पिता केके सिंह और बहन रानी से मुलाकात की। आठवले ने सुशांत सिंह राजपूत के परिवार से हरियाणा के फरीदाबाद में मुलाकात की, जहां उनके पिता इन दिनों रह रहे हैं। रामदास आठवले ने उनसे मुलाकात कर दिलासा दिया कि उनके साथ न्याय होगा। आठवले करीब आधे घंटे तक सुशांत के परिवार के साथ रहे और बातचीत की। वहीं परिवार से मुलाकात के बाद आठवले ने कहा कि शक है कि सुशांत की हत्या हुई है। साथ ही उन्होंने कहा कि रिया चक्रवर्ती पर सवाल उठाते हुए कहा कि सुशांत की हत्या के पीछे उसका हाथ हो सकता है। आठवले ने मीडिया से कहा कि मैंने पहले ही आशंका जताई थी सुशांत सिंह की हत्या हो सकती है क्योंकि उसको किसी तरह की कोई कमी या परेशानी नहीं थी तो वो आत्महत्या क्यों करेगा। आठवले ने कहा कि हम सुशांत के परिवार के साथ हैं। हम उनके दुख में शामिल हैं। पूरा देश उनके साथ है...। जिन लोगों ने सुशांत को खुदकुशी के लिए मजबूर किया या किसी ने हत्या उसकी की, उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सुशांत को न्याय जरूर मिलेगा, सीबीआई जांच में सब सामने आ जाएगा।

राजनाथ सिंह 10 सितंबर को राफेल को करेंगे वायुसेना में शामिल, फ्रांस रक्षा मंत्री को भी न्योता

नेशनल डेस्क। केंद्रीय रक्षामंत्री राजनाथ सिंह राफेल लड़ाकू विमानों को औपचारिक रूप से 10 सितंबर को भारतीय वायु सेना में शामिल करेंगे। इसके लिए हरियाणा के अंबाला एयरबेस पर एक समारोह का आयोजन किया गया है। इस आयोजन के लिए फ्रांस के रक्षा मंत्री फ्लोरेंस पैली को भी आमंत्रित किया जाएगा। सूत्रों के मुताबिक यह आयोजन रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के रूस से वापिसी के बाद आयोजित किया जाएगा। राजनाथ सिंह रूस में 4 से 6 सितंबर तक शंघाई सहयोग संगठन के सदस्य देशों के रक्षा मंत्रियों की बैठक में शामिल होने वाले हैं। भारत और फ्रांस के बीच रणनीतिक दोस्ती को चिह्नित करने के लिए फ्रांस के रक्षा मंत्री को इस कार्यक्रम में भाग लेने के लिए निमंत्रण भी भेजा जा रहा है। बता दें कि पांच राफेल लड़ाकू विमान 29 जुलाई को फ्रांस से भारत पहुंचे और देश में 24 घंटों के भीतर व्यापक प्रशिक्षण शुरू कर दिया था। ये फ्रांसीसी लड़ाकू विमान वायुसेना के 17 गोल्डन एरो स्क्वाड्रन का हिस्सा हैं। ये फ्रांसीसी लड़ाकू विमान वायुसेना के 17 गोल्डन एरो स्क्वाड्रन का हिस्सा हैं। लड़ाकू विमान पहले ही लद्दाख क्षेत्र में उड़ान भर चुके हैं।देश में जो पांच राफेल पहुंचे हैं उनमें तीन एक सीट वाले हैं और दो में दो सीट लगे हैं।

भाजपा सांसद महेंद्र सिंह कोरोना पॉजिटिव, अस्पताल में भर्ती

देवास। मध्य प्रदेश के देवास सांसद महेंद्र सिंह सोलंकी कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं। इस बात की जानकारी उन्होंने खुद ट्वीट के जरिए दी। साथ ही उन्होंने पिछले कुछ दिनों में उनके संपर्क में लोगों से आइसोलेट कर अपनी जांच करवाने की अपील की है। कोरोना के शुरूआती लक्षण दिखने पर मैंने टेस्ट करवाया और रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। मेरी तबीयत ठीक है मेरा अनुरोध है कि आप में से जो भी लोग गत कुछ दिनों में मेरे संपर्क में आयें हैं, कृपया स्वयं को आइसोलेट कर अपनी जाँच करवाएं। भाजपा सांसद महेंद्र सिंह सोलंकी ने ट्वीट में लिखा- कोरोना के शुरूआती लक्षण दिखने पर मैंने टेस्ट करवाया और रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। मेरी तबीयत ठीक है मेरा अनुरोध है कि आप में से जो भी लोग गत कुछ दिनों में मेरे संपर्क में आयें हैं, कृपया स्वयं को आइसोलेट कर अपनी जांच करवाएं। डॉक्टर्स की सलाह पर चिरायु अस्पताल भोपाल में भर्ती हुआ हूं। कोरोना के शुरूआती लक्षण दिखने पर मैंने टेस्ट करवाया और रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। मेरी तबीयत ठीक है मेरा अनुरोध है कि आप में से जो भी लोग गत कुछ दिनों में मेरे संपर्क में आयें हैं, कृपया स्वयं को आइसोलेट कर अपनी जांच करवाएं।

दिल्ली में यमुना का जलस्तर चेतावनी के निशान के पास पहुंचा, बाढ़ का खतरा मंडराया

नई दिल्ली।

दिल्ली में यमुना का जल स्तर शक्रवार सुबह 204.30 मीटर तक पहुंच गया, जो चेतावनी के निशान 204.50 मीटर के काफी करीब है। इससे दिल्ली में आने वाले समय मे यमुना नदी का जलस्तर और बढ़ने की आशंका है।सिंचाई और बाढ़ नियंत्रण विभाग के एक अधिकारी ने कहा, पुराने रेल पुल पर सुबह नौ बजे जलस्तर 204.30 मीटर था। बृहस्पतिवार सुबह 10 बजे यह 203.77 मीटर पर था। उन्होंने बताया कि हथिनीकुंड बैराज से मंगलवार को और पानी छोड़े जाने की वजह से जल स्तर बढ़ गया। मंगलवार शाम पांच बजे प्रवाह दर 36,557 क्यूसेक थी। पिछले तीन दिनों में यह सर्वाधिक है। अधिकारी ने बताया कि बैराज से पानी राष्ट्रीय राजधानी पहुंचने में आमतौर पर दो से तीन दिन लगते हैं। इससे ही दिल्ली को पेयजल मिलता है। हथिनीकुंड बैराज से शुक्रवार सुबह आठ बजे 11, 055 क्यूसेक की दर से पानी यमुना में छोड़ा गया। अधिकारी ने कहा, पिछले दो दिनों में प्रवाह दर 10,000 क्यूसेक से 25,000 क्यूसेक के बीच रही है, जो कि बहुत अधिक नहीं है। इसलिए, नदी के जलस्तर के नीचे आने की संभावना है। एक क्यूसेक 28.32 लीटर प्रति सेकंड के बराबर होता है। नदी का जलस्तर सोमवार को 204.38 मीटर था, जो कि खतरे के निशान 205.33 मीटर से नीचे है। सामान्य तौर पर हथिनीकुंड बैराज में प्रवाह दर 352 क्यूसेक होती है लेकिन जलग्रहण क्षेत्रों में भारी बारिश के बाद पानी छोडने की मात्रा बढ़ा दी जाती है।

गत वर्ष 18-19 अगस्त को प्रवाह दर 8.28 लाख क्यूसेक तक पहुंच गई थी और यमुना नदी का जलस्तर 206.60 मीटर पर पहुंच गया था, जो खतरे के निशान 205.33 से ऊपर है।निचले इलाकों में पानी भरने के बाद दिल्ली सरकार ने बचाव और राहत अभियान शुरू किया था। वहीं 1978 में यह नदी अब तक के रिकॉर्ड जलस्तर 207.49 तक पहुंच गई थी।

भारत की वो खतरनाक राजकुमारी जिसकी जासूसी से हिटलर भी खाता था खौफ

नेशनल डेस्क।

ब्रिटेन की द्वितीय विश्व युद्ध की जासूस, नूर इनायत खान शुक्रवार को भारतीय मूल की पहली महिला बनीं जिन्हें मध्य लंदन में उनके पूर्व पारिवारिक घर में स्मारक 'ब्लू प्लाक से सम्मानित किया जाएगा। भारतीय मूल की नूर इनायत खूबसूरत होने के साथ साथ जांबाज जासूस भी थी। आलम ये था कि उनके नाम से दुनिया का सबसे बड़ा तानाशाह हिटलर भी खौफ खाता था। नूर, भारतीय सूफी संत हजरत इनायत खान की बेटी एवं 18वीं सदी के मैसूर के शासक टीपू सुल्तान की वंशज थीं जिनकी 1944 में दचाउ यातना शिविर में हत्या कर दी गई थी और उन्होंने कैद करने वालों को किसी भी तरह की जानकारी नहीं दी थी यहां तक कि अपना असली नाम भी नहीं बताया था। इतिहासकार एवं 'स्पाइ प्रिंसेस द लाइफ ऑफ नूर इनायत खान की लेखिका श्रावनी बसु ने कहा, जब नूर इनायत खान अपने अंतिम मिशन पर अपना घर छोड़कर रवाना हुईं थीं, तो उन्होंने सपने में भी नहीं सोचा होगा कि एक दिन वह बहादुरी का प्रतीक बन जाएंगी। बसु ने कहा कि वह एक असाधारण जासूस थीं।

सूफी होने की वजह से वह अहिंसा एवं धार्मिक सौहार्द में यकीन करती थीं। बसु ने एक छोटे से समारोह में इस स्मारक पट्टिका का औपचारिक रूप से अनावरण किया जिसका प्रसारण सोशल मीडिया पर किया जाएगा। उन्होंने कहा, यह उचित होगा कि भारतीय मूल की पहली महिला नूर को ब्लू प्लाक के साथ याद रखा जाएगा।

साम्बा : कोरोना के बढ़ते मामलों से प्रशासन चिंतत, 5 दिन का लॉकडाउन लगायाा

साम्बा ।

साम्बा जिले में कोरोना के बढ़ते मामलों ने प्रशासन के माथे पर चिंता की लकीरें खींच दी है। लगातार बढ़ रहे कोरोना के मामलों को देखते हुए जिला प्रशासन ने वीरवार को 5 दिन का लॉकडाउन घोषित कर दिया। जिला मेजिस्ट्रेट रोहित खजूरिया ने आज आदेश जारी कर कहा कि पूरे साम्बा जिले में शुक्रवार, 28 अगस्त से 1 सितंबर मध्य रात्रि तक लॉकडाउन घोषित कर दिया गया है। लॉकडाउन के दौरान डॉक्टरों के क्लिनिक, लैब्स, केमिस्ट शॉप्स आदि सुबह 9 से शाम 8 बजे तक खुली रहेंगी और इसके अलावा राशन, दूध-बेकरी, फल-सब्जियों आदि की दुकानें सुबह 7 से दोपहर 12 बजे तक खुलेंगी। वहीं वीरवार को भी साम्बा जिले में कोरोना के 11 नए मामले सामने आए जिससे आंकड़ा बढ़ कर 682 हो गया। एक ही परिवार के 5 लोग कोरोना संक्रमित आने पर साम्बा की वार्ड-10 बनी हॉट स्पॉट साम्बा के वार्ड-10 में एक ही परिवार के 5 लोग पाजिटिव पाए जाने के बाद जिला प्रशासन ने इलाके को कंटेनमेंट जोन (हॉटस्पॉट) घोषित कर दिया है। यह वार्ड साम्बा नगर परिषद के चेयरमैन की अपनी वार्ड है। अराजी साम्बा नामक इस इलाके में गत दिवस एक सरकारी शिक्षक कोरोना से संक्रमित पाया गया था। कोरोना के लक्षण उभरने के बाद इसका सेंपल लिया गया था। बाद में इसके परिजनों की भी सेंपड्क्षलग की गई जिसमें इसकी पत्नी, माँ और 2 बेटियाँ पाजिटिव पाई गई। इसके अलावा साम्बा के ही वार्ड-3 में एक फिजिकल एजुकेशन टीचर का बेटा भी पजिटिव पाया गया है।

सुशांत केस में 2 अहम सवाल जिनका जवाब मिलते ही सीबीआई के सामने आ जाएगा पूरा सच, सुसाइड हुआ था या मर्डर

मुंबई।

सुशांत सिंह राजपूत केस में जांच में जुटी सीबीआई की एसआईटी रोज नए नए खुलासे कर रही है। वहीं इस केस में दो सवाल ऐसे हैं जिनका जवाब मिलते ही एसआईटी का काम आसान हो सकता है। आप यह भी कह सकते हैं कि सीबीआई फिर इस केस को हल करने के करीब भी पहुंच जाएगी। आईए जानते हैं आखिर कौन से हैं वो दो सवाल जिनके अभी तक सीबीआई को जवाब नहीं मिला है। पहला सवाल यह है कि आखिर 14 जून को मौका-ए-वारदात पर सुशांत को सबसे पहले किसने फंदे पर लटके हुआ देखा था। सुंशात के शव के पास चार लोग मौजूद थे. जिसमें तीन सुशांत के मुलाजिम थे और एक उसका दोस्त।वो चारों इस मामले के चश्मदीद भी है। इन चारों लोगों से मुंबई पुलिस और बिहार पुलिस ने भी पूछताछ की थी। सीबीआई भी उनसे लगातार पूछताछ कर रही है। उन चारों में दो नाम ऐसे हैं जिनके बयान आपस में मेल नहीं खा रहे हैं। वो है सुशांत का कुक नीरज और सुशांत का दोस्त सिद्धाथ नीरज। अब सीबीआई के सामने सबसे अहम सवाल ये है कि जब वहां चार लोग मौजूद थे, तो आखिर सुशांत को सबसे पहले किसने फांसी के फंदे पर लटकते हुए देखा था? इस मामले दूसरा अहम सवाल यह है कि 14 जून को मौका-ए-वारदात मौजूद चार लोगों में से वो कौन शख्स था, जिसने इस बात की पुष्टि की थी कि सुशांत की मौत हो चुकी है। इस पूरे मामले में सुशांत का दोस्त सिद्धार्थ पिठानी अहम गवाह साबित हो सकता है। सिद्धार्थ उस घर में सुशांत के साथ ही रहता था। सीबीआई को मिली जानकारी के मुताबिक इसी शख्स ने नीरज और दूसरे दो नौकरों की मौजूदगी में सुशांत की लाश को फंदे से नीचे उतारा था। मुंबई पुलिस ने सिद्धार्थ से पूछताछ की थी। अब वो सीबीआई के निशाने पर है। सीबीआई सिद्धार्थ से भी लगातार पूछताछ में जुटी हुई है। इससे पहले सीबीआई की पूछताछ में सिद्धार्थ पिठानी ने कबूल किया है कि 8 जून को रिया और सुशांत के बीच झगड़ा हुआ था। 8 जून को ही आईटी प्रोफेशनल्स ने आकर 8 ड्राइव का डाटा नष्ट किया था। पिठानी ने बताया कि रिया ने घर छोड़ने से पहले डाटा नष्ट किया था। 8 जून को सुशांत के घर पर 8 ड्राइव नष्ट किए गए थे। आईटी प्रोफेशनल ने आकर डाटा नष्ट किया था। पिठानी ने बताया कि सुशांत सिंह राजपूत की मौजूदगी में यह ड्राइव नष्ट किए थे। आपको बता दें कि सीबीआई पिछले कुछ दिनों से लगातार सुशांत सिंह केस में कई लोगों से पूछताछ कर चुकी है कि सुशांत ने आत्महत्या की थी कि उनका मर्डर हुआ था। सीबीआई ने अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मौत के मामले में उनके साथ फ्लैट में रहने वाले उनके दोस्त सिद्धार्थ पिठानी से बुधवार को लगातार छठे दिन पूछताछ जारी है। अधिकारी ने बताया कि सांताक्रूज में कलिना स्थित डीआरडीओ गेस्ट हाउस में पिछले छह घंटे से पिठानी से पूछताछ चल रही है। इसी गेस्ट हाउस में सीबीआई का दल ठहरा हुआ है। सुशांत 14 जून को बांद्रा स्थिति मांट ब्लैंक अपार्टमेंट में अपने फ्लैट में मृत मिले थे। उस समय उनके फ्लैट में पिठानी, रसोइया नीरज सिंह और घरेलू सहायक दीपेश सावंत मौजूद थे। अधिकारी ने बताया कि इस बीच बांद्रा पुलिस का एक दल डीआरडीओ गेस्ट हाउस पहुंचा और करीब एक घंटे बाद वहां से निकला। वहीं सीबीआई के एक और दल ने सरकारी कूपर अस्पताल का दौरा किया।

अनलॉक-4: मेट्रो भी कस रही कमर, जल्दी ही दौड़ेगी

नई दिल्ली । अनलॉक-4 में मेट्रो चलाने का ऐलान हो इससे पहले ही दिल्ली मेट्रो ने अपनी तैयारियां लगभग पूरी कर ली हैं। सभी 10 लाइन पर कुल 671 निकास-प्रवेश द्वार में से मात्र 241 ही यात्रियों की आवाजाही होगी। इसके साथ ही प्रत्येक लाइन के लिए विशेष नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। जिसके ऊपर स्टेशन की जिम्मेदारी होगी और वह पूरी तरह फैसले ले सकेगा। हालांकि ये प्रबंध फिलहाल अस्थायी होंगे। सभी अनुभव को देखते हुए आगे के फैसले लिए जाएंगे। अंतिम एसओपी मेट्रो शुरू करने की तारीख के बाद जारी की जाएगी, जिसमें विस्तृत नियमों को शामिल किया जाएगा। मेट्रो ने असिस्टेंट मैनेजरों, मैनेजरों, सीनियर सुपरवाइजर, ऑपरेशन एवं मैनेजमेंट के साथ-साथ प्रोजेक्ट डिपार्टमेंट के कर्मियों को स्टेशन पर तैनात किया है। कोरोना संक्रमण फैलने से बचाने के लिए ये लोग फिलहाल दो सप्ताह तक अपनी इस स्पेशल ड्यूटी के लिए विशेष तौर पर तैनात रहेंगे। यहां तक कि सभी संबंधित अधिकारियों, स्टाफ को निर्देश भी पहुंचा दिए गए हैं कि वे अपने दिए गए स्टेशन पर ड्यूटी संभालेंगे। ये प्रबंधक अपने स्टेशन की व्यवस्था, प्रबंधन के लिए पूरी तरह से जिम्मेदार होंगे और फैसले लेने के लिए स्वतंत्र होंगे। यह प्रबंधक स्टेशन में कहीं भी जा सकेंगे और यात्रियों की आवाजाही सहित सभी कार्यकलापों पर नजर रखेंगे। तय किया गया है कि सीआईएसएफ स्टाफ थर्मल स्क्रीनिंग करेंगे, सेनेटाइजर सभी जगह होगा वहीं शारीरिक दूरी, मास्क का पालन स्टाफ व यात्रियों को पूरी तरह से करना होगा। लिफ्ट में तीन लोगों से ज्यादा नहीं हो सकते और सीढ़ियों पर भी दूरी रखनी होगी। प्रत्येक लाइन के लिए एक अधिकारी को नोडल अधिकारी भी बनाया गया है। ये नोडल अधिकारी स्टेशन को बंद करने का फैसला भी ले सकेंगे। स्पेशल ड्यूटी टाइमिंग सुबह 7.30 बजे से रात 8.30 बजे तक होंगी और संभव है कि इसी अवधि में ही मेट्रो चलाई जाए।

संक्षिप्त समाचार

प्रणब मुखर्जी की सेहत में कोई सुधार नहीं, अब भी गहरे कोमा में...पर हिमोडायनामिकल्ली स्थिर

नेशनल डेस्क। पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी अब भी गहरे कोमा में हैं लकिन वह 'हिमोडायनामिकल्ली स्थिर हैं। सेना के रिसर्च एंड रेफरल अस्पताल ने यह जानकारी दी। डॉक्टरों ने बताया कि 'हिमोडायनामिकल्ली स्थिर होने से तात्पर्य है कि रक्त परिसंचरण मापदंड - रक्तचाप, हृदय और नाड़ी की दर गति स्थिर है। मुखर्जी (84) का इलाज कर रहे डॉक्टरों ने बताया कि उनकी गहन देखभाल की जा रही है और उनके फेफड़ों में संक्रमण तथा गुर्दों की समस्या का इलाज भी जारी है। पूर्व राष्ट्रपति को 10 अगस्त को यहां अस्पताल में भर्ती कराया गया था और उनकी मस्तिष्क की सर्जरी की गई थी। उनके कोरोना वायरस से संक्रमित होने की पुष्टि भी हुई थी। बाद में उनके फेफड़ों में भी संक्रमण हो गया था। अस्पताल ने एक बयान में कहा गया कि प्रणब मुखर्जी की गहन देखभाल की जा रही है और उनके फेफड़ों में संक्रमण तथा गुर्दों की समस्या का इलाज भी जारी है। वह अब भी गहरे कोमा में हैं और वेंलटीलेटर पर ही हैं। वह 'हिमोडायनामिकल्ली स्थिर हैं। मुखर्जी भारत के 13वें राष्ट्रपति थे और 2012 से 2017 तक राष्ट्रपति पद पर रहे।

कोरोना से जिंदगी की जंग हारा एक और डॉक्टर, पूर्व सीएमएचऔ वी एस वाजपेयी का निधन

छतरपुर। कोरोना संक्रमित छतरपुर जिले के पूर्व मुख्य चिकित्सा स्वस्थ्य अधिकारी एवं मेडिकल विशेषज्ञ वी एस वाजपेयी की मौत हो गई। उनका इलाज भोपाल के चिरायु अस्पताल में चल रहा था। जहां देर रात उनकी तबीयत ज्यादा बिगड़ गई और देर रात डॉक्टर्स ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। जानकारी के अनुसार, 27 अगस्त को डॉ वाजपेयी की रिपोर्ट कोरोना पॉजिटिव आई थी। जिसके बाद इलाज के लिए उन्हें सागर मेडिकल हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। तबीयत बिगड़ने पर उन्हें बेहतर इलाज के लिए भोपाल के चिरायु अस्पताल भर्ती कराया गया था। जहां इलाज के दौरान उनका निधन हो गया।

गोलियों से छलनी मिला शोपियां के लापता पंच का शव

श्रीनगर। कश्मीर में पंचायती नुमाइदों पर आतंकियों का कहर जारी है। शोपियां के डनगाम से गोलियों से छलनी एक शव बरामद हुआ। शव की पहचान पंच निसार अहमद बट के तौर पर हुई है। पंच पंपोर के खोनमोह का निवासी था और लापता हो गया था। इससे पहले एक वीडियो क्लिप भी वायरल हुआ था। यह आडियो आतंकियों का था जिसमें वो दावा कर रहे थे कि उन्होंने खोनमोह के पंच की हत्या कर दी है। पंच 19 अगस्त से लापता था। आतंकियों ने अपने आडियों में कहा था कि वो शव को वापस नहीं करेंगे और अब किसी का इस्तीफा भी मंजूर नहीं करेंगे। पंच निसार का अपहरण तब हुआ था जब वो 19 अगस्त को पंपोर से शोपियां जा रहे थे। उनके भाई नेकहा कि उन्होंने इस संदर्भ में पुलिस को रिपोर्ट भी दर्ज करवाई थी। बट को आखिरी बार 19 अगस्त को फोन किया गया था और उसके बाद उन्होंने परिवार का फोन नहीं उठाया। उनका शव आज एक बाग से बरामद किया गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। इससे पहले कश्मीर में सरपंचों और पंचों परहमले हुये हैं। हाल ही में सरपंच अजय पंडिता को मार दिया गया था।

दिल्ली: फ्लाईओवर से नीचे गिरी तेज रफ्तार कार, 2 लोग बुरी तरह से घायल

नेशनल डेस्क। पश्चिमी दिल्ली के विकासपुरी इलाके में एक कार के फ्लाईओवर से गिरने पर उसमें सवार दो लोग घायल हो गए। पुलिस ने शुक्र्वार को यह जानकारी दी। पुलिस उपायुक्त (पश्चिम) दीपक पुरोहित ने बताया कि घायलों में से एक को दीन दयाल उपाध्याय अस्पताल में भर्ती कराया गया जबकि अन्य को निजी अस्पताल ले जाया गया। पुलिस ने कहा कि विकासपुरी पुलिस थाने में भारतीय दंड संहिता (भादंस) की धारा 279 (लापरवाही से गाड़ी चलाना) और धारा 337 (दूसरों के जीवन या निजी सुरक्षा को खतरे में डालने वाला काम करना) के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है।

देश में कोरोना ब्लॉस्ट, एक दिन में आए 77 हजार से ज्यादा केस, मरीजों की संख्या 33.87 लाख पार

नेशनल डेस्क। देश में कोरोना महामारी की लगातार विकराल होती स्थिति के बीच पिछले 24 घंटों के दौरान संक्रमण के सर्वाधिक 77 हजार से अधिक नए मामले सामने आए हालांकि राहत की बात यह रही कि इस दौरान 60 हजार से अधिक मरीज संक्रमणमुक्त भी हुए। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से शुक्रवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक पिछले 24 घंटों में कोरोना संक्रमण के रिकॉर्ड 77,266 नए मामलों के साथ संक्रमितों का आंकड़ा 33,87,501 हो गया। इस दौरान 60,177 मरीज स्वस्थ हुए हैं जिससे कोरोना से मुक्ति पाने वालों की संख्या 25,83,948 हो गई है। स्वस्थ होने वालों की तुलना में संक्रमण के नए मामले अधिक होने से सक्रिय मामले 16,032 बढ़कर 7,42,023 हो गए हैं। देश के केवल 11 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में इस दौरान मरीजों की संख्या कम हुई है तथा इस अवधि में 1,057 लोगों की मौत होने से मृतकों की संख्या 61,529 हो गई। देश में सक्रिय मामले 21.90 प्रतिशत और रोगमुक्त होने वालों की दर 76.28 प्रतिशत है जबकि मृतकों की दर 1.82 प्रतिशत है। कोरोना से सबसे गंभीर रूप से प्रभावित महाराष्ट्र में सक्रिय मामलों की संख्या 5,366 बढ़कर 1,78,561 हो गई तथा 355 लोगों की मौत होने से मृतकों का आंकड़ा 23,444 हो गया। इस दौरान 9,136 लोग संक्रमणमुक्त हुए ।

नवजात बच्ची की मौत–प्रसूता गंभीर पति समेत 4 पे आरोप

क्रांति समय संवाददाता

ऊंचाहार।विवाहिता के जन्मी नवजात बच्ची के मौत के बाद प्रसूता के पिता ने प्रसूता के पति समेत ससुराल पक्ष पर गंभीर आरोप लगाया है।जिसमे आरोपितो के खिलाफ तहरीर कोतवाली मे नामजदगी दिया है।

बताते चले कि ऊंचाहार

कोतवाली के गांव मिर्जापुऐहारी निवासी अशोक कुमार पुत्र शीतलाप्रसाद ने कोतवाली मे तहरीर शुक्रवार के दिन दिया है कि पीड़ित की पुत्री की शादी 18–02–2017 को हिन्दू

रीतिरिवाज के तहत सोमेश कुमार गोस्वामी पुत्र केशव गोस्वामी निवासी मकान नंबर 107ख;सिद्धार्थनगर;गौरीबाजार;सरोजनी नगर लखनऊ के साथ हुई थी।

शादी के बाद से प्रार्थी के पुत्री के पति सोमेश ;सास सत्यभामा उर्फ गुड़िया;ससुर केशव गोस्वामी;देवर योगेश निवासीगण उपरोक्त द्वारा दहेज में चारपहिया मे कार की मांग;सोने की जंजीर व 5 लाख रूपए की मांग करता था

जिसकी मांग पूरा न होने पर मारपीट करके प्रताड़ित करने के साथ साथ करंट लगाकर मार डालने की धमकी देते हुए ।

प्रार्थी की पुत्री को दिनांक 16–08–2020 को घर से भगा दिया जिसके बाद प्रार्थी की पुत्री अपने घर पहुंची और आप बीती बताई प्रार्थी की पुत्री 5 माह की गर्भवती भी थी।

जिसके बाद प्रार्थी के पुत्री का पति सोमेश कुमार दिनांक 24–08–2020 को गांव मिर्जापुरऐहारी आया और यहां पर प्रार्थी की गर्भवती पुत्री को मारपीट करके उसके मासूम पुत्र युग कुमार 1वर्ष का अपहरण करके फरार हो गया।

जिसके बाद 112नंबर पर पीड़ित ने सूचना दिया।

प्रार्थी की गर्भवती पुत्री की हालत गंभीर होने पर उसको दिनांक 27–08–2020 को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र ऊंचाहार मे भर्ती किया गया जहां पर आरोपित पति की पिटाई के कारण ही 5माह का गर्भ गिर गया और जन्मी नवजात बच्ची की मौत हो गई जबकि प्रार्थी की पुत्री को सीएचसी मे भर्ती किया गया।

जिसमे पीड़ित ने कोतवाली मे नामजदगी तहरीर देकर आरोपितो के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की मांग किया है।

उधर कोतवाली निरीक्षक ने बताया कि तहरीर मिली है जिसकी जांच करके वैधानिक कार्यवाही किया जा रहा है।

उत्तरप्रदेश में मिले कोरोना वायरस के 5,447 नए मरीज

लखनऊ (एजेसी)। उत्तरप्रदेश में शुक्रवार को 24 घंटे के दौरान कोरोना वायरस के 5,447 नए मरीज मिले जिससे कोरोना संक्रमण के कुल मामलों की संख्या बढ़कर 2,13,824 हो गई है।

इस अवधि में 77 और लोगों की मौत के साथ मृतकों की संख्या बढ़कर 3,294 हो गई है।

प्रदेश में वर्तमान में 52,651 उपचाराधीन मामले हैं।

स्वस्थ्य विभाग के अनुसार प्रदेश में अब तक 1,57,879 लोग पूरी तरह ठीक होकर अस्पतालों से छुट्टी पा चुके हैं। प्रदेश में इस महामारी से अब तक 3,294 लोगों की मौत हुई है और संक्रमण के कुल मामलों की संख्या बढ़कर 2,13,824 हो गई है।

उन्होंने बताया कि अब तक कोरोना वायरस संक्रमण की जद में आए लोगों में शून्य से 20 वर्ष तक की आयु के 14.15 प्रतिशत, 21 से 40 वर्ष तक की आयु के 48.85 प्रतिशत, 41 से 60 वर्ष तक की आयु के 28.43 प्रतिशत और 60 वर्ष से अधिक आयु के 8.57 प्रतिशत लोग संक्रमित हुए हैं। प्रदेश में अब तक कुल 52,02,557 नमूनों की जांच हो चुकी है।

मृतकों की संख्या 3294 हुई

उत्तर प्रदेश में बीते 24 घंटे के दौरान कोविड–19 के 5447 नये प्रकरण सामने आये जबकि 77 और मौतों के साथ मृतकों का आंकडा शुक्रवार को 3294 हो गया। प्रदेश में दो लाख 13 हजार 824 मामले कोरोना संक्रमण के हैं।

अपर मुख्य सचिव, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अमित मोहन प्रसाद ने बताया कि प्रदेश में पिछले 24 घंटे के दौरान कोरोना संक्रमण के 5447 नये मामले सामने आये जबकि 52 हजार 651 लोग विभिन्न अस्पतालों में इलाज करा रहे हैं।

डीएम ने घंटाघर स्थित बन रही मानक के विपरीत बहुमंजिला व्यवसायिक इमारत को सील करने के दिये निर्देश

क्रांति समय संवाददाता

रायबरेली जिलाधिकारी वैभव श्रीवास्तव ने शहर में घंटाघर स्थित एक व्यवसायिक की मानक के विपरीत बन रही बहुमंजिला व्यवसायिक इमारत सील करने के निर्देश विकास प्राधिकरण के सचिव को दिये। उन्होंने भू स्वामित की तमाम शिकायतों को लेकर घंटाघर, गोल चैराहा के निकट कई भवनों जो मानक के विपरीत बनाये गये थें।

प्राप्त शिकायतों के अनुसार निरीक्षण किया तथा विकास प्राधिकरण अधिकारी से

डीएम ने शहर में मानक के विपरीत बन रहे व्यवसायिक भवनों व इमारतों किया निरीक्षण

जहां–जहां निमार्ण कराया जा रहा है नक्शे आदि की फाईल उपलब्ध कराने के निर्देश दिये। इसके अलावा जिलाधिकारी ने भवनों में पार्किंग, नक्शा, स्टांप की लागत के बारे में भी जानकारी प्राप्त की।

डीएम शहर में बन रहे भवन व इमारतों का निरीक्षण करते हुए

कानपुर महानगर कॉग्रेस कमेटी के नेतृत्व में कॉग्रेस जनों द्वारा JEE&NEET की परीक्षाओं को रद्द करने की मांग को लेकर जोरदार प्रदर्शन किया।

संजय मौर्य,उत्तर प्रदेश ब्यूरो

महानगर कॉग्रेस कमेटी के अध्यक्ष श्री हर प्रकाश अग्निहोत्री के नेतृत्व में कॉग्रेस जनों द्वारा *JEE&NEET* की परीक्षाओं को रद्द करने की मांग को लेकर बड़ा चौराहा स्थित हेड पोस्ट आफिस गेट पर जोरदार प्रदर्शन किया।

पहले कॉग्रेस ज़न बड़ी संख्या में तिलक हाल में इकट्ठा हुए. फिर वहां से हांथों में तिरंगे झंडे व JEE&NEET परीक्षा के विरोध में लिखी तख्तियां लिये सड़क पर आ गये. तख्तियों में *JEE&NEET* की जबरन परीक्षा रद्द करो, छात्रों के साथ जुल्म ज्यादती बंद करो,

अभिभावकों के साथ न्याय करो और नरेंद्र मोदी शर्म करो आदि लिखा हुआ था.

इस अवसर पर अध्यक्ष हर प्रकाश अग्निहोत्री ने कहा कि

अभिभावकों की बड़ी संख्या में मांग के बावजूद केंद्र की भाजपा सरकार जबरन JEE&NEET की परीक्षा कराने पर अमादा है. सरकार के इस निर्णय से छात्र एवं अभिभावकों के मन में भय व्याप्त है।

उन्होंने कहा कि महामारी के इस दौर में जबकि यातायात व होटल आदि की व्यवस्था सुचारु रूप से उपलब्ध नहीं हो पा रही है.

छात्रों को परीक्षा देने में मानसिक तनाव का सामना करना पड़ रहा है. ऐसी स्थिति में परीक्षा देना सम्भव नहीं है।

वहीं पूर्व सांसद श्री राजाराम पाल ने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार अपनी मनमर्जी करने पर अमादा है.

भय और दहशत के बीच जबरन परीक्षा करा कर छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ कर रही है, जो छात्रों और अभिभावकों के साथ अन्याय है.

इस अवसर पर जिलाधिकारी नगर के माध्यम से राष्ट्रपति के नाम संबोधित ज्ञापन दिया गया।

प्रदर्शन में प्रमुख रूप से शंकर दत्त मिश्रा, इकबाल अहमद, अशोक धानविक, निजामुद्दीन खां, कृपेश त्रिपाठी, कमल जायसवाल, ग्रीन बाबु सोनकर, कमल शुक्ला बेबी, अमन सिंह गम्भीर, नौशाद आलम मंसूरी, गुलाब कोरी, राजीव द्विवेदी,त्रिलोकी त्रिवेदी, सैमुअल लकी सिंह, लल्लन बाजपेयी, श्याम देव सिंह, ईखलाख अहमद डेविड, सुबोध बाजपेयी, तूफैल अहमद खां, डॉ आर के जगत, मोहित दीक्षित, संगीत तिवारी सुरेश शाक्य, मनोज तिवारी, राम नारायण जैस, क़ासिफ बट्टटू, सतीश दीक्षित, रफत जमाल, शबनम आदिल, क्षत्रीय आजाद, रवि तिवारी, सुजीत यादव जय शंकर द्विवेदी, मनु पांडे, रफीक भाई मुन्ना, विजय द्विवेदी बाबा,

मुन्ने खां, मेवा लाल कठेरिया, विकास सोनकर, महेंद्र सिंह, निर्मल गुप्ता, नरेंद्र चंचल, राजू कश्यप, संतोष गुप्ता, सोनू सिंह, समीर द्विवेदी, आकाश अवस्थी, एजाज रशीद, चंद्र मनी मिश्रा, पुष्पा सैनी, संदीप चौधरी, दीपक सैनी, अमित मिश्रा, मूल चंद्र पाल आदि शामिल थे।

सरकार डराने के कोशिस न करे, सम्पूर्ण समायोजन का आदेश जारी करे – वीरेन्द्र कुमार

संजय मौर्य,उत्तरप्रदेश ब्यूरो

कानपुर राजस्व संग्रह सीजनल अमीन कर्मचारी सेवक वेलफेयर एसोसिएशन के आन्दोलन पर सरकार ने रोक लगा दी है ।

सीजनल अमीन व अनुसेवको का सम्पूर्ण समायोजन, नियमावली संशोधन, आयु सीमा शिथिलता की मांग को लेकर संगठन के प्रदेश अध्यक्ष वीरेन्द्र कुमार व प्रदेश महामंत्री दीपक भारद्वाज के नेत्रत्व में प्रदेश के सीजनल अमीन व अनुसेवक लम्बे समय से आन्दोलन कर रहे है।

सीजनल अमीन व अनुसेवक अपनी नौकरी के लिए जेल जाने को तैयार

अब तक धरना, प्रदर्शन, अनशन, देहदान,नेत्रदान, जल सत्याग्रह व जल समाधी का भी प्रयास कर चुके हैंद्य राष्ट्रपति से इच्छा मृत्यु की मांग भी कर चुके हैं द्य शासन के निर्देश पर कानपुर नगर के ए डी एम वित्त श्री वीरेन्द्र पाण्डेय ने आज पत्र के माध्यम से वीरेन्द्र कुमार को किसी प्रकार के आन्दोलन पर रोक लगा दी है।

प्रदेश अध्यक्ष वीरेन्द्र कुमार ने कहा की हम अपनी मांग को पुरा करने के लिए जेल भी जाने को तैयार है।

सरकार का दमनात्मक रवैया हम बरदास्त नहीं करेगे अगर समय रहते मुख्यमंत्री जी से बार्ता का समय नहीं मिलता है तो कडे आन्दोलन के लिए संघ सदस्यों की सहमति से विचार किया जाएगा ।

प्रदेश महामंत्री दीपक भारद्वाज ने कहा की सरकार प्रदेश के सीजनल अमीनो व अनुसेवको का सम्पूर्ण समायोजन कर दे तो आन्दोलन की जरूरत नहीं पडेगीं।

सरकार हमें डराने की कोशिश न करे । इस सम्बन्ध में एक बैठक शास्त्री नगर सेन्ट्रल पार्क में आयोजित हुयी जिसमें प्रदेश अध्यक्ष वीरेन्द्र कुमार, मनोज तिवारी, सत्येन्द्र सिह

आदि शामिल थें।

राष्ट्रीय अल्पसंख्यक वित्त एवं विकास निगम, दिल्ली द्वारा संचालित विरासत योजना अंतर्गत ऋण वितरण

क्रांति समय संवाददाता

अमेठी जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी पंकज सिंह ने बताया कि जनपद के समस्त हैंडलूम एवं हैंडीक्राफ्ट कार्यों में लगे अल्पसंख्यक वर्ग के समस्त व्यक्तियों हेतु राष्ट्रीय अल्पसंख्यक वित्त एवं विकास निगम, दिल्ली द्वारा संचालित विरासत योजना अंतर्गत ऋण वितरण मेले हेतु आर्टिजन चिन्हित किया जाना है।

उन्होंने बताया कि चिन्हित आर्टिजन को वर्किंग एवं फिक्ड कैपिटल के रूप में रु 10 लाख तक का ऋण दिया जाएग।

उन्होंने बताया कि आर्टिजन उत्तर प्रदेश का मूल निवासी हो, आर्टिजन की पारिवारिक आय ग्रामीण क्षेत्र हेतु रुपए 98000/– एवं शहरी क्षेत्र हेतु रुपए 120000/– से अधिक न हो, पुरुष आर्टिजन हेतु 5: एवं महिला आर्टिजन हेतु 4: ब्याज की दर पर ऋण प्रदान किया जाएगा, ऐसे आर्टिजन जिन्होंने अल्पसंख्यक कल्याण मंत्रालय भारत सरकार की उस्ताद योजना अंतर्गत राष्ट्रीय अल्पसंख्यक वित्त एवं विकास निगम, दिल्ली द्वारा आयोजित हुनर हाट प्रदर्शनी में भाग लिया हो को वरीयता प्रदान की जाएगी।

उन्होंने बताया कि ऋण हेतु इच्छुक आर्टिजनो को दिनांक 10 सितंबर, 2020 तक कार्यालय जिला अल्पसंख्यक कल्याण

अधिकारी विकास, भवन, कक्ष संख्या 10 भूतल, गौरीगज, अमेठी में आर्टिजन प्रमाण, आधार कार्ड एवं पैन कार्ड के साथ उपस्थित होकर आवेदन कर सकते हैं,

साथ ही अधिक जानकारी हेतु वेबसाइट www.minorityaffairs.gov.in का अवलोकन भी कर सकते हैं।

जिलाधिकारी ने कोविड–19 इन्टीग्रेटेड कमाण्ड एण्ड कन्ट्रोल सेन्टर के अधिकारियों के साथ बैठक कर दिये आवश्यक दिशा निर्देश।

क्रांति समय संवाददाता

अमेठी जिलाधिकारी अरुण कुमार ने गुरुवार रात्रि 09:00 बजे सीएमओ कार्यालय में संचालित कोविड–19 इन्टीग्रेटेड कमाण्ड एण्ड कन्ट्रोल सेन्टर के अधिकारियों के साथ बैठक की और निर्देशित करते हुये कहा कि कोविड–19 पॉजिटिव पाए रोगियों के स्वास्थ्य एवं उपचार के सम्बन्ध में प्रतिदिन कोविड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर द्वारा फीडबैक प्राप्त किया जाये, होम आइसोलेसन में रखे गए कोविड संक्रमित रोगियों की देख–रेख हेतु ब्लाक स्तर पर कार्यरत आरआरटी टीम द्वारा व्यक्ति के घर जाकर सत्यापन किया जाये एंव व्यक्ति के एंड्रॉयड फोन में आरोग्य सेतु ऐप तथा होम आइसोलेशन ऐप डाउनलोड कराया जाये है। उन्होने अधिकारियों को निर्देशित किया कि आरआरटी टीम द्वारा होम आइसोलेशन में रखे गये मरीजों को कोरोना संक्रमण से बचाव हेतु आवश्यक जानकारी एवं औषधियां प्रदान की जाती है कि नही के सम्बन्ध में होम आइसोलेशन में रखे गए रोगियों से प्रतिदिन इंटीग्रेटेड कमांड एण्ड कंट्रोल सेंटर द्वारा जानकारी प्रतिदिन प्राप्त की जाए। उन्होंने कहा कि 60 साल से ऊपर के व्यक्तियों को होम आइसोलेट की परमिशन न दी जाए उन्हें हॉस्पिटल में एडमिट कराया जाए। इसके साथ ही सभी उप जिलाधिकारी अपने–अपने क्षेत्रों में स्थापित जोनल कंट्रोल रूम का निरंतर निरीक्षण कर कोविड–19 को लेकर किए जा रहे कार्यों की समीक्षा करें। उन्होंने कहा कि ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों के व्यक्तियों का सर्वे कराने हेतु 593 सर्विलांस टीम गठित की गई हैं जिनके द्वारा डोर टू डोर जाकर व्यक्तियों का सर्वे कराते हुए अधिक से अधिक सैंपलिंग कराने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुये कहा कि जनपद में कोरोना वायरस के संक्रमण से बचाव हेतु सोशल डिस्टेसिंग का अनुपालन, कॉन्टैक्ट ट्रेसिंग, टेस्टिंग एवं व्यक्ति में संक्रमण पाये जाने पर तत्काल उपचार की व्यवस्था जनपद में स्थापित कोविड कमाण्ड एण्ड कन्ट्रोल सेन्टर से उपलब्ध करायी जाये। जनपद में जिन भी व्यक्तियों को सर्दी, खांसी, जुखाम या सांस लेने में तकलीफ आदि के लक्षण पाये जाये तो वह जनपद में स्थापित कोविड कमांड एण्ड कन्ट्रोल सेन्टर के 05368–244499, 244011 पर सम्पर्क करके सूचना दे सकते है जिससे समय रहते उनकी जांच कर समुचित ईलाज किया जा सके। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी डॉ अंकुर लाठर, अपर जिलाधिकारी न्यायिक/नोडल अधिकारी सुधीर रुंगटा, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ आरएम श्रीवास्तव, समस्त उपजिलाधिकारी सहित अन्य संबंधित मौजूद रहे है

60 साल से ऊपर के व्यक्तियों को होम आइसोलेट की न दें परमिशन......डीएम।

सर्विलांस टीमों के द्वारा डोर–टू–डोर सर्वे कराते हुए अधिक से अधिक व्यक्तियों की सैंपलिंग कराई जाए।

सार–समाचार

अनियंत्रित स्कार्पियो खड्ड में गिरी, चालक बाल बाल बचा साढ़ क्षेत्र के दरगाहीलाल नहर पुल पर हुई घटना।

क्रांति समय संवाददाता

साढ़घाटमपुर) देर रात रमईपुर मार्ग स्थित दरगाहीलाल नहर पुल पर अनियंत्रित स्कोर्पियो डिवाइडर से टकराकर गहरे खड्ड में चली गयी जिसमें चालक बाल बाल बच गया। जानकारी के अनुसार थाना साढ़ में तैनात सिपाही प्रशांत कुमार कुन्दौली भट्टा स्थित अपने आवास जा रहा था तभी स्कार्पियो अनियंत्रित हो नहर पुल के पहले गहरे खड्ड में जा गिरी जिससे चालक सिपाही के मामूली चोटें आई।

जिला पंचायत सदस्य राजनारायण कुरील ने पूजन कर रोड के डामरीकरण की शुरुआत की

क्रांति समय संवाददाता पतारा कस्बे में रायपुर रोड से प्राचीन बजरंगबली मंदिर तक रोड क डामरीकरण की शुरुआत पूजन कर की वही पतारा क्षेत्र के प्रतापपुर गांव से तेजकमलपुर गांव तक रोड के डामरीकरण क पूजन कर शुरुआत की मौके पर पूर्व मण्डल अध्यक्ष ओमबाबू गुप्ता,मनीष शर्मा,सर्वेंद्र शुक्ला, गया प्रसाद त्रिवेदी,पुतान सिंह, अवधेश,वीरेंद्र सिंह,सुशील गुप्ता आदि लोग रहें

रायबरेली मोहर्रम के त्यौहार की सतर्कता को लेकर उपजिलाधिकारी डलमऊ सविता यादव

क्रांति समय संवाददाता

गदागंज रायबरेली मोहर्रम के त्यौहार की सतर्कता को लेकर उपजिलाधिकारी डलमऊ सविता यादव व क्षेत्राधिकारी अशोक कुमार सिंह ने।

गदागंज के मुस्लिम बाहुल्य क्षेत्र जलालपुर ढाई धम धमा में पैदल मार्च करते हुए मुस्लिम समुदाय के लोगों से अपने घरों पर ही शांतिप्रिय तरीके से त्यौहार मनाने की अपील की। शासन के निर्देशों का हवाला देते हैं। एसडीएम ने मुस्लिम धर्मगुरु के साथ बैठक करते हुए बताया कि इस बार ताजिया का जुलूस निकालने पर पूर्णतया पाबंदी रहेगी।

ज्वेलर्स व्यवसाई की फेसबुक आईडी हैक

क्रांति समय संवाददाता

गदागंज रायबरेली थाना क्षेत्र के अंतर्गत मतीनगंज में ज्वेलर्स की शॉप चलाने वाले पवन कुमार गुप्ता की फेसबुक आईडी को हैक कर लिया गया इसकी जानकारी पीड़ित को तब हुई जब उसके दोस्तों से पैसे मांगे गए पूरे सूबेदार मजरे धूता निवासी पवन कुमार गुप्ता मतीनगंज में ज्वेलर्स की दुकान करते हैं। उनकी एक पुरानी फेसबुक आईडी गदागंज थाने में तहरीर देकर बताया कि उनकी फेसबुक आईडी को किसी अज्ञात व्यक्ति के द्वारा हैक कर लिया गया है और उनके मित्रों से मैसेज करके पैसों की मांग की जा रहा है। किसी भी धोखाधड़ी से बचने के लिए पीड़ित ने थाना प्रभारी से कार्यवाही किए जाने की मांग की है थाना प्रभारी अजीत कुमार विद्यार्थी ने बताया कि शिकायत मिली है, जांच की जा रही हैं ।

पंचायती चुनाव को लेकर मतदाता पुनरीक्षण की तैयारी;संयुक्त आयुक्त ने जारी किया पत्र

क्रांति समय संवाददाता

ऊंचाहार।पंचायती चुनाव को लेकर भले ही सरकार ने अपने चुनावी तारिख की घोषणा नही किया है लेकिन विभागीय प्रक्रिया अंदर ही अंदर जारी है जिसको लेकर पंचायती चुनाव की हलचले बड़ गई है।

बताते चले कि त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचक नामावलियों के वृहद् पुनरीक्षण के सम्बन्ध में अपर निर्वाचन आयुक्त वेदप्रकाश वर्मा ने अपने जारी पत्र संख्या 202030179 मे डीएम को आदेशित करते हुए आयोग के पत्र संख्या 2020300355 का हवाला देते हुए आदेशित किया है कि 1सिंतबर सन् 2020 से मतदाता पुनरीक्षण हेतु का कार्य प्रारंभ करने हेतु आयोग के विचार है।जिसका पत्र जारी होने के बाद ब्लाक से निकली खबर से पंचायती चुनाव की हलचले बड़ा दिया है।जिसको लेकर ग्राम पंचायतो के गरीबो सेलेकर मरीजो तक के आवभगत मे मौजूदा प्रधान से लेकर खुदी को भावी प्रधान मानकर प्रधानी के दावेदार जुट गए है।उधर बीडीओ विजयंत सिंह ने खबर की पुष्टि करते हुए बताया कि 1सितंबर से बीएलओ के द्वारा गांव गांव अभियान मतदाना पुनरीक्षण का चलवाया जाएगा।

चकेरी पुलिस द्वारा शराब से भरा ट्रक बरामद किया

कानपुर महानगर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के आदेश अनुसार कानपुर महानगर की पुलिस द्वारा चलाए जा रहे अभियान के तहत अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध के चलते चकेरी पुलिस एवं आबकारी अधिकारियों के नेतृत्व में एक ट्रक नंबर डब्ल्यू बी59 सी 3233 में अवैध रूप से जा रही शराब को शराब को बरामद किया टूटे चावल की 70 बोरी रॉयल चैलेंज शराब की 70 पेटी मैक्डावर शराब की 160 पेटी इंपिरियल ब्लू शराब की 270 पेटी बरामद की टीम में चकेरी थाना इंचार्ज रवि श्रीवास्तव एस एस आई राकेश मौर्या एसआई जितेंद्र बहादुर एसआई विजय कुमार शुक्ला आबकारी निरीक्षक अखिलेंद्र बहादुर आबकारी निरीक्षक कानपुर साहब सिंह एवं अन्य कर्मचारी गण मौजूद रहे

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

श्री गणेशोत्सव में अपने–अपने घरों में मूर्ति की स्थापना कर पूजा अर्चना कर रहे.

खड़ीपुर के बाद लिबायंत मीठीखाडी सोसायटी की यह हालत

सूरत मनपा की सभी अधिकारी किस समय का इंतज़ार कर रहे हैं

सूरत यह वह खूबसूरत हैं जो स्वस्छता में पुरे देश में दूसरे क्रमक पर है,लोगों एक चर्चा: यह भी हैं की सुरत कितना खूबसूरत हैं

युवक की हत्या कर भाग रहे शख्स को पुलिस ने पीछा कर धरदबोचा

सूरत शहर के सरोली मार्केट के निकट एक ऑटो रिक्शा चालक की हत्या कर भाग रहे आरोपी को पुलिस ने करीब तीन किलोमीटर तक पीछा कर उसे दबोच लियाद्य प्राथमिक जांच में पता चला कि

रिक्शा चालक के रुपए देने से इंकार करने पर आरोपी ने उसे मौत के घाट उतार दियाद्य मृतक के ससुर की शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू की है।

जानकारी के मुताबिक उत्तर प्रदेश के रायबरेली निवासी 28 वर्षीय सिद्धनाथ उर्फ राजू छोटेलाल सूरत के कंभारिया गाम खाडी मुहल्ले रहता था और ऑटो रिक्शा चलाकर जीवनयापन करता था।

सिद्धनाथ की सूरत के पलसाणा क्षेत्र निवासी प्रिन्स रामशंकरसिंह नामक शख्स से दोस्ती थीद्य प्रिन्स आए दिन सिद्ध नाथ से उधार रुपए मांगताद्य लेकिन सिद्धनाथ रुपए नहीं देता था। गुरुवार को प्रिन्स ने फिर एक बार सिद्धनाथ से रुपए मांगे लेकिन उसने देने से इंकार दिया।

जिससे प्रिन्स भड़क गया और उसने सिद्धनाथ पर चाकू से हमला कर उसे मौत के घाट उतार दिया और वहां से भाग निकलाद्य हांलाकि किसी अज्ञात शख्स ने आरोपी का पीछा करते हुए पुलिस को जानकारी दी।

जिसके आधार पर पूणा के पुलिस निरीक्षक ने करीब तीन किलोमीटर तक आरोपी का पीछा कर उसे गिरफ्तार कर लिया।

कांग्रेस विरोध प्रदर्शन कर विद्यार्थियों के भविष्य से खिलवाड कर रही है :भाजपा

अहमदाबाद गुजरात भाजपा ने नीट और जेईई परीक्षा को लेकर प्रदेश कांग्रेस द्वारा शुक्रवार को राज्यभर में किए गए प्रदर्शन कर पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की हैद्य भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता भरत पंड्या ने कहा कि राज्यभर में सोशस डिस्टेंस की धज्जियां उड़ाकर विद्यार्थियों को भड़काने और अराजकता फैलाने के उद्देश्य से कांग्रेस ने राज्यभर में राजनी. तिक ड्रामा किया हैद्य एक ओर भ. ाजपा पर सोशल डिस्टेंस को लेकर राजनीतिक आरोप लगाती है और दूसरी ओर खुद सोशल डिस्टेंस का उल्लंघन करती हैद्य उन्होंने कहा कि कांग्रेस हमेशा दोमुंही बात करती हैद्य पहले संचालक, अभिभावक और विद्यार्थियों के संदर्भ में अलग अलग बयानबाजी की और अब परीक्षा के मुद्दे पर अलग अलग राजनीतिक स्टंट कर रही हैद्य कांग्रेस को लोकतंत्र में विश्वास नहीं हैद्य चुनाव आयोग पर भरोसा नहीं है और अब तो न्यायतंत्र पर भी उसे विश्वास नहीं हैद्य जब सुप्रीम कोर्ट ने नीट और जेईई या अन्य परीक्षा के बारे में जो फैसला दिया हो तब उसका विरोध करना कितना उचित है? पंड्या ने कहा कि कांग्रेस को विद्यार्थियों के भविष्य से कोई लेना–देना नहीं है। वह केवल और केवल देश में इराजकता फैलाना चाहती हैद्य कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष का पैंच फंसा हुआ हैद्य गांधी परिवार में राहुल गांधी के प्रियंका वाड्रा को राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाने की कवायद में निष्फल होने के बाद सोनिया गांधी को कांग्रेस के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष जारी रखा गया है 23 से ज्यादा कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने परिवर्तन के लिए पत्र लिखकर आंतरिक गुटबंदी के संकेत दे दिए हैंद्य भरत पंड्या ने कहा कि कांग्रेस का मकसद विद्यार्थियों के भविष्य के साथ खिलवाड कर राष्ट्रीय कांग्रेस में चल रही आंतरिक गुटबंदी की खबरों को डायवर्ट करना हैद्य देश में अस्थिरता और अराजकता फैलाने के लिए प्रत्येक राज्य में परीक्षा को लेकर आंदोलन करने का आदेश दिया गया हैद्य इसलिए गुजरात कांग्रेस पार्टी हाईकमांड के आदेश पर मीडिया में बने रहने के लिए राजनीतिक नाटक कर रही हैद्य परंतु गुजरात की जनता कांग्रेस के मंसूबों से भलीभांति वाकिफ है।

कांग्रेस चाहे जितना जोर लगा ले गुजरात की जनता उसके बहकावे में नहीं आएगीं।

नीट–जेईई परीक्षा स्थगित करने की मांग को लेकर कांग्रेस का राज्यभर में प्रदर्शन

अहमदाबाद कोरोना संकट में नीट–जेईई स्थगित करने की मांग को लेकर आज गुजरात समेत देशभर में प्रदर्शन किया जा रहा हैद्य गुजरात में नीट के 80 हजार और जेईई के 37 विद्यार्थी परीक्षा देंगेद्य लेकिन कोरोना संकट के बीच ये परीक्षा आयोजित नहीं करने की देशभर में मांग की जा रही हैद्य शुक्रवार को अहमदाबाद समेत राज्यभर में कांग्रेस प्रदर्शन कर रही है। गुजरात प्रदेश कांग्रेस प्रमुख अमित चावड़ा ने धरना दियां चावड़ा ने कहा कि कोरोना संकट के बीच परीक्षा लेने से विद्यार्थियों का स्वास्थ्य खतरे में पड़ जाएगां इसके बावजूद सरकार कोरोना संकट के बीच परीक्षा लेने पर अड़ी हुई हैं।

अमित चावडा ने अहमदाबाद में गुजरात यूनिवर्सिटी पर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं।

लेकिन प्रदर्शन उग्र होने पर पुलिस ने अमित चावड़ा समेत कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लियाद्य अहमदाबाद के अलावा वडोदरा, सूरत और राजकोट में भी कांग्रेस ने विरोध प्रदर्शन कियां।

ंवडोदरा में रोडवेज की बसें रोकने पर पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को हिरासत में ले लिया। प्रदर्शनकारी महिला ने रावपुरा पुलिस थाने के पीएसआई पर उसकी छाती पर हाथ लगाने का गंभीर आरोप लगाया हैद्य कांग्रेस ने पीएसआई को तत्काल सस्पैंड करने की मांग की हैं।

लेकिन पीएसआई ने प्रदर्शनकारी महिला के आरोप का खंडन किया हैं ।

राजकोट में भी नीट और जेईई परीक्षा रद्द करने की मांग को लेकर कांग्रेस ने प्रदर्शन कियाद्य राजकोट जिला कलेक्टर कचहरी के बाहर प्रदर्शनकारियों ने विद्यार्थियों के स्वास्थ्य से खिलवाड बंद करने की मांग करते हुए उग्र नारेबाजी की

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)